सम-सामयिक घटना चक्र

अतिरिक्तांक

GS प्वाइंटर

(पूर्वावलोकन सार)

निःशुल्क
सितम्बर-अक्टूबर, 2017 अंक के साथ

आधुनिक भारत का इतिहास

श्रृंखला का अगला अंक - भारतीय राजव्यवस्था एवं शासन

GS प्वाइंटर 2
आधुनिक भारतीय इतिहास

2017, अगस्त माह से सम-सामयिक घटना चक्र मुख्य पत्रिका के साथ निःशुल्क अतिरिक्तांक की शृंखला प्रारंभ की गई है। शृंखला में सामान्य अध्ययन के विभिन्न विषयों पर GS 'प्वाइंटर' क्रमशः प्रस्तुत किया जाएगा।

आधुनिक भारतीय इतिहास

यूरोपीय कंपनियों का आगमन

- वास्कोडिगामा, कालीकट तट पर पहुंचा — **1498 ई. में**
- पुर्तगाली उपनिवेश का प्रथम वायसराय भारत में था — **फ्रांसिस्को द अल्मीडा**
- वास्कोडिगामा का कालीकट में स्वागत किया था — **जमोरिन ने**
- सही सुमेलित है–

सूची–I (समुद्री यात्री)		**सूची–II (देश)**
वास्कोडिगामा	–	पुर्तगाल
क्रिस्टोफर कोलम्बस	–	स्पेन
कैप्टन कुक	–	ग्रेट ब्रिटेन
तस्मान	–	हॉलैंड

- भारत में पुर्तगाली शक्ति का वास्तविक संस्थापक था — **अल्बुकर्क**
- पुर्तगालियों ने भारत में प्रथम दुर्ग का निर्माण किया था — **कोचीन में**
- मध्यकाल में सर्वप्रथम भारत से व्यापार संबंध स्थापित करने वाले थे — **पुर्तगाली**
- भारत में प्रथमतः सामुद्रिक व्यापारिक केंद्र स्थापित किया — **पुर्तगालियों ने**
- बंगाल की बांदेल, चिनसुरा, हुगली तथा श्रीरामपुर फैक्ट्रियों में से एक जो पुर्तगालियों द्वारा स्थापित की गई थी — **हुगली**
- पांडिचेरी के संदर्भ में सही कथन है- **— पांडिचेरी पर कब्जा करने वाली पहली यूरोपीय शक्ति पुर्तगाली थे**
- हुगली को बंगाल की खाड़ी में समुद्री लूटपाट के लिए अड्डा बनाया था — **पुर्तगालियों ने**
- कलकत्ता का संस्थापक था — **जॉब चारनॉक**
- भारत में यूरोपीय शक्तियों के प्रवेश के संदर्भ में सही कथन हैं- **— अंग्रेजों ने अपना पहला कारखाना दक्षिण भारत में मछलीपट्टनम में लगाया; पूर्वी भारत में अंग्रेजी कंपनी ने 1633 ई. में उड़ीसा में पहला कारखाना लगाया; डूप्ले के नेतृत्व में फ्रांसीसियों ने 1746 ई. में मद्रास पर कब्जा किया था।**
- भारत के साथ व्यापार के लिए सर्वप्रथम संयुक्त पूंजी कंपनी आरंभ करने वाले लोग — **डच**
- सही कथन है- **— डचों ने पुर्तगालियों को पराजित किया और आधुनिक कोच्चि में उन्होंने फोर्ट विलियम्स का निर्माण किया।**
- भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी की सफलता का राज था **— भारत में राष्ट्रीय भावना की कमी; कंपनी की सेना को पश्चिमी प्रशिक्षण मिला था तथा उनके पास आधुनिक हथियार थे; भारतीय सैनिकों में राष्ट्रीय भावना का अभाव था जिसके फलस्वरूप कोई जो उन्हें अच्छा वेतन दे, अपनी सेवा में लगा सकता था।**
- ब्रिटिश कंपनियों में से भारत में व्यापार करने का पहला अधिकार-पत्र प्राप्त हुआ था — **लीवेंट कंपनी को**

ईस्ट इंडिया कंपनी और बंगाल के नवाब

✱ लंदन में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के गठन के समय भारत का बादशाह था — **अकबर**

✱ वह मुगल सम्राट जिसके शासनकाल में इंग्लिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत में सर्वप्रथम कारखाना स्थापित किया — **जहांगीर**

✱ भारत में 1613 ई. में अंग्रेजों ने अपनी पहली फैक्टरी स्थापित की थी — **सूरत में**

✱ वह अंग्रेज अधिकारी जिसने पुर्तगालियों को स्वाल्ली (Sowlley) के स्थान पर हराया था — **थॉमस बेस्ट**

✱ यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों में से सूरत में सर्वप्रथम अपना कारखाना स्थापित किया — **अंग्रेजों ने**

✱ ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने बंबई लिया था — **पुर्तगालियों से**

✱ ईस्ट इंडिया कंपनी का गवर्नर जिसे औरंगजेब द्वारा भारत से निष्कासित किया गया — **सर जॉन चाइल्ड**

✱ प्रथम कर्नाटक युद्ध का तात्कालिक कारण था — **अंग्रेजों द्वारा फ्रांसीसी जहाजों का अधिग्रहण**

✱ कर्नाटक युद्ध लड़ा गया — **अंग्रेज व फ्रांसीसी के मध्य**

✱ सही सुमेलित है–

सूची-I		**सूची-II**
प्रथम कर्नाटक युद्ध	–	एक्स ला चैपल की संधि से अंत
द्वितीय कर्नाटक युद्ध	–	अनिर्णायक युद्ध
तृतीय कर्नाटक युद्ध	–	पेरिस की संधि से अंत
प्रथम मैसूर युद्ध	–	ब्रिटिश की हार

✱ प्रथम यूरोपियन व्यक्ति जिसने भू-क्षेत्र अर्जित करने के उद्देश्य से भारतीय राजाओं के झगड़ों में भाग लेने की नीति आरंभ की — **डूप्ले**

✱ भारत में फ्रांसीसियों ने अपना सबसे पहला कारखाना स्थापित किया — **सूरत में**

✱ फ्रांसिसी ईस्ट इंडिया कंपनी संस्थापित हुई थी — **लुई चौदहवें के शासनकाल में**

✱ भारत में फ्रांसीसी कंपनी का संस्थापक माना जाता है — **कॉल्बर्ट को**

✱ बंगाल में डचों द्वारा स्थापित कारखाना था — **चिनसुरा में**

✱ फ्रांसीसी दकन में शक्ति आंदोलन स्थापित करने में असफल रहे क्योंकि — **अंग्रेजों की फौज शक्तिशाली थी**

✱ भारत में यूरोपीय शक्तियों के आगमन का क्रम है — **पुर्तगीज-डच-अंग्रेज-फ्रांसीसी**

✱ सही सुमेलन है–

पांडिचेरी	–	फ्रेंच
गोवा	–	पुर्तगीज
ट्रानकेबार	–	डेनिश (डेन)
मद्रास	–	डच

✱ यूरोपियों में से स्वतंत्रता-पूर्व भारत में व्यापारी के रूप में सबसे अंत में आए — **फ्रांसीसी**

✱ मुगल सम्राट द्वारा नियुक्त बंगाल का अंतिम गवर्नर था — **मुर्शीद कुली खान**

✱ वह युद्ध जिसने भारत में ब्रिटिश प्रभुत्व को प्रारंभ किया — **प्लासी का युद्ध**

✱ सिराजुद्दौला लॉर्ड क्लाइव द्वारा परास्त हुआ था — **प्लासी के युद्ध में**

✱ भारतवर्ष में ब्रिटिश साम्राज्य का संस्थापक था — **लॉर्ड रॉबर्ट क्लाइव**

✱ अल्बुकर्क, रॉबर्ट क्लाइव, फ्रांसिस डूप्ले तथा लॉर्ड कार्नवालिस में से जिसे 'स्वर्ग से उत्पन्न सेनानायक' कहा गया, वह है — **रॉबर्ट क्लाइव**

✱ प्लासी का युद्ध मैदान अवस्थित है — **पश्चिम बंगाल में**

✱ प्लासी का युद्ध लड़ा गया था — **1757 ई. में**

✱ बंगाल का वह नवाब जिसने अपनी राजधानी मुर्शिदाबाद से मुंगेर स्थानांतरित की — **मीरकासिम**

✱ सबसे अधिक निर्णायक युद्ध, जिसने अंग्रेजों के भारत में प्रभुत्व को संस्थापित किया था — **बक्सर का युद्ध**

✱ बक्सर के युद्ध के समय दिल्ली का शासक था — **शाहआलम द्वितीय**

✱ बक्सर की लड़ाई के समय बंगाल का नवाब था — **मीर जाफर**

✱ इंग्लैंड की ईस्ट इंडिया कंपनी की भारत में प्रथम निर्णायक सैन्य सफलता मानी जाती है — **बक्सर का युद्ध**

✱ ईस्ट इंडिया कंपनी को दीवानी प्रदान की थी — **शाहआलम द्वितीय ने**

✱ 1765 ई. में ईस्ट इंडिया कंपनी को बंगाल की दीवानी प्रदान की — **मुगल सम्राट ने**

✱ वह गवर्नर जिसके कार्यकाल में ईस्ट इंडिया कंपनी को शहंशाह शाहआलम द्वारा बंगाल, बिहार तथा उड़ीसा में दीवानी अधिकार दिए गए — **लॉर्ड क्लाइव**

✱ सम्राट शाहआलम द्वितीय ने ईस्ट इंडिया कंपनी को बंगाल, बिहार तथा उड़ीसा की दीवानी प्रदान की — **12 अगस्त, 1765 को**

✱ इलाहाबाद की संधि के बाद रॉबर्ट क्लाइव ने मुर्शिदाबाद का उप दीवान नियुक्त किया — **मुहम्मद रजा खान को**

✱ 1765 ई. में दीवानी प्रदान किए जाने के बाद ब्रिटिश सबसे पहले जिस पर्वतीय जनजाति के संपर्क में आए, वह है — **खासी**

✱ 18वें शतक में भारत में लड़े गए युद्धों का सही कालानुक्रम है — **अम्बर युद्ध-प्लासी युद्ध-वांडीवाश युद्ध-बक्सर युद्ध**

✱ वांडीवाश के युद्ध (1760) में — **ब्रिटिश ने फ्रेंच को हराया**

✷ सही सुमेलित युग्म हैं–

बक्सर का युद्ध	–	मीरकासिम विरुद्ध ईस्ट इंडिया कंपनी
वांडीवाश का युद्ध	–	फ्रांसीसी विरुद्ध ईस्ट इंडिया कंपनी
चिलियांवाला का युद्ध	–	डलहौजी के विरुद्ध सिख
खुर्दा का युद्ध	–	निजाम विरुद्ध मराठे

✷ भारत में अंग्रेजों का सर्वाधिक विरोध किया गया **– मराठा द्वारा**

क्षेत्रीय राज्य : पंजाब एवं मैसूर

✷ रणजीत सिंह के राज्य में सम्मिलित था **– श्रीनगर**

✷ रणजीत सिंह संबंधित थे **– सुकरचकिया मिसल से**

✷ महाराजा रणजीत सिंह के राज्य की राजधानी थी **– लाहौर**

✷ रणजीत सिंह ने सुप्रसिद्ध कोहिनूर हीरा प्राप्त किया था **– शाहशुजा से**

✷ "ईश्वर की इच्छा थी कि मैं सब धर्मों को एक निगाह से देखूं, इसीलिए उसने दूसरी आंख की रोशनी ले ली" यह कथन कहा था **– महाराजा रणजीत सिंह ने**

✷ महाराजा रणजीत सिंह के उत्तराधिकारी थे **– खड्ग सिंह**

✷ सिख राज्य का अंतिम राजा था **– दलीप सिंह**

✷ पंजाब के पूर्व महाराजा दलीप सिंह के विषय में 23 अक्टूबर, 1893 को उनका निधन पेरिस में हुआ, नासिक में उनकी अंत्येष्टि हुई, उन्होंने कभी भी सिख धर्म नहीं छोड़ा था, वह कभी भी रूस नहीं गए थे, में से सही कथन है **– 23 अक्टूबर, 1893 को उनका निधन पेरिस में हुआ**

✷ पंजाब के विलय के पश्चात पंजाब पर शासन करने के लिए 'तीन की परिषद' के सदस्य थे **– सर हेनरी लॉरेंस (अध्यक्ष), जॉन लॉरेंस एवं चार्ल्स ग्रेविल मानसेल**

✷ प्रथम आंग्ल-मैसूर युद्ध (1766-69) में विजयी हुआ **– हैदर अली**

✷ ब्रिटिश जनरल जिसने हैदर अली को पोर्टोनोवो के युद्ध में हराया **– सर आयरकूट**

✷ टीपू सुल्तान ने अपनी राजधानी बनाई **– श्रीरंगपट्टनम में**

✷ वह भारतीय शासक जिसने विदेशों में आधुनिक पद्धति से दूतावास स्थापित किए थे **– टीपू सुल्तान**

✷ टीपू सुल्तान ने ब्रिटिश सेना को 1780 ई. में हराया था **– पोलीलुर में**

✷ अंग्रेजों ने श्रीरंगपट्टनम की संधि की थी **– टीपू सुल्तान के साथ**

✷ टीपू सुल्तान अंग्रेजों के साथ युद्ध में मारे गए **– 1799 ई. में**

✷ सही सुमेलित युग्म हैं–

प्रथम आंग्ल-मैसूर युद्ध	-	हैदर अली विजित हुआ था
द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध	-	अनिर्णायक
तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध	-	टीपू सुल्तान युद्ध में पराजित हुआ और अपना भू-भाग अंग्रेजों को दिया।
चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध	-	टीपू पराजित किया गया और युद्ध के मध्य दिवंगत हुआ

✷ बेगम समरु ने एक अति प्रसिद्ध चर्च का निर्माण करवाया **– सरधना में**

✷ सही कथन हैं-
– महाराजा रणजीत सिंह ने लाहौर में तोपों के निर्माण के लिए आधुनिक ढलाई खाने स्थापित किए; आमेर में सवाई जयसिंह ने यूक्लिड के 'रेखागणित के तत्वों' का संस्कृत में अनुवाद कराया; मैसूर में टीपू सुल्तान ने शृंगेरी मंदिर में देवी शारदा की मूर्ति के निर्माण के लिए धन दिया।

✷ सही कथन है-
– प्लासी के युद्ध में सिराजुद्दौला की पराजय के लिए मीर जाफर ने अंग्रेजों से मिलकर षड्यंत्र रचा

गवर्नर/गवर्नर जनरल/वायसराय

✷ सही कथन हैं-
– जन प्रशासन की नींव वॉरेन हेस्टिंग्स द्वारा मज़बूती से रखी गई जिस पर ऊपरी संरचना कार्नवालिस ने की; ईस्ट इंडिया कंपनी की असैनिक और सैनिक सुधार करने का श्रेय क्लाइव को था; लॉर्ड डलहौजी ने ध्युति के सिद्धांत के आधार पर ब्रिटिश साम्राज्य में समृद्ध क्षेत्र जोड़े।

✷ कलकत्ता में एशियाटिक सोसायटी की स्थापना के समय बंगाल का गवर्नर जनरल था **– लॉर्ड वॉरेन हेस्टिंग्स**

✷ 'सुरक्षा प्रकोष्ठ' की नीति संबंधित है **– वॉरेन हेस्टिंग्स से**

✷ बंगाल में द्वैध-शासन प्रणाली (Dual Government) को समाप्त किया **– वॉरेन हेस्टिंग्स ने**

✷ वह गवर्नर जनरल जिस पर ब्रिटिश संसद में महाभियोग का मुकदमा चलाया गया था **– वॉरेन हेस्टिंग्स**

✷ भारत में न्यायिक संगठन की स्थापना की **– लॉर्ड कार्नवालिस ने**

✷ वह गवर्नर जनरल जिसने भारत की प्रसंविदाबद्ध सिविल सेवा (कोवेनैन्टेड सिविल सर्विस ऑफ इंडिया) का सृजन किया जो कालांतर में भारतीय सिविल सेवा के नाम से जानी गई **– कार्नवालिस**

✷ लॉर्ड कार्नवालिस की कब्र स्थित है **– गाजीपुर में**

✷ 1802 ई. की 'बसीन की संधि' पर हस्ताक्षर हुए थे **– अंग्रेज तथा बाजीराव II के मध्य**

✷ लॉर्ड वेलेजली की सहायक संधि को स्वीकार करने वाला पहला मराठा सरदार था **– पेशवा बाजीराव II**

✷ सहायक संधि को क्रियान्वित किया गया **– लॉर्ड वेलेजली के काल में**

✷ सहायक संधि व्यवस्था को स्वीकार करने वाला प्रथम भारतीय देशी शासक था **– हैदराबाद के निजाम**

✷ हैदराबाद, मैसूर, अवध तथा सिंधिया में लॉर्ड वेलेजली के साथ सहायक संधि करने वाले राज्यों का सही कालानुक्रम है **– हैदराबाद, मैसूर, अवध तथा सिंधिया**

✱ सहायक संधि को स्वीकार करने वाला पहला शासक था **— अवध का नवाब**

नोट— *यदि प्रश्न में वेलेजली की सहायक संधि को स्वीकार करने वाले प्रथम राज्य के बारे में पूछा जाए, तो उत्तर हैदराबाद होगा।*

✱ हैदराबाद के निजाम, इंदौर के होल्कर राज्य, जोधपुर के राजपूत राज्य तथा मैसूर के शासक में से 'सहायक संधि' स्वीकार नहीं की थी **— इंदौर के होल्कर राज्य ने**

✱ भारतीय राज्यों पर अंग्रेजी प्रभुत्व स्थापित करने के लिए प्रशासन में सहायक संधि प्रणाली का सूत्रपात किया **— लॉर्ड वेलेजली ने**

✱ ईस्ट इंडिया कंपनी का राजपूत राज्यों में सहायक संधि करने का मुख्य उद्देश्य था **— अंग्रेजों की प्रभुसत्ता स्थापित करना**

✱ उस समय जब नेपोलियन की शक्ति के सामने यूरोप में साम्राज्य धराशायी हो रहे थे, तत्कालीन समय में वह ब्रिटिश गवर्नर जनरल जिसने भारत में ब्रिटिश पताका फहराए रखी **— लॉर्ड वेलेजली**

✱ आंग्ल-नेपाल युद्ध जिसके शासनकाल में हुआ था, वह है **— लॉर्ड हेस्टिंग्स**

✱ सही सुमेलित है—

हेक्टर मुनरो	-	बक्सर का युद्ध
लॉर्ड हेस्टिंग्स	-	आंग्ल-नेपाल युद्ध
लॉर्ड वेलेजली	-	चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध
लॉर्ड कॉर्नवालिस	-	तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध

✱ तृतीय आंग्ल-मराठा युद्ध संबंधित है **— लॉर्ड हेस्टिंग्स से**

✱ सर टॉमस मुनरो मद्रास के गवर्नर रहे **— 1820-1827 ई. तक**

✱ तथाकथित कुशासन के आधार पर जिस गवर्नर जनरल ने मैसूर राज्य के प्रशासन को ले लिया था, वह था **— लॉर्ड विलियम बेंटिक**

✱ गवर्नर जनरल जो तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध से संबद्ध है **— लॉर्ड कार्नवालिस**

✱ ठगों के दमन से संबद्ध था **— कैप्टन स्लीमैन**

✱ सती प्रथा पर पाबंदी लगाई **— विलियम बेंटिक ने**

✱ विलियम बेंटिक के द्वारा सती प्रथा समाप्त की गई **— 1829 ई. में**

✱ बंगाल से दासों के निर्यात को रोक दिया गया **— 1789 ई. में**

✱ लॉर्ड डलहौजी द्वारा अवध का अंग्रेजी राज्य में विलय हुआ था **— कुप्रशासन के कारण**

✱ ब्रिटिश साम्राज्य में अवध का विलय हुआ था **— 1856 ई. में**

✱ सही सुमेलित युग्म है—

1849 ई.	—	पंजाब का विलय
1848 ई.	—	सतारा का विलय
1856 ई.	—	अवध का विलय
1855 ई.	—	करौली का विलय

✱ वह गवर्नर जनरल जिसने विलय की नीति नियोजित एवं क्रियान्वित की **— डलहौजी**

✱ भारत में ब्रिटिश शासन के दौरान झांसी, संभलपुर तथा सतारा राज्यों के विलय का सही क्रम है- **— सतारा, संभलपुर, झांसी**

✱ अंग्रेजों द्वारा सिंध विजय संपन्न हुई **— लॉर्ड एलेनबरो के समय**

✱ सिंध पर ब्रिटिश ने कब्जा किया **— 1843 ई. में**

✱ जब अवध का ब्रिटिश साम्राज्य में विलय हुआ उस समय अवध का ब्रिटिश रेजीडेंट था **— जेम्स आउट्रम**

✱ भारत में प्रथम रेलवे लाइन जिस ब्रिटिश गवर्नर के समय बिछाई गई थी, वह था **— लॉर्ड डलहौजी**

✱ भारत में प्रथम रेल लाइन का निर्माण हुआ था **— बंबई और थाणे के मध्य**

✱ भारत में पहली रेलवे लाइन शुरू हुई **— 1853 ई. में**

✱ वह कंपनी जिसने सर्वप्रथम भारत में रेल यात्रा प्रारंभ की **— ग्रेट इंडियन पेनिनसुला रेलवे**

✱ ब्रिटिश भारतीय राज्य क्षेत्र का अंतिम प्रमुख विस्तार हुआ **— डलहौजी के समय में**

✱ पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट को 1845-1855 ई. के दौरान स्वरूप देने वाले थे **— लॉर्ड डलहौजी**

✱ विधवा पुनर्विवाह अधिनियम क्रियान्वित किया गया **— लॉर्ड कैनिंग के शासनकाल में**

✱ 1 नवंबर, 1858 को महारानी विक्टोरिया का घोषणा-पत्र इलाहाबाद में पढ़कर सुनाया था **— लॉर्ड कैनिंग ने**

✱ भारत का प्रथम वायसराय था **— लॉर्ड कैनिंग**

✱ अपने पुत्र के स्थान पर दूसरे उत्तराधिकारी को गोद लेने के अधिकार को पुनः स्थापित किया था **— 1858 ई. की साम्राज्ञी की घोषणा ने**

✱ महारानी विक्टोरिया को भारत की साम्राज्ञी नियुक्त किया गया **— 1858 ई. में**

✱ वह गवर्नर जनरल जिसने भारत में दास प्रथा को समाप्त किया था **— लॉर्ड एलेनबरो ने**

✱ सही सुमेलित युग्म है—

लॉर्ड कार्नवालिस	-	स्थायी बंदोबस्त
लॉर्ड वेलेजली	-	सहायक संधि
लॉर्ड डलहौजी	-	व्यपगत का सिद्धांत
लॉर्ड कैनिंग	-	1857 का विद्रोह
लॉर्ड हेस्टिंग्स	-	तृतीय आंग्ल-मराठा युद्ध
लॉर्ड विलियम बेंटिक	-	1829 ई. का सत्रहवां रेगुलेशन

✱ 'स्थायी बंदोबस्त' प्रारंभ किया गया था **— लॉर्ड कार्नवालिस के शासनकाल में**

✱ पेशवाई (Peshwaship) को समाप्त किया गया था **— 1818 ई. में**

✷ सही सुमेलित है–

सर जॉन शोर	–	निष्क्रियता
लॉर्ड एलेनबरो	–	सिंध का विलय
लॉर्ड डलहौजी	–	अवध का विलय
लॉर्ड वेलेजली	–	चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध

✷ सही सुमेलित है

लॉर्ड डलहौजी	-	अवध का विलीनीकरण
लॉर्ड डफरिन	-	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना
लॉर्ड विलियम बेंटिक	-	चार्टर एक्ट,1833 का पारित होना
लॉर्ड लिटन	-	द्वितीय आंग्ल-अफगान युद्ध का प्रारंभ होना

✷ वह गवर्नर जनरल जो 'चतुराईपूर्ण निष्क्रियता' की नीति के साथ जुड़ा है **– जॉन लॉरेंस**

✷ भारत में अंग्रेजों के समय में प्रथम जनगणना हुई **– लॉर्ड मेयो के कार्यकाल में**

✷ वह वायसराय जिसकी हत्या अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में (जब वे भ्रमण पर थे) एक दंडित अपराधी द्वारा की गई थी **– लॉर्ड मेयो**

✷ अफगानिस्तान के प्रति एक जोशभरी 'अग्र' (फॉरवर्ड) नीति का अनुसरण करने वाला गवर्नर जनरल था **– लिटन**

✷ भारत का वायसराय सबसे दीर्घकाल तक रहा **– लॉर्ड लिनलिथगो, लॉर्ड कर्जन (द्वितीय सर्वाधिक कार्यकाल)**

✷ भारत में स्थानीय स्वायत्तशासी संस्थाएं 1882 ई. में सशक्त की गई थीं **– लॉर्ड रिपन द्वारा**

✷ इलबर्ट बिल विवाद का संबंध था **– यूरोप के लोगों के मामलों की सुनवाई करने के लिए भारतीय न्यायाधीशों पर लगाई गई अयोग्यताओं को हटाए जाने से**

✷ महिलाओं तथा बच्चों की कार्यावधि के घंटों को सीमित करने तथा स्थानीय शासन को आवश्यक नियम बनाने के लिए प्राधिकृत करने के लिए प्रथम फैक्टरी अधिनियम का अभिग्रहण किया गया **– लॉर्ड रिपन के कार्यकाल में**

✷ भारत में 'स्थानीय स्वायत्त शासन' का जनक माना जाता है **– लॉर्ड रिपन को**

✷ सही सुमेलित है–

सूची I		सूची II
क्लाइव	-	बंगाल में दोहरा शासन
बेंटिक	-	अंग्रेजी शिक्षा
चार्ल्स मेटकॉफ	-	प्रेस पर से प्रतिबंध हटाना
लॉर्ड विलियम बेंटिक	-	सती प्रथा का निषेध
लॉर्ड रिपन	-	स्वायत्त शासन
लॉर्ड कर्जन	-	बंगाल का विभाजन

✷ भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की स्थापना हुई थी– **लॉर्ड कर्जन के काल में**

✷ प्राचीन स्मारक संरक्षण एक्ट पारित हुआ था **– लॉर्ड कर्जन के कार्यकाल में**

✷ भारत में कर्जन के प्रशासन की तुलना औरंगजेब से की थी **– जी.के. गोखले ने**

✷ भारत में ब्रिटिश साम्राज्य के दौरान लॉर्ड कर्जन, लॉर्ड चेम्सफोर्ड, लॉर्ड हार्डिंग तथा लॉर्ड इरविन वायसरायों का सही कालानुक्रम है– **– लॉर्ड कर्जन-लॉर्ड हार्डिंग-लॉर्ड चेम्सफोर्ड-लॉर्ड इरविन**

✷ 'फूट डालो और राज करो' की रणनीति अपनाई गई थी **– लॉर्ड कर्जन द्वारा**

✷ वह गवर्नर जनरल जिसने सबसे पहले 'पृथक निर्वाचन मंडल' की व्यवस्था, मुसलमानों को जीतने व उन्हें कांग्रेस के विरुद्ध करने के लिए, इस्तेमाल की **– लॉर्ड मिंटो**

✷ भारत का एकमात्र यहूदी वायसराय था **– लॉर्ड रीडिंग**

✷ सही सुमेलित है–

पिट्स इंडिया एक्ट	-	वॉरेन हेस्टिंग्स
डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स	-	डलहौजी
वर्नाकुलर प्रेस एक्ट	-	लिटन
इल्बर्ट बिल	-	रिपन
ठगी का दमन	-	विलियम बेंटिक
रिंग फेंस की नीति	-	वॉरेन हेस्टिंग्स

✷ ब्रिटिश भारत की राजधानी का कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरण क्रियान्वित हुआ **– लॉर्ड हार्डिंग के काल में**

✷ सही सुमेलित है–

चूक का सिद्धांत/हड़प नीति	-	डलहौजी
बंगाल का विभाजन	-	लॉर्ड कर्जन
बंगाल में दोहरा शासन	-	क्लाइव
सामाजिक सुधार	-	बेंटिक

✷ सही सुमेलित है–

सूची-I		सूची-II
बंगाल में फोर्ट विलियम प्रेसीडेंसी का गवर्नर जनरल (रेग्युलेटिंग एक्ट, 1773 के अधीन)	–	चार्ल्स कार्नवालिस, कार्नवालिस का दूसरा अर्ल और पहला मार्क्विस
भारत का गवर्नर जनरल (चार्टर एक्ट, 1833 के अधीन)	–	जेम्स एंड्रयू ब्राउन-रैम्जे, डलहौजी का अर्ल और मार्क्विस
भारत का गवर्नर जनरल और वायसराय (इंडियन काउंसिल एक्ट, 1858 के अधीन)	–	गिलबर्ट जॉन इलियट-मरे-कीनिन्मांड, मिंटो का अर्ल
गवर्नर जनरल और सम्राट का प्रतिनिधि (गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1935 के अधीन)	–	आर्किबाल्ड पर्सिवल वेवेल, बाइकाउंट और अर्ल वेवेल

ब्रिटिश शासन का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

✷ भारत में उपनिवेशी शासनकाल में ''होम चार्जेज'' भारत से संपत्ति दोहन का महत्वपूर्ण अंग थे। वह निधियां जो होम चार्जेज की संघटक थीं
– लंदन में इंडिया ऑफिस के भरण-पोषण के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली निधि; भारत में कार्यरत अंग्रेज कर्मचारियों के वेतन तथा पेंशन देने हेतु प्रयोग में लाई जाने वाली निधि।

✷ शब्द 'इंपीरियल प्रेफरेंस' का प्रयोग किया जाता था
– भारत में ब्रिटिश आयातों पर दी गई विशेष रियायतों के लिए

✷ ब्रिटिश शासन के दौरान भारत में उद्योगों का कोई स्वतंत्र विकास नहीं हुआ। इसका कारण था **– भारी उद्योगों का अभाव**

✷ इस्तमरारी बंदोबस्त लागू किया **– लॉर्ड कार्नवालिस ने**

✷ 'स्थायी बंदोबस्त' प्रारंभ किया गया था
– लॉर्ड कार्नवालिस के प्रशासन काल में

✷ स्थायी बंदोबस्त किया गया **– जमींदारों से**

✷ लॉर्ड कार्नवालिस द्वारा स्थायी बंदोबस्त लागू किया गया
– 1793 ई. में

✷ चिरस्थायी बंदोबस्त, 1793 के अंतर्गत जमींदारों से अपेक्षा की गई थी कि वे खेतिहरों को पट्टा जारी करेंगे। अनेक जमींदारों ने पट्टा जारी नहीं किए। इसका कारण था
– जमींदारों के ऊपर कोई सरकारी नियंत्रण नहीं था

✷ बिहार में 'परमानेंट सेटिलमेंट' लागू करने का कारण था
– जमींदारों के लिए जमीन पर वंश परंपरागत अधिकार को स्वेच्छा से हस्तांतरित करने का अधिकार

✷ .... में बंगाल और बिहार में भूमि पर किराएदारों के अधिकारों को बंगाल किराएदारी अधिनियम द्वारा दिया गया था। **– 1885 ई.**

✷ सर टॉमस मुनरो जिस भू-राजस्व बंदोबस्त से संबद्ध हैं, वह है
– रैयतवाड़ी बंदोबस्त

✷ अंग्रेजों ने रैयतवाड़ी बंदोबस्त लागू किया था
– मद्रास और बंबई प्रेसीडेंसी में

✷ अंग्रेजों ने रैयतवाड़ी व्यवस्था सर्वप्रथम आरंभ की थी
– मद्रास प्रेसीडेंसी में

✷ ब्रिटिश व्यवस्था में रैयतवाड़ी भू-राजस्व संग्रह प्रचलित था
– दक्षिणी भारत में

✷ रैयतवाड़ी बंदोबस्त के संदर्भ में, सही कथन हैं-
– किसानों द्वारा लगान सीधे सरकार को दिया जाता था; सरकार रैयत को पट्टे देती थी; कर लगाने के पूर्व भूमि का सर्वेक्षण और मूल्य-निर्धारण किया जाता था।

✷ असम में सर्वप्रथम चाय कंपनी की स्थापना हुई थी **– 1839 ई. में**

✷ दादाभाई नौरोजी द्वारा प्रतिपादित 'अपवाह सिद्धांत' (Drain Theory) की सही परिभाषा है
– भारत की राष्ट्रीय संपदा का एक भाग अथवा कुल वार्षिक उत्पाद ब्रिटेन को निर्यात कर दिया जाता था जिसके लिए भारत को कोई वास्तविक प्रतिफल नहीं मिलता था।

✷ अंग्रेजों के शासनकाल में भारत के ''आर्थिक दोहन'' के सिद्धांत को प्रतिपादित किया **– दादाभाई नौरोजी ने**

✷ 'निकास के सिद्धांत' का प्रतिपादन किया था **– दादाभाई नौरोजी ने**

✷ भारत में उपनिवेशवाद का/के आर्थिक आलोचक था/थे
– दादाभाई नौरोजी, जी. सुब्रमण्य अय्यर तथा आर.सी. दत्त

✷ बाल गंगाधर तिलक, आर.सी. दत्त, एम.जी. रानाडे तथा सर सैयद अहमद खां में से दादाभाई नौरोजी के उत्सारण सिद्धांत (Drain Theory) में विश्वास नहीं करता था
– सर सैयद अहमद खां

✷ 'पावर्टी एंड द अनब्रिटिश रूल इन इंडिया' नामक पुस्तक लिखी
– दादाभाई नौरोजी ने

✷ दादाभाई नौरोजी की भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को सर्वाधिक प्रभावी देन थी कि
– उन्होंने इस बात को अभिव्यक्त किया कि ब्रिटेन, भारत का आर्थिक शोषण कर रहा है

✷ भारत में 'ब्रिटिश आर्थिक नीति' घिनौनी है, यह विचार व्यक्त किया था
– कार्ल मार्क्स ने

1857 की क्रांति

✷ अंग्रेजी भारतीय सेना में चर्बी वाले कारतूसों से चलने वाली एनफील्ड राइफल को शामिल किया गया **– दिसंबर, 1856 में**

✷ भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का मुख्य तात्कालिक कारण था
– अंग्रेजों का धर्म में हस्तक्षेप का संदेह

✷ मंगल पांडे की घटना हुई थी **– बैरकपुर में**

✷ मंगल पांडे सिपाही थे **– 34वीं बंगाल नेटिव इन्फैंट्री के**

✷ 1857 के विद्रोह के दौरान बहादुर शाह ने 'साहब-ए-आलम बहादुर' का खिताब दिया था **– बख्त खान को**

✷ 1857 की क्रांति का प्रमुख कारण था **– ब्रिटिश साम्राज्य की नीति**

✷ 1857 की क्रांति सर्वप्रथम प्रारंभ हुई **– मेरठ से**

✷ 1857 के स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित पहली घटना थी
– सैनिकों का दिल्ली के लाल किले पर पहुंचना

✷ 1857 के स्वाधीनता संग्राम का प्रतीक था **–कमल और रोटी**

✷ 1857 के संग्राम के झांसी, मेरठ, दिल्ली तथा कानपुर केंद्रों में से सबसे पहले अंग्रेजों ने पुनः अधिकृत किया **– दिल्ली को**

- ✷ 1857 के स्वाधीनता संघर्ष की वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की जन्मस्थली है **– वाराणसी**
- ✷ 1857 के बरेली विद्रोह का नेता था **– खान बहादुर**
- ✷ महारानी लक्ष्मीबाई की समाधि स्थित है **– ग्वालियर में**
- ✷ रानी लक्ष्मीबाई को अंतिम युद्ध में सामना करना पड़ा **– ह्यूरोज का**
- ✷ 1857 का विद्रोह लखनऊ में जिसके नेतृत्व में आगे बढ़ा, वह थीं **– बेगम ऑफ अवध**
- ✷ वह महिला जिन्होंने अवध में 1857 की क्रांति का नेतृत्व किया था **– बेगम हजरत महल**
- ✷ इलाहाबाद में 1857 के संग्राम का नेता था **– मौलवी लियाकत अली**
- ✷ 1857 के संघर्ष में भाग लेने वाले सिपाहियों की सर्वाधिक संख्या थी **– अवध से**
- ✷ नाना साहब का ''कमांडर-इन-चीफ'' था **– तात्या टोपे**
- ✷ अजीमुल्ला खां सलाहकार थे **– नाना साहब के**
- ✷ वर्ष 1857 के विद्रोह के संदर्भ में नाना साहब, कुंवर सिंह, खान बहादुर खान तथा तात्या टोपे में से वह जिसे, उसके मित्र ने धोखा दिया, तथा जिसे अंग्रेजों द्वारा बंदी बनाकर मार दिया गया **– तात्या टोपे को**
- ✷ 1857 के क्रांतिकारियों में वह जिसका वास्तविक नाम 'रामचंद्र पांडुरंग' था **– तात्या टोपे**
- ✷ कुंवर सिंह, 1857 के विद्रोह के एक प्रमुख नायक थे। वह संबद्ध थे **– बिहार से**
- ✷ पटना के 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के नेता थे **– राजपूत कुंवर सिंह**
- ✷ असम में 1857 की क्रांति का नेता था **– दीवान मनिराम दत्त**
- ✷ 1857 के विद्रोह का बिहार में 15 जुलाई, 1857 से 20 जनवरी, 1858 तक केंद्र था **– जगदीशपुर**
- ✷ जगदीशपुर का वह व्यक्ति जिसने 1857 ई. के विप्लव में क्रांतिकारियों का नेतृत्व किया **– कुंवर सिंह**
- ✷ जगदीशपुर के राजा थे **– कुंवर सिंह**
- ✷ 1857 ई. की क्रांति में अंग्रेजों व जोधपुर की संयुक्त सेना को पराजित करने वाला था **– आऊवा के ठाकुर कुशल सिंह**
- ✷ अजमेर, जयपुर, नीमच तथा आऊवा में से राजस्थान में 1857 की क्रांति का केंद्र नहीं था **– जयपुर**
- ✷ चंद्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल, शहादत खान तथा माखनलाल चतुर्वेदी में से 1857 में अंग्रेजों से संघर्ष किया **– शहादत खान ने**
- ✷ मौलवी अहमदुल्लाह शाह, मौलवी इंदादुल्लाह, मौलाना फज्लेहक खैराबादी तथा नवाब लियाकत अली में से 1857 के विद्रोह में अंग्रेजों का सबसे कट्टर दुश्मन था **– मौलवी अहमदुल्लाह शाह**
- ✷ 1857 के विद्रोह को देखने वाले उर्दू कवि थे **– मिर्जा गालिब**
- ✷ सुप्रसिद्ध उर्दू शायर मिर्जा गालिब का मूल निवास था **– आगरा**
- ✷ आजादी की पहली लड़ाई 1857 में भाग नहीं लिया **– भगत सिंह ने**
- ✷ 1857 के विद्रोह में बेगम हजरत महल, कुंवर सिंह, ऊधम सिंह तथा मौलवी अहमदुल्लाह में से संबद्ध नहीं था **– ऊधम सिंह**
- ✷ 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों की सर्वाधिक सहायता करने वाला राजवंश था **– ग्वालियर के सिंधिया**
- ✷ भारत में शिक्षित मध्यवर्ग ने **– 1857 के विद्रोह से तटस्थता बनाए रखी थी**
- ✷ खेतिहर मजदूर, साहूकार, कृषक तथा जमींदार वर्गों में 1857 के विद्रोह में भाग नहीं लिया **– साहूकार तथा जमींदार ने**
- ✷ झांसी, चित्तौड़, जगदीशपुर तथा लखनऊ में से वह क्षेत्र जो 1857 के विद्रोह से प्रभावित नहीं था **– चित्तौड़**
- ✷ बिहार के दानापुर, पटना, आरा, मुजफ्फरपुर, मुंगेर में से 1857 के विद्रोह से अप्रभावित भाग था **– मुंगेर**
- ✷ सही सुमेलित है–

सूची-1		**सूची-2**
बख्त खां	–	दिल्ली
मौलवी अहमदुल्ला	–	अवध
कुंवर सिंह	–	आरा
नाना साहब	–	कानुपर

- ✷ सही सुमेलित है–

सूची-I		**सूची-II**
झांसी	–	रानी लक्ष्मीबाई
लखनऊ	–	बेगम हजरत महल
कानपुर	–	अज़ीमुल्लाह खां
फैजाबाद	–	मौलवी अहमद शाह

- ✷ सही सुमेलित है–

सूची-I (क्रांतिकारियों के नाम)		**सूची-II (स्थान)**
नाना साहेब	-	कानपुर
नवाब हामिद अली खान	-	दिल्ली
मौलवी अहमदुल्ला	-	लखनऊ
मनी राम दीवान	-	असम

- ✷ 1857 के विद्रोह के समय भारत का गवर्नर जनरल था **– लॉर्ड कैनिंग**
- ✷ 1857 विद्रोह के समय बैरकपुर में ब्रिटिश कमांडिंग ऑफिसर था **– जॉन बैनेट हैरसे**
- ✷ 1857 में इलाहाबाद को आपातकालीन मुख्यालय बनाया था **– लॉर्ड कैनिंग ने**
- ✷ 1857 के विद्रोह के समय ब्रिटिश प्रधानमंत्री थे **– विस्कॉन्ट पामर्स्टन**
- ✷ 1857 का विद्रोह मुख्यतः असफल रहा **– किसी सामान्य योजना और केंद्रीय संगठन की कमी के कारण**

✷ 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम असफल हुआ क्योंकि

— भारतीय सिपाहियों में उद्देश्य की एकता की कमी थी, प्रायः भारतीय राजाओं ने ब्रिटिश सरकार का साथ दिया, ब्रिटिश सिपाही कहीं अच्छे सज्जित तथा संगठित थे।

✷ अंग्रेज राजपूत राज्यों में 1857 के विद्रोह को दबाने में सफल रहे क्योंकि **— स्थानीय शासकों ने क्रांतिकारियों का साथ नहीं दिया**

✷ जनरल जॉन निकलसन, जनरल नील, मेजर जनरल हैवलॉक तथा सर हेनरी लॉरेंस में से वह ब्रिटिश अधिकारी जिन्होंने लखनऊ में अपना जीवन खोया था

— जनरल नील, मेजर जनरल हैवलॉक तथा सर हेनरी लॉरेंस

✷ **कथन :** 1857 में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम ब्रिटिश सरकार से स्वतंत्रता प्राप्त करने में असफल रहा।

कारण : बहादुरशाह जफर के नेतृत्व को जनसहयोग नहीं मिला था और अधिकांश महत्वपूर्ण रियासतों के शासक उनका साथ देने में कतरा गए।

— कथन और कारण दोनों सत्य हैं और कारण, कथन का सही स्पष्टीकरण है।

✷ 1857 के विद्रोह को एक 'षड्यंत्र' की संज्ञा दी

— सर जेम्स आउट्रम एवं डब्ल्यू. टेलर ने

✷ वह आधुनिक इतिहासकार जिसने 1857 के विद्रोह को स्वतंत्रता की पहली लड़ाई कहा था **— वी. डी. सावरकर**

✷ भारतीय स्वाधीनता आंदोलन का सरकारी इतिहासकार था

— एस.एन. सेन

✷ भारतीय भाषा में 1857 के विप्लव के कारणों पर लिखने वाला प्रथम भारतीय था **— सैयद अहमद खां**

✷ ''तथाकथित प्रथम राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम न प्रथम, न राष्ट्रीय और न ही स्वतंत्रता संग्राम था।'' यह कथन संबद्ध है

— आर.सी. मजूमदार से

✷ 1857 की क्रांति के बारे में सही अवधारणा है

— इसने भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी की शासन प्रणाली को मृतप्राय बना दिया।

✷ महारानी विक्टोरिया ने भारतीय प्रशासन को ब्रिटिश ताज के नियंत्रण में लेने की घोषणा की थी **— 1 नवंबर, 1858 को**

✷ साम्राज्ञी विक्टोरिया ने 1858 की घोषणा में भारतीयों को बहुत-सी चीजें दिए जाने का आश्वासन दिया था। वह आश्वासन जिसे ब्रिटिश शासन ने पूरा किया था

— रियासतों को हड़पने की नीति समाप्त कर दी जाएगी

✷ महारानी विक्टोरिया की उद्घोषणा (1858) का उद्देश्य था

— भारतीय राज्यों को ब्रिटिश साम्राज्य में मिलाने के किसी भी विचार का परित्याग करना तथा भारतीय प्रशासन को ब्रिटिश क्रॉउन के अंतर्गत रखना

✷ पब्लिक सर्विस आयोग, पील आयोग, हंटर आयोग तथा साइमन कमीशन में 1857 के विद्रोह के दमन के बाद भारतीय फौज के नव संगठन से संबंधित है **— पील आयोग**

✷ 1857 के विद्रोह के बाद ब्रिटिश सरकार ने सिपाहियों का इन प्रांतों से चयन किया **— गोरखा, सिख एवं पंजाबी उत्तर प्रांत से**

अन्य जन आंदोलन

✷ 1857 के विद्रोह के ठीक बाद बंगाल में संन्यासी विद्रोह, संथाल विद्रोह, नील उपद्रव तथा पावना उपद्रव में से विप्लव हुआ **— नील उपद्रव का**

✷ नील कृषकों की दुर्दशा पर लिखी गई पुस्तक ''नील दर्पण'' के लेखक थे **— दीनबंधु मित्र**

✷ 'वन्दे मातरम्' गीत लिखा है **— बंकिमचंद्र चटर्जी ने**

✷ आनंद मठ उपन्यास की कथावस्तु आधारित है**— संन्यासी विद्रोह पर**

✷ वह विद्रोह जिसका उल्लेख बंकिमचंद्र चटर्जी ने अपने उपन्यास आनंद मठ में करके प्रसिद्ध किया **— संन्यासी विद्रोह**

✷ मुंगेर के बरहियाताल विरोध का उद्देश्य था

— बाकाश्त भूमि की वापसी की मांग

✷ उन्नीसवीं शताब्दी के दौरान होने वाले ''वहाबी आंदोलन'' का मुख्य केंद्र था **— पटना**

✷ कूका आंदोलन को संगठित किया **— गुरु राम सिंह ने**

✷ पागलपंथी विद्रोह वस्तुतः एक विद्रोह था **— गारों का**

✷ 'पागल पंथ' की स्थापना की थी **— करमशाह ने**

✷ फराजी विद्रोह का नेता था **— दादू मियां**

✷ फराजी थे **— हाजी शरिअतुल्लाह के अनुयायी**

✷ वेलु थम्पी ने अंग्रेजों के विरुद्ध आंदोलन का नेतृत्व किया था

— केरल में

✷ महाराष्ट्र में रामोसी कृषक जत्था स्थापित किया था

— वासुदेव बलवंत फड़के ने

✷ रामोसी विद्रोह सही रूप में जिस भौगोलिक इलाके में हुआ था, वह था **— पश्चिमी घाट**

✷ गड़करी विद्रोह का केंद्र था **— कोल्हापुर**

✷ मानव बलि प्रथा का निषेध करने के कारण अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह करने वाली जनजाति का नाम **— खोंद**

✷ कोल विद्रोह (1831-32) का नेतृत्व किया **— बुद्धू भगत ने**

✷ वघेरा विद्रोह हुआ **— बड़ौदा में**

✷ छोटा नागपुर जनजाति विद्रोह हुआ था **— 1820 ई. में**

✷ संथाल विद्रोह का नेतृत्व किया **— सिद्धू-कान्हू एवं भैरव-चांद**

✷ 1855 ई. में संथालों ने जिस अंग्रेज कमांडर को हराया**— मेजर बारो**

✷ भील विद्रोह, कोल विद्रोह, रम्पा विद्रोह तथा संथाल विद्रोह में से वह घटना जो महाराष्ट्र में घटित हुई **— भील विद्रोह**

* मेवाड़, बांगड़ और पास के क्षेत्रों के भीलों में सामाजिक सुधार के लिए 'लसोड़िया आंदोलन' का सूत्रपात किया **— गोविंद गिरि ने**
* उलगुलन विद्रोह जुड़ा था **— बिरसा मुंडा से**
* मुंडा विद्रोह का नेता था **— बिरसा मुंडा**
* जिस आदिवासी नेता को जगत पिता (धरती आबा) कहा जाता था, वह था **— बिरसा मुंडा**
* बिरसा मुंडा का कार्य क्षेत्र था **— रांची**
* जनजातीय लोगों के संबंध में 'आदिवासी' शब्द का प्रयोग किया था **— ठक्कर बापा ने**
* भारत में 19 वीं शताब्दी के जनजातीय विद्रोह के लिए जिसने साझा कारण मुहैया किया **— जनजातीय समुदायों की प्राचीन भूमि संबंधी व्यवस्था का संपूर्ण विदारण**
* हौज विद्रोह हुआ **— 1820-21 ई. के दौरान**
* खेरवार आदिवासी आंदोलन हुआ **— 1874 ई. में**
* संभलपुर के अनेक ब्रिटिश-विरोधी विद्रोहों का नेता था **— सुरेंद्र साई**
* नील विद्रोह, संथाल विद्रोह, दक्कन के दंगे तथा सिपाही विद्रोह का सही कालानुक्रम है **— संथाल विद्रोह, सिपाही विद्रोह, नील विद्रोह, दक्कन के दंगे**
* सही सुमेलित है–

सूची-I		**सूची-II**
मोपला विद्रोह	-	केरल
पाबना विद्रोह	-	बंगाल
एका आंदोलन	-	अवध
बिरसा मुंडा विद्रोह	-	बिहार

* 1921 का मोपला विद्रोह हुआ था **— केरल में**
* सही सुमेलित है–

सूची-I (घटनाएं)		**सूची-II (तिथियां)**
बैरकपुर विद्रोह	-	नवंबर, 1824
बरहामपुर विद्रोह	-	फरवरी, 1857
संथाल विद्रोह	-	1855-56
बेल्लोर विद्रोह	-	जुलाई, 1806

* सही सुमेलित है–

कूका विद्रोह	-	पंजाब
कोली विद्रोह	-	महाराष्ट्र
चुआर विद्रोह	-	प. बंगाल
कूकी विद्रोह	-	त्रिपुरा
अहोम	-	गोमधर कुंवर
ताना भगत	-	जतरा भगत

* अंग्रेजों के विरुद्ध भीलों द्वारा क्रांति प्रारंभ की गई थी **— मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र में**
* ताना भगत आंदोलन जतराउरांव ने प्रारंभ किया था **— 1914 में**
* महात्मा गांधी एवं उनके विचारों से प्रभावित होने वाले प्रथम आदिवासी नेता थे **— जोड़ानांग**

आधुनिक भारत में शिक्षा का विकास

* भारत में अंग्रेजों ने प्रथम मदरसा स्थापित किया था **— कलकत्ता में**
* 'एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल' के संस्थापक थे **— सर विलियम जोंस**
* वाराणसी में प्रथम संस्कृत महाविद्यालय की स्थापना की थी **— जोनाथन डंकन ने**
* दादाभाई नौरोजी, माइकल मधुसूदन दत्त, राजा राममोहन राय तथा विवेकानंद में से वह जिन्हें पेरिस की रॉयल एशियाटिक सोसायटी की सदस्यता प्रदान की गई थी **— माइकल मधुसूदन दत्त**
* सर्वप्रथम 'भगवद्गीता' का अंग्रेजी में अनुवाद किया था **— चार्ल्स विल्किंस ने**
* कालिदास की प्रसिद्ध रचना 'शकुंतला' का पहली बार अंग्रेजी में अनुवाद किया था **— सर विलियम जोंस ने**
* स्वतंत्रता पूर्व अवधि में ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत में आधुनिक शिक्षा के प्रसार का मुख्य उद्देश्य था **— छोटे प्रशासनिक पदों पर नियुक्ति हेतु शिक्षित भारतीयों की आवश्यकता**
* ब्रिटिश सरकार के जिस अधिनियम ने सबसे पहली बार भारत में शिक्षा के लिए एक लाख रुपये दिए थे **— चार्टर अधिनियम, 1813**
* चार्ल्स वुड का आदेश-पत्र संबंधित था **— शिक्षा से**
* हिंदी का पहला समाचार-पत्र 'उदत्त मार्तंड' (30 मई, 1826) प्रकाशित हुआ था **— कलकत्ता से**
* हंटर कमीशन की रिपोर्ट में विशेष जोर दिया गया **— प्राथमिक शिक्षा के सुधार एवं विकास पर**
* नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशन की स्थापना हुई **— 15 अगस्त, 1906 को**
* सैडलर आयोग संबंधित था **— शिक्षा से**
* शिक्षा में सुधार हेतु ब्रिटिश सरकार ने सैडलर विश्वविद्यालय आयोग नियुक्त किया **— 1917 में**
* लॉर्ड मैकाले संबंधित हैं **— अंग्रेजी शिक्षा से**
* भारत के औपनिवेशिक काम में अधोमुखी निस्यंदन सिद्धांत संबंधित था **— शिक्षा क्षेत्र से**
* भारत की शैक्षणिक नीति में 'फिल्टरेशन थ्योरी' के प्रतिपादक थे **— लॉर्ड मैकाले**
* भारत में आधुनिक शिक्षा प्रणाली की नींव पड़ी **— 1835 के मैकाले के स्मरण-पत्र से**

✷ भारत में अंग्रेजी शिक्षा आरंभ की गई **– लॉर्ड विलियम कैवेंडिश बेंटिक के शासनकाल में**

✷ भारत में प्रथम तीन विश्वविद्यालय (कलकत्ता, मद्रास, बंबई) की स्थापना हुई **– 1857 ई. में**

✷ जिसके सतत प्रयत्नों से बंबई में प्रथम महिला विश्वविद्यालय की स्थापना हुई, वह है **– डी.के. कर्वे**

✷ डेक्कन एजुकेशनल सोसायटी की स्थापना से संबंधित थे **– बी.जी. तिलक**

✷ हिंदू कॉलेज, कलकत्ता, दिल्ली कॉलेज, मेयो कॉलेज तथा मुस्लिम एंग्लो-ओरियंटल कॉलेजों में सर्वप्रथम स्थापना हुई थी **– हिंदू कॉलेज, कलकत्ता की**

✷ डेविड हेयर और एलेक्जेंडर डफ़ के साथ मिलकर जिसने कलकत्ता में हिंदू कॉलेज की स्थापना की **– राजा राममोहन राय**

✷ बाल गंगाधर तिलक, स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी तथा मदनमोहन मालवीय में से भारतीय विश्वविद्यालयों में धार्मिक शिक्षा के लिए प्रबल रूप से वकालत की थी **– मदनमोहन मालवीय ने**

✷ बनारस हिंदू विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया था **– लॉर्ड हार्डिंग ने**

✷ अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़; डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ; बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय में से सर्वप्रथम केंद्रीय विश्वविद्यालय घोषित किया गया **– बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी को**

आधुनिक भारत में प्रेस का विकास

✷ भारत का पहला समाचार-पत्र था **– बंगाल गजट**

✷ वेलेजली, हेस्टिंग्स, जॉन एडम्स तथा डलहौजी में से सर्वप्रथम प्रेस सेंसरशिप लागू की थी **– वेलेजली ने**

✷ 1878 का 'वर्नाकुलर प्रेस एक्ट' रद्द कर दिया था **– लॉर्ड रिपन ने**

✷ वर्नाकुलर प्रेस एक्ट का प्रवर्तन किया **– लॉर्ड लिटन ने**

✷ वह गवर्नर जनरल जिसके समय भारतीय भाषा प्रेस अधिनियम समाप्त किया गया **– लॉर्ड रिपन**

✷ पत्रकार के कर्तव्य का निर्वहन करते हुए जेल जाने वाला प्रथम भारतीय था **– बाल गंगाधर तिलक**

✷ अमेरिका में 'फ्री हिंदुस्तान' अखबार शुरू किया था **– तारकनाथ दास ने**

✷ फारसी साप्ताहिक 'मिरातुल अखबार' को प्रकाशित करते थे **– राजा राममोहन राय**

✷ 1880 के दशक में 'इंडियन मिरर' अखबार का प्रकाशन होता था **– कलकत्ता से**

✷ गदर-पत्र का प्रथम अंक प्रकाशित हुआ **– उर्दू भाषा में**

✷ गदर पार्टी का पत्र 'गदर' था **– एक साप्ताहिक-पत्र**

✷ 'अमृत बाजार पत्रिका' की स्थापना की **– शिशिर कुमार घोष ने**

✷ लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की सेवा के उद्देश्य से जो समाचार-पत्र प्रारंभ किया था, वह है **– केसरी**

✷ क्रांतिकारी काल की लोकप्रिय पत्रिकाएं जो अनेक कारणों से कांग्रेस की आलोचना करती थीं **– बंगवासी, काल तथा केसरी**

✷ वह समाचार पत्र, जिन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के काल में क्रांतिकारी आतंकवाद की वकालत की थी **– संध्या, युगांतर तथा काल**

✷ सोम प्रकाश नामक समाचार-पत्र शुरू किया था **– ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने**

✷ न्यू इंडिया, लीडर, यंग इंडिया तथा फ्री प्रेस जनरल अखबारों में से मुख्यतया उदारवादियों की नीतियों का प्रचारक था **– लीडर**

✷ 'दि इंडियन ओपीनियन' पत्र नहीं छापा जाता था **– उर्दू भाषा में**

✷ 'इंडियन ओपीनियन' पत्रिका के प्रथम संपादक थे **– मनसुखलाल नज़र**

✷ एक साप्ताहिक के रूप में यंग इंडिया का शुभारंभ किया था **– होमरूल पार्टी ने**

✷ भारतीयों द्वारा अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित प्रथम समाचार-पत्र था **– हिंदू पैट्रियॉट**

✷ नील आंदोलन का जमकर समर्थन करने वाले 'हिंदू पैट्रियॉट' के संपादक थे **– हरिशचंद्र मुखर्जी**

✷ अंग्रेजी साप्ताहिक 'वन्दे मातरम्' के साथ अपने को संबद्ध किया **– अरविंद घोष ने**

✷ इंडियन नेशन, पंजाब केसरी, प्रभाकर तथा डॉन में से जिस अखबार का प्रकाशन पटना से होता था, वह है **– इंडियन नेशन**

✷ 'स्वदेशवाहिनी' के संपादक थे **– के. रामकृष्ण पिल्लै**

✷ अंग्रेजी पत्र 'इनडिपेंडेंट' जुड़ा था **– मोतीलाल नेहरू से**

✷ सही सुमेलित है–

सूची-I (समाचार-पत्र)		**सूची-II (भाषा)**
भारत मित्र	–	हिंदी
राष्ट्रमत	–	मराठी
प्रजामित्र	–	गुजराती
नायक	–	बंगाली
दैनिक आज	–	शिवप्रसाद गुप्त
द लीडर	–	मदन मोहन मालवीय
द नेशनल हेराल्ड	–	जवाहरलाल नेहरू
द पॉयनियर	–	जॉर्ज एलेन

✷ कानपुर से प्रकाशित जिस समाचार-पत्र के माध्यम से विजय सिंह पथिक ने बिजौलिया आंदोलन को समूचे भारत में चर्चा का विषय बना दिया, वह था **– प्रताप**

✷ 'हरिजन' के प्रारंभकर्ता थे **– महात्मा गांधी**

✷ गांधीजी द्वारा शुरू किए गए एक साप्ताहिक-पत्र 'हरिजन' का प्रथम अंक 11 फरवरी, 1933 को प्रकाशित किया गया
— पूना (वर्तमान पुणे) से

✷ मराठी पाक्षिक 'बहिष्कृत भारत' आरंभ किया था
— बी.आर. अम्बेडकर ने

✷ अल-हिलाल, कॉमरेड, दि इंडियन सोशियोलॉजिस्ट तथा जमींदार में से वह जर्नल जो अबुल कलाम आजाद द्वारा प्रकाशित है **— अल-हिलाल**

✷ वर्ष 1920 में लाहौर से लाजपत राय द्वारा जिस उर्दू समाचार-पत्र को प्रारंभ किया गया था, वह है **— वन्दे मातरम्**

✷ **सही सुमेलित है–**

सूची-I (समाचार-पत्र)		**सूची-II (संपादक)**
हिंदू	–	जी. सुब्रह्मण्यम अय्यर
सुधारक	–	जी. के. गोखले
वॉयस ऑफ इंडिया	–	दादाभाई नौरोजी
बंगाली	–	एस. एन. बनर्जी
बॉम्बे क्रॉनिकल	–	फिरोजशाह मेहता
कॉमनवील	–	एनी बेसेंट
लीडर	–	मदन मोहन मालवीय
सर्चलाइट	–	सच्चिदानंद सिन्हा
इंडिपेंडेंट	–	मोतीलाल नेहरू
जस्टिस	–	टी.एम. नायर

✷ सही सुमेलित है–

सूची-I		**सूची-II**
अबुल कलाम आजाद	-	अल-हिलाल
फिरोजशाह मेहता	-	बॉम्बे क्रॉनिकल
एनी बेसेंट	-	न्यू इंडिया
महात्मा गांधी	-	यंग इंडिया
लोकमान्य तिलक	-	केसरी

✷ 'कौमी आवाज' पत्र का आरंभ किया था **— जवाहरलाल नेहरू ने**

✷ सही सुमेलित है–

नवजीवन	-	एम.के. गांधी
स्वराज्य	-	टी. प्रकाशम्
प्रभात	-	एन.सी. केलकर
क़ौमी आवाज़	-	जवाहरलाल नेहरू

✷ सही सुमेलित है–

महात्मा गांधी	-	यंग इंडिया
बाल गंगाधर तिलक	-	केसरी
एनी बेसेंट	-	कॉमनवील
बी.आर. अम्बेडकर	-	मूक नायक
एनी बेसेंट	-	न्यू इंडिया
दादाभाई नौरोजी	-	रास्त गोफ्तार

✷ एनी बेसेंट द्वारा निकाले जाने वाले दो अखबार थे
— कॉमनवील, न्यू इंडिया

✷ सही सुमेलित है–

बिपिन चंद्र पाल	-	न्यू इंडिया
अरबिंद घोष	-	वन्दे मातरम्
ब्रह्मबांधव उपाध्याय	-	संध्या
मुहम्मद अली	-	कॉमरेड

✷ सही सुमेलित है–

एस.ए. डान्गे	–	द. सोशलिस्ट
मुजफ्फ़र अहमद	–	नवयुग
गुलाम हुसैन	–	इंकलाब
एम. सिन्गारवेलू	–	लेबर-किसान गज़ट

सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन

✷ उन्नीसवीं शताब्दी के धर्म एवं समाज सुधार आंदोलनों ने जनसंख्या के जिस वर्ग को मुख्यतः आकर्षित किया, वह हैं
— बुद्धिजीवी, नगरीय उच्च जातियां, उदार रजवाड़े

✷ **कथन (A)** : 19वीं सदी के सामाजिक धार्मिक आंदोलनों के कारण भारत का आधुनिकीकरण हुआ।
कारण (R) : सामाजिक, धार्मिक आंदोलनों के मूल में बुद्धिवाद, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा अन्य ऐसे विचार थे जो आधुनिकता के आधार माने जाते हैं।
— (A) व (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) है।

✷ कुलीन जमींदार, नवीन धनवान व्यापारी, शिक्षित हिंदू मध्यम वर्ग तथा शिक्षित मुसलमान में से वह वर्ग, जिसे सर्वप्रथम पश्चिमी सभ्यता ने प्रभावित किया **— शिक्षित हिंदू मध्यम वर्ग**

✷ 'भारतीय जागृति' का जनक कहलाता है **— राजा राममोहन राय**

✷ 'भारतीय पुनर्जागरण का पिता' कहा जाता है
— राजा राममोहन राय को

✷ भारतीय राष्ट्रवाद का पैगम्बर माना जाता है
— राममोहन राय को

✷ भारत का प्रथम 'आधुनिक पुरुष' माना जाता है
— राजा राममोहन राय को

✷ राजा राममोहन राय द्वारा स्थापित प्रथम संस्था थी **— आत्मीय सभा**

✷ राजा राममोहन राय द्वारा ब्रह्म समाज की स्थापना की गई
— 1828 ई. में

✷ राममोहन राय को राजा उपाधि दी थी **— अकबर II ने**

✷ राजा राममोहन राय की समाधि है **— ब्रिस्टल, इंग्लैंड में**

✷ कलकत्ता यूनिटेरियन कमेटी, टेबरनेकल ऑफ न्यू डिस्पेंसेशन तथा इंडियन रिफॉर्म एसोसिएशन में से केशवचंद्र सेन का संबंध है **— टेबरनेकल ऑफ न्यू डिस्पेंसेशन तथा इंडियन रिफॉर्म एसोसिएशन की स्थापना से**

✷ भारतीय ब्रह्म समाज के संस्थापक थे **— केशवचंद्र सेन**

✷ ब्रह्म समाज का सिद्धांत आधारित है **— एकदेववाद पर**

✷ बाल विवाह, सती प्रथा, पाश्चात्य शिक्षा तथा मूर्ति पूजा में से वह जिसका विरोध राजा राममोहन राय ने नहीं किया था **— पाश्चात्य शिक्षा का**

✷ ब्रह्म समाज के बारे में, सही कथन है- **— इसने मूर्ति पूजा का विरोध किया, धार्मिक ग्रंथों की व्याख्या के लिए इसने पुरोहित वर्ग को अस्वीकारा।**

✷ उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में 'नव हिंदूवाद' (New-Hinduism) के सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि थे **— स्वामी विवेकानंद**

✷ विवेकानंद ने शिकागो में आयोजित 'पार्लियामेंट ऑफ वर्ल्ड्स रिलीजन्स' में भाग लिया था **— 1893 ई. में**

✷ प्रख्यात समाज सुधारक जिसने ज्ञानयोग, कर्मयोग तथा राजयोग नामक पुस्तकें लिखीं **— स्वामी विवेकानंद**

✷ रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी **— स्वामी विवेकानंद ने**

✷ स्वामी विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की **— 1897 ई. में**

✷ शारदामणि थी **— रामकृष्ण परमहंस की पत्नी**

✷ दयानंद सरस्वती द्वारा स्थापित है **— आर्य समाज**

✷ आर्य समाज की स्थापना का वर्ष है **— 1875**

✷ वेदों के पुनरुत्थान का श्रेय है **— स्वामी दयानंद सरस्वती को**

✷ 'वेदों की ओर चलो' कहा था **— दयानंद सरस्वती ने**

✷ 'भारत का मार्टिन लूथर' कहलाता है **— स्वामी दयानंद सरस्वती**

✷ 'सत्यार्थ प्रकाश' की रचना की गई थी **— स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा**

✷ 'सत्यार्थ प्रकाश' पवित्र पुस्तक है **— आर्य समाज की**

✷ शुद्धि आंदोलन का समर्थन किया गया था **— आर्य समाज द्वारा**

✷ ''अच्छा शासन स्वशासन का स्थानापन्न नहीं है'', कहा था **— स्वामी दयानंद ने**

✷ वह व्यक्ति जिसने सर्वप्रथम 'स्वराज्य' शब्द का प्रयोग किया और हिंदी को राष्ट्रभाषा माना **— स्वामी दयानंद**

✷ तुलसीदास, राजा राममोहन राय, स्वामी विवेकानंद तथा दयानंद सरस्वती का सही कालक्रम है **— तुलसीदास, राजा राममोहन राय, दयानंद सरस्वती, स्वामी विवेकानंद**

✷ महाराष्ट्र में 'प्रार्थना समाज' की स्थापना की थी **— आत्माराम पांडुरंग ने**

✷ महाराष्ट्र में प्रार्थना समाज का मुख्य संचालक था **— एम.जी. रानाडे**

✷ 'देव समाज' के संस्थापक थे **— शिवनारायण अग्निहोत्री**

✷ 1873 ई. में 'सत्यशोधक समाज' की स्थापना की **— ज्योतिबा फुले ने**

✷ 'गुलामगीरी' का लेखक था **— ज्योतिबा फुले**

✷ पिछड़े वर्गों का उत्थान मुख्य कार्यक्रम था **— सत्यशोधक समाज का**

✷ सत्यशोधक समाज ने संगठित किया **— महाराष्ट्र में एक जाति-विरोधी आंदोलन**

✷ वह बंगाली नेता जिसने सामाजिक-धार्मिक सुधारों का विरोध किया और रूढ़िवादिता का समर्थन किया **— राधाकांत देव**

✷ राधास्वामी सत्संग के संस्थापक थे **— शिवदयाल साहब**

✷ महाराष्ट्र का वह सुधारक जिसे 'लोकहितवादी' कहा जाता था **— गोपाल हरि देशमुख**

✷ महाराष्ट्र में विधवा पुनर्विवाह हेतु अभियान का नेतृत्व किया **— विष्णु परशुराम पंडित ने**

✷ 19वीं सदी के महानतम पारसी समाज सुधारक थे **— बहरामजी एम. मालाबारी**

✷ 'दि एज ऑफ कांसेंट एक्ट' पारित हुआ **— 1891 में**

✷ उसका 'प्रधान संबल' (Principal Forte) था सामाजिक और धार्मिक सुधार, उसने सामाजिक बुराइयों के निराकरण के लिए विधान निर्माण का सहारा लिया और बाल विवाह, पर्दा प्रथा...के उन्मूलन के लिए अविराम परिश्रम किया, सामाजिक समस्याओं पर राष्ट्रीय स्तर पर विचार-विमर्श को प्रोत्साहित करने हेतु उसने भारतीय राष्ट्रीय सामाजिक सम्मेलन का उद्घाटन किया जिसके अधिवेशन बहुत वर्षों तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ-साथ होते रहे, इस उद्धरण में संकेतित व्यक्ति हैं **— महादेव गोविंद रानाडे**

✷ भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के समय, राष्ट्रीय सामाजिक सम्मेलन (नेशनल सोशल कॉन्फ्रेंस) का गठन किया गया था। इसके गठन के लिए उत्तरदायी कारण था **— भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अपने कार्यक्रम में सामाजिक सुधारों को नहीं रखना चाहती थी। इसीलिए प्रस्तुत उद्देश्य के लिए उसने अलग से संगठन बनाने का सुझाव दिया**

✷ सही कथन हैं- **— केशवचंद्र सेन के नेतृत्व में ब्रह्म समाज ने नारी शिक्षा के लिए आंदोलन चलाया था। विनोबा भावे ने शरणार्थियों में काम करने के लिए सर्वोदय समाज की स्थापना की थी।**

✷ 1856 में कानून पारित हुए, वह हैं **— धार्मिक असुविधा कानून तथा हिंदू विधवा पुनर्विवाह कानून**

✷ पश्चिमी भारत के डी.के कर्वे का नाम जिस संदर्भ में आता है, वह है **— स्त्री शिक्षा, विधवा पुनर्विवाह**

✷ वह व्यक्ति जिसने विधवा पुनर्विवाह के लिए संघर्ष किया और उसे कानूनी रूप से वैध बनाने में सफलता प्राप्त की **— ईश्वरचंद्र विद्यासागर**

* सही कथन हैं-

— 1829 ई. में विलियम बेंटिक ने सती प्रथा को कानून द्वारा अपराध घोषित कर दिया; 1856 ई. में सरकार ने कानून बनाया जिसके अनुसार, हिंदू विधवाएं पुनर्विवाह कर सकती थीं; 1875 ई. में स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा आर्य समाज की स्थापना की गई।

* 1843 के एक्ट V ने गैर-कानूनी बना दिया **— गुलामी (दासता) को**

* 1872 में नेटिव मैरिज एक्ट को पारित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी **— केशवचंद्र सेन ने**

* बाल विवाह प्रथा को नियंत्रित करने हेतु 1872 के सिविल मैरिज एक्ट ने लड़कियों के विवाह की न्यूनतम उम्र निर्धारित की **— 14 वर्ष**

* ''1853 में जन्में ये पश्चिमी भारत के पारसी थे। ये ''इंडियन स्पेक्टेटर'' तथा ''वॉयस ऑफ इंडिया'' के संपादक थे। ये एक समाज सुधारक थे और सम्मति आयु अधिनियम, 1891 के पक्ष में प्रमुख संघर्षकर्ता थे।'' इन तथ्यों से संबंधित हैं **— बी.एम. मालाबारी**

* शारदा अधिनियम के अंतर्गत लड़कियों एवं लड़कों के विवाह की न्यूनतम आयु क्रमशः निर्धारित की गई थी **— 14 वर्ष एवं 18 वर्ष**

* शारदा एक्ट संबंधित था **— बाल विवाह प्रतिबंध से**

* 'थियोसोफ़िकल सोसायटी' की स्थापना की **— मैडम एच.पी. ब्लावेट्स्की ने**

* भारत में थियोसोफिकल सोसायटी की सफलता मुख्यतः थी **— एनी बेसेंट के कारण**

* सही सुमेलित है—

राजा राममोहन राय	-	ब्रह्म समाज
स्वामी दयानंद सरस्वती	-	आर्य समाज
स्वामी विवेकानंद	-	रामकृष्ण मिशन
महादेव गोविंद रानाडे	-	प्रार्थना समाज

* सही सुमेलित है—

थियोसोफिकल सोसायटी	-	एनी बेसेंट
प्रार्थना समाज	-	डॉ. आत्माराम पांडुरंग
आत्मीय सभा	-	राजा राममोहन राय
भारतीय ब्रह्म समाज	-	केशवचंद्र सेन
राधास्वामी सत्संग	-	तुलसीराम

* सही सुमेलित है—

सूची-I		सूची-II
ब्रह्म समाज	-	कलकत्ता
मानव धर्म सभा	-	सूरत
आर्य समाज	-	बंबई
नदवा-उल-उल्मा	-	लखनऊ

* सही सुमेलित है—

सत्यशोधक समाज	-	ज्योतिबा फुले
मोहम्मडन-एंग्लो ओरियंटल कॉलेज, अलीगढ़	-	सर सैयद अहमद खां
तत्वबोधिनी सभा	-	देवेंद्रनाथ टैगोर
दि सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसायटी	-	गोपाल कृष्ण गोखले

* एम.सी. शीतलवाड़, बी.एन. राव तथा अल्लादि कृष्णस्वामी अय्यर प्रख्यात सदस्य थे **— सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसायटी के**

* 'सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसायटी' की स्थापना की थी **— गोपाल कृष्ण गोखले ने**

* 'बहुजन समाज' का संस्थापक था **— मुकुंदराव पाटिल**

* नाडारों द्वारा मंदिरों में प्रवेश के अधिकार की मांग की प्रस्तुति के कारण 1899 में भयंकर दंगे हुए थे **— तिरूनेलवेली में**

* ''यदि भगवान अस्पृश्यता को सहन करते हैं, तो मैं उन्हें कभी भगवान नहीं मानूंगा'' कहा था **— बाल गंगाधर तिलक ने**

* सही सुमेलित है—

सूची-I		सूची-II
राजा राममोहन राय	-	यह कहा कि हिंदू धर्म का शुद्धतम रूप उपनिषदों में निहित है
केशवचंद्र सेन	-	यह कहा कि ब्रह्मवाद को विश्व धर्म बनाना चाहिए
दयानंद सरस्वती	-	हिंदू धर्म की पहचान वेदों में संस्थापित धर्म से की
रामकृष्ण परमहंस	-	इस पर जोर दिया कि ईश्वर तक पहुंचने के कई मार्ग हो सकते हैं

* समाज सुधारक जो संस्कृत भाषा में प्रवीणता के लिए जाने जाते हैं **— दयानंद सरस्वती, ईश्वरचंद्र विद्यासागर एवं राजा राममोहन राय**

* सही कथन हैं-

— ब्रह्म समाज एकेश्वरवाद का समर्थन करता था; आर्य समाज ने शिक्षा के विकास में योगदान दिया; रामकृष्ण मिशन की स्थापना स्वामी विवेकानंद ने की।

* भारत में नारी-आंदोलन प्रारंभ हुआ **— ज्योतिबा फुले की प्रेरणा से**

* ब्रह्म समाज, रामकृष्ण मिशन और आर्य समाज में समानता थी **— तीनों ही राजनैतिक उद्देश्यों के लिए नहीं बने, लेकिन तीनों ने ही देशभक्ति की भावना के विकास में सहायता दी।**

* सही कथन हैं-

— डॉ. एनी बेसेंट थियोसोफिस्ट थीं; थियोसाफिकल सोसायटी का अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय मद्रास में है; स्वामी दयानंद सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना की।

* 'दार-उल-उलूम' की स्थापना की थी **— मौलाना हुसैन अहमद ने**

✷ देवबंद आंदोलन, यू.पी. (संयुक्त प्रांत) में आरंभ हुआ था — **1866 ई. में**

✷ 1924 का बंगाल का 'तारकेश्वर आंदोलन' विरुद्ध था — **मंदिरों में भ्रष्टाचार का**

✷ 'हाली पद्धति' संबंधित थी — **बंधुआ मजदूर से**

कांग्रेस से पूर्व स्थापित राजनीतिक संस्थाएं

✷ भारत में जिस राजनीतिक संगठन की स्थापना 1838 ई. में हुई उसका नाम था — **जमींदारी एसोसिएशन**

✷ दि दक्कन एसोसिएशन, दि इंडियन एसोसिएशन, दि मद्रास महाजन सभा एवं दि पूना सार्वजनिक सभा में से जिसने 1875 ई. में हाउस ऑफ कॉमन्स में एक याचिका प्रस्तुत करते हुए ब्रिटिश संसद में भारत के प्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व की मांग की, वह है — **दि पूना सार्वजनिक सभा**

✷ 'इंडियन एसोसिएशन' के संस्थापक थे — **एस.एन. बनर्जी**

✷ राष्ट्रीय कांग्रेस से पूर्व सबसे प्रमुख संस्था थी — **इंडियन एसोसिएशन ऑफ कलकत्ता**

✷ सत्येंद्रनाथ टैगोर, सुरेंद्रनाथ बनर्जी, आर.सी. दत्त तथा सुभाष चंद्र बोस में से वह नेता, जो ब्रिटिश द्वारा इंडियन सिविल सर्विस से बर्खास्त किया गया था — **सुरेंद्रनाथ बनर्जी**

✷ सुरेंद्रनाथ बनर्जी द्वारा स्थापित उस संगठन का नाम जिसका 1886 ई. में इंडियन नेशनल कांग्रेस में विलय हो गया — **इंडियन नेशनल कॉन्फ्रेंस**

✷ राजनैतिक सुधारों को लेकर विरोध करने वाले पहले भारतीय थे — **सुरेंद्रनाथ बनर्जी**

✷ सही कालक्रम है- — **बॉम्बे एसोसिएशन → इंडियन लीग → इंडियन एसोसिएशन → मद्रास महाजन सभा**

✷ मद्रास महाजन सभा की स्थापना की गई — **1884 ई. में**

✷ 1885 में स्थापित बंबई प्रेसीडेंसी एसोसिएशन के संस्थापकों में से एक था — **फिरोजशाह मेहता**

✷ सही सुमेलित है–

ब्रिटिश इंडिया सोसायटी	-	लंदन
ईस्ट इंडिया एसोसिएशन	-	लंदन
नेशनल इंडिया एसोसिएशन	-	लंदन
इंडियन एसोसिएशन	-	कलकत्ता

✷ संस्थाओं का सही कालक्रम है– — **बंगभाषा प्रकाशिका सभा, लैंडहोल्डर्स सोसायटी, बंगाल ब्रिटिश इंडिया सोसायटी, इंडियन लीग**

✷ सही सुमेलित है–

सूची-I (संगठन)		सूची-II (संस्थापक)
लैंड होल्डर्स सोसायटी	-	द्वारकानाथ टैगोर
ब्रिटिश इंडिया सोसायटी	-	विलियम एडम्स
इंडियन सोसायटी	-	आनंद मोहन बोस
इंडियन एसोसिएशन	-	एस.एन. बनर्जी

✷ सही सुमेलित है–

सूची - I		सूची - II
इंडिया लीग	-	शिशिर कुमार घोष
इंडियन एसोसिएशन	-	आनंद मोहन बोस
भारतीय राष्ट्रीय उदार संघ	-	सुरेंद्रनाथ बनर्जी
युनाइटेड इंडिया पैट्रियाटिक एसोसिएशन	-	सैयद अहमद खान

✷ सही सुमेलित है–

सूची-I		सूची-II
एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल	-	1784 ई.
एशियाटिक सोसायटी ऑफ बॉम्बे	-	1804 ई.
रॉयल एशियाटिक सोसायटी ऑफ ग्रेट ब्रिटेन	-	1823 ई.
लैंड होल्डर्स सोसायटी ऑफ बंगाल	-	1838 ई.

✷ सही सुमेलित है–

सूची-I		सूची-II
ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन	-	राधाकांत देव
बॉम्बे प्रेसीडेंसी एसोसिएशन	-	के.टी. तैलंग
सेंट्रल मोहम्मडन नेशनल एसोसिएशन	-	सैयद अमीर अली
सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसायटी	-	गोपाल कृष्ण गोखले

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना की थी — **ए.ओ. ह्यूम ने**

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संस्थापक थे, एक — **असैनिक सेवक**

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना हुई — **1885 ई. में**

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रथम अधिवेशन में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों की संख्या थी — **72**

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन हुआ था — **बंबई में**

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पहले अध्यक्ष थे — **डब्ल्यू.सी. बनर्जी**

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 1885 में महासचिव था — **ए.ओ. ह्यूम**

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना के समय भारत का वायसराय था — **लॉर्ड डफरिन**

✷ कांग्रेस को सूक्ष्मदर्शीय अल्पसंख्यक जनता का प्रतिनिधि बताते हुए उसका मज़ाक उड़ाया था — **लॉर्ड डफरिन ने**

✷ दादाभाई नौरोजी, जी.सुब्रमण्यम अय्यर, जस्टिस रानाडे तथा सुरेंद्रनाथ बनर्जी में से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना अधिवेशन में उपस्थित नहीं था **— सुरेंद्रनाथ बनर्जी**

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के दूसरे अधिवेशन की अध्यक्षता की **— दादाभाई नौरोजी ने**

✷ कांग्रेस के लिए समर्थन प्राप्त करने के लिए 1889 ई. में एक समिति स्थापित की गई। उस समिति का सभापति था **— विलियम डिग्बी**

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सर्वप्रथम मुस्लिम अध्यक्ष थे **— बदरुद्दीन तैयबजी**

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम निर्वाचित यूरोपीय अध्यक्ष था **— जॉर्ज यूले**

✷ फिरोजशाह मेहता, हकीम अजमल खान, खान अब्दुल गफ्फार खान तथा सर सैयद अहमद में से वह जो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से कभी संबद्ध नहीं रहे **— सर सैयद अहमद**

✷ लाला लाजपत राय, एनी बेसेंट, मोतीलाल नेहरू तथा बाल गंगाधर तिलक में से वह जो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष कभी नहीं चुना जा सका **— बाल गंगाधर तिलक**

✷ लाल, बाल और पाल त्रिगुट का व्यक्ति जो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष हुआ **— लाला लाजपत राय**

✷ सुचेता कृपलानी, अरुणा आसफ अली, एनी बेसेंट तथा विजयलक्ष्मी पंडित में से भारतीय कांग्रेस की अध्यक्ष रहीं **— एनी बेसेंट**

✷ वह अधिवेशन जिसके लिए कांग्रेस ने पहली बार एक महिला को अध्यक्ष चुना **— कलकत्ता अधिवेशन, 1917**

✷ कांग्रेस की प्रथम भारतीय महिला अध्यक्ष थीं **— सरोजिनी नायडू**

✷ सही कथन हैं-

— भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का दूसरा अधिवेशन दादाभाई नौरोजी की अध्यक्षता में हुआ था; भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तथा मुस्लिम लीग; दोनों ने लखनऊ में 1916 में अधिवेशन किया तथा लखनऊ समझौता संपन्न किया।

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 27वां अधिवेशन हुआ **— बांकीपुर में**

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का वह अधिवेशन जिसमें बाल गंगाधर तिलक ने अभिव्यक्त किया था, ''स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, मैं उसे लेकर रहूंगा'' **— लखनऊ अधिवेशन, 1916**

✷ सही कथन हैं-

— सी.आर. दास ने जब कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, वे जेल में थे, अल्फ्रेड वेब (Alfred Webb) 1894 ई. में कांग्रेस के अध्यक्ष थे।

✷ ''कांग्रेस आंदोलन न तो लोगों द्वारा प्रेरित था, न ही यह उनके द्वारा सोचा या योजनाबद्ध किया गया था'', कहा था **— सर सैयद अहमद ने**

✷ ''कांग्रेस पतन के लिए लड़खड़ा रही है, मेरी सबसे बड़ी अभिलाषा, जब तक मैं भारत में हूं, कांग्रेस की शांतिपूर्ण समाप्ति में सहयोग करना है'', यह कथन कहा था **— लॉर्ड कर्जन ने**

✷ अध्यक्षीय संबोधन के समय, जिस कांग्रेस अध्यक्ष ने हिंदी भाषा के लिए रोमन लिपि लागू करने की वकालत की, वे थे **— सुभाष चंद्र बोस**

✷ वह स्वतंत्रता सेनानी, जिन्होंने भारत के स्वातंत्र्य-प्राप्ति के बाद सुझाव दिया था कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को समाप्त कर दिया जाए **— महात्मा गांधी**

✷ अमृतसर के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अधिवेशन, 1919 के प्रस्ताव के अनुसार, महात्मा गांधी द्वारा कांग्रेस का नया संविधान लिखने के लिए उनके सहयोग हेतु चुना गया **— एन.सी. केलकर तथा आई.बी. सेन को**

✷ कांग्रेस के एक अधिवेशन में एक गवर्नर जनरल ने भाग लिया था। वह गवर्नर जनरल तथा अधिवेशन का स्थल था **— लॉर्ड विलिंगटन, बंबई, 1915**

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का वह अधिवेशन जिसकी अध्यक्षता सी. विजय राघव चेरियार ने की थी **— नागपुर अधिवेशन (1920)**

✷ कांग्रेस ने पहली बार भारतीय रियासतों के प्रति अपनी नीति घोषित की थी **— नागपुर अधिवेशन में**

✷ 1922 में गया के इंडियन नेशनल कांग्रेस के अधिवेशन के अध्यक्ष थे **— चितरंजन दास**

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्षों का सही क्रम है **— महात्मा गांधी → श्रीमती सरोजिनी नायडू → जवाहरलाल नेहरू → वल्लभभाई पटेल**

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का एकमात्र अधिवेशन जिसकी अध्यक्षता महात्मा गांधी द्वारा की गयी थी **— बेलगांव अधिवेशन (1924)**

✷ सही सुमेलन है–

सूची-I (अध्यक्ष)		**सूची-II (भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सभाओं के स्थान)**
मोतीलाल नेहरू	–	अमृतसर, 1919
सरोजिनी नायडू	–	कानपुर, 1925
डॉ. राजेंद्र प्रसाद	–	बंबई, 1934
अबुल कलाम आजाद	–	रामगढ़, 1940

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस था वह अधिवेशन जिसमें जवाहरलाल नेहरू ने समाजवाद को भारत की समस्याओं को हल करने की कुंजी बताया **— लखनऊ अधिवेशन**

✷ वर्ष 1938 के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के हरिपुरा अधिवेशन की अध्यक्षता की थी **— सुभाष चंद्र बोस ने**

✷ सही सुमेलित है–

सूची-I (कांग्रेस अध्यक्ष)		सूची-II (अधिवेशन स्थान)
डॉ. एम. ए. अंसारी	–	मद्रास
पुरुषोत्तम दास टंडन	–	नासिक
सरोजिनी नायडू	–	कानपुर
सुभाष चंद्र बोस	–	हरिपुरा

✷ लगातार छः वर्ष तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष थे **– अबुल कलाम आजाद**

✷ जब भारत स्वतंत्र हुआ उस समय कांग्रेस के अध्यक्ष थे **– जे.बी. कृपलानी**

✷ 'जन-गण-मन' पहली बार गाया गया था **– भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का कलकत्ता अधिवेशन, 1911 में**

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अंतिम अधिवेशन जिसमें बाल गंगाधर तिलक ने भाग लिया था **– अमृतसर अधिवेशन, 1919**

कांग्रेस में गरम दल और नरम दल

✷ कांग्रेस के नरम दल के नेताओं के आंदोलन की पद्धति थी **– राजावांमबध्य आंदोलन**

✷ वह आंदोलन जिसके कारण भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का विभाजन हुआ परिणामस्वरूप 'नरम दल' और 'गरम दल' का उद्‌भव हुआ **– स्वदेशी आंदोलन**

✷ अधिकतर नरमपंथी नेता थे **– शहरी क्षेत्रों से**

✷ 1904 से लगातार भारत को 'स्वशासन' देने पर बल दिया **– दादाभाई नौरोजी ने**

✷ बाल गंगाधर तिलक, मदनलाल, ऊधम सिंह तथा गोपाल कृष्ण गोखले में उग्रपंथी नहीं था **– गोपाल कृष्ण गोखले**

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर प्रार्थना, याचना तथा विरोध की राजनीति करने का आरोप लगाया **– बाल गंगाधर तिलक ने**

✷ कांग्रेस की प्रार्थना और याचना की नीति अंततोगत्वा समाप्त हो गई **– बाल गंगाधर तिलक के नेतृत्व में**

✷ भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन गरमपंथियों के प्रभावाधीन आया **– 1906 के बाद**

✷ अरबिंद घोष, दादाभाई नौरोजी, जी.के. गोखले एवं एस.एन. बनर्जी में से कांग्रेस के गरम दल से संबंधित था **– अरबिंद घोष**

✷ राष्ट्रीय आंदोलन में बाल गंगाधर तिलक, दादाभाई नौरोजी, एम.जी. रानाडे तथा गोपाल कृष्ण गोखले में से नरमदलीय के तौर पर नहीं जाना जाता था **– बाल गंगाधर तिलक को**

✷ 'शेर-ए-पंजाब' के नाम से मशहूर थे **– लाला लाजपत राय**

✷ फिरोजशाह मेहता, दादाभाई नौरोजी, गोपाल कृष्ण गोखले तथा लाला लाजपत राय में से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में उदारवादियों से जुड़ा नहीं था **– लाला लाजपत राय**

✷ लाला लाजपत राय ने अपना राजनीतिक गुरु माना था **– मैज़िनी को**

✷ गोपाल कृष्ण गोखले, बाल गंगाधर तिलक, ए.ओ. ह्यूम एवं मदन मोहन मालवीय में मध्यममार्गी नहीं था **– बाल गंगाधर तिलक**

✷ 'स्वदेशी' के समर्थक थे **– अरबिंद घोष**

✷ ''भारतीय अशांति के जनक'' के रूप में जाना जाता है **– लोकमान्य तिलक को**

✷ बाल गंगाधर तिलक को 'अशांति का जनक' कहा **– वैलेंटाइन शिरोल ने**

✷ बी.जी. तिलक को सजा के पश्चात् जिसने दया की वकालत की थी और कहा था : ''संस्कृत के एक विद्वान के रूप में तिलक में मेरी दिलचस्पी है।'' **– मैक्स मुलर ने**

✷ 1908 में 6 वर्ष के कारावास की सजा स्वतंत्रता संग्राम के जिस उग्रवादी नेता को दी गई थी, वह हैं **– बाल गंगाधर तिलक को**

✷ भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के प्रारंभिक दौर में उग्रवादी विचारधारा को निरूपित करता है **– सांविधानिक साधनों एवं याचिकाओं के स्थान पर आक्रामक साधनों से स्वशासन प्राप्त करना।**

✷ भारतीय मुसलमान, सामान्य रूप से उग्रवादी आंदोलन की ओर आकर्षित नहीं हुए, इसका कारण था **– उग्रवादियों की हिंदू अतीत का राग अलापने की नीति**

✷ **कथन (A) :** बाल गंगाधर तिलक सांप्रदायिकतावादी थे।
कारण (R) : उन्होंने धर्म का राजनैतिक अस्त्र के रूप में प्रयोग किया।
– (A) गलत है परंतु (R) सही है।

✷ महाराष्ट्र में गणपति पर्व का श्रीगणेश किया था **– बी.जी. तिलक ने**

✷ वह व्यक्ति, जिसने महाराष्ट्र के गणपति उत्सव का ऐसा कायाकल्प किया कि वह एक राष्ट्रीय उत्सव हो गया और उसका स्वरूप राजनैतिक हो गया **– बाल गंगाधर तिलक**

✷ वह मुसलमान, जिसने महात्मा गांधी के साथ बाल गंगाधर तिलक की अर्थी उठाई थी **– शौकत अली**

भारत में क्रांतिकारी आंदोलन

✷ क्रांतिकारियों के एक गुप्त समाज 'अभिनव भारत' का गठन किया था **– वी.डी. सावरकर ने**

✷ 1905 में क्रांतिकारी संगठन 'अभिनव भारत' संगठित किया गया था **– महाराष्ट्र में**

✷ 'मित्र मेला' संघ को शुरू किया था **– विनायक दामोदर सावरकर ने**

✷ वी.डी. सावरकर के बारे में सही कथन हैं

— उन्होंने 'अभिनव भारत' नामक क्रांतिकारी संगठन की स्थापना की; भारतीय राष्ट्रवादियों को प्रेरित करने के उद्देश्य से उन्होंने मैजिनी की जीवनी लिखी; उन्होंने 'भारत का स्वतंत्रता संग्राम 1857' नामक पुस्तक लिखी जो 1857 के विद्रोह का एक राष्ट्रवादी दृष्टिकोण प्रदान करती है; ब्रिटिश कैद से मुक्त होने के लिए वे एक चलते जहाज से कूद पड़े।

✷ हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना की **— 1925 में**

✷ 'अनुशीलन समिति' की स्थापना की थी **— पी. मित्रा ने**

✷ बारींद्र कुमार घोष के क्रिया-कलापों ने जिस गुप्त क्रांतिकारी संगठन को बंगाल में जन्म दिया, वह है **— अनुशीलन समिति**

✷ बाल गंगाधर तिलक को लोकमान्य विशेषण दिया गया **— क्रांतिकारी आंदोलन के दौरान**

✷ स्वतंत्रता आंदोलन के क्रांतिकारी आतंकवादियों के पहले महत्वपूर्ण साहसिक कार्य बर्रा डकैती का स्थान था **— पूर्वी बंगाल में**

✷ मुजफ्फरपुर में किंग्सफोर्ड की हत्या का प्रयास किया गया **— 1908 में**

✷ मुजफ्फरपुर बम कांड (1908) का संबंध है **— प्रफुल्ल चाकी से**

✷ वह व्यक्ति जिसने बड़ी बुद्धिमानी के साथ अलीपुर षड्यंत्र मामले में अरविंद घोष का बचाव किया **— चितरंजन दास**

✷ 'हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' की स्थापना हुई **— 1924 में**

✷ हिंदुस्तान रिपब्लिकन संगठन की स्थापना की गई थी **— कानपुर में**

✷ भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, राम प्रसाद बिस्मिल तथा शिव वर्मा में से हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एच.आर.ए.) का सदस्य नहीं था **— शिव वर्मा**

✷ अपनी फांसी से पूर्व जिसने पीने हेतु दिए गए दूध को अस्वीकार कर दिया और कहा, ''अब मैं केवल अपनी मां का दूध लूंगा।'' **— रामप्रसाद बिस्मिल**

✷ ''सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है,
देखना है जोर कितना बाजू-ए-कातिल में है।''
यह पंक्ति लिखी थी **— रामप्रसाद बिस्मिल ने**

✷ अंग्रेजी सरकार ने काकोरी षड्यंत्र के मामले में फांसी पर चढ़ा दिया था **— रामप्रसाद बिस्मिल को**

✷ काकोरी षड्यंत्र केस हुआ **— 1925 में**

✷ रामप्रसाद बिस्मिल, रोशन सिंह, भगत सिंह तथा अशफाकुल्लाह खां क्रांतिकारियों में से काकोरी षड्यंत्र केस से जुड़ा नहीं है **— भगत सिंह**

✷ शचींद्रनाथ बक्शी, मुकुंदी लाल, चंद्रशेखर आजाद एवं मंमथनाथ गुप्त में से काकोरी कांड से जुड़ा वह क्रांतिकारी जो मुकदमे से बच निकला था **— चंद्रशेखर आजाद**

✷ अशफ़ाकुल्लाह खां, राजेंद्र लाहिड़ी, रामप्रसाद बिस्मिल तथा चंद्रशेखर आज़ाद में से वह जो 'काकोरी षड्यंत्र कांड' में फांसी की सजा से बच गया था **— चंद्रशेखर आज़ाद**

✷ काकोरी कांड मुकदमें में सरकारी वकील था **— जगत नारायण मुल्ला**

✷ ''दरो-दीवार पे हसरत की नजर करते हैं,
खुश रहो अहले-वतन हम तो सफर करते हैं'', कहा था **— वाजिद अली शाह ने**

✷ हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन गठित की गई थी **— चंद्रशेखर आजाद द्वारा**

✷ बहरी ब्रिटिश सरकार को सुनाने हेतु केंद्रीय विधानसभा में अप्रैल 8, 1929 को बम फेंका था **— भगत सिंह तथा बटुकेश्वर दत्त ने**

✷ हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के संस्थापक नेताओं में एक थे **— भगत सिंह**

✷ शचींद्र सान्याल द्वारा स्थापित 'हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' का नाम बदलकर 'हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन' कर दिया था **— चंद्रशेखर आजाद ने**

✷ वर्ष 1928 में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन की स्थापना हुई थी **— दिल्ली में**

✷ क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद को अंग्रेजों ने मार डाला था **— मुठभेड़ में गोलियों से**

✷ 'इंकलाब ज़िंदाबाद' का नारा दिया **— भगत सिंह ने**

✷ भगत सिंह, राजगुरु तथा सुखदेव को फांसी दी गई **— 23 मार्च, 1931 को**

✷ वह 'वाद' (केस) जिसमें भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी की सजा सुनाई गई थी **— लाहौर षड्यंत्र केस में**

✷ भगत सिंह का स्मारक स्थित है **— फिरोज़पुर में**

✷ लाहौर षड्यंत्र कांड में बटुकेश्वर दत्त, सुखदेव, सरदार भगत सिंह तथा राजगुरु में से फांसी नहीं हुई थी **— बटुकेश्वर दत्त को**

✷ भारतीय स्वतंत्रता के लिए फांसी पाने वाले प्रथम रिकॉर्डेड मुस्लिम का नाम है **— अशफाकुल्लाह खां**

✷ मुकदमों का सही क्रम है-

— लाहौर मुकदमा→कानपुर मुकदमा→काकोरी मुकदमा→मेरठ मुकदमा

✷ सही सुमेलित है–

हावड़ा षड्यंत्र प्रकरण	-	1910
विक्टोरिया षड्यंत्र प्रकरण	-	1914
लाहौर षड्यंत्र प्रकरण	-	1916 और 1930
काकोरी षड्यंत्र प्रकरण	-	1925

✷ मुजफ्फर अहमद, एस.ए. डांगे, शौकत उस्मानी तथा नलिनी गुप्ता जिस षड्यंत्र के लिए कैद किए गए थे, वह था **— कानपुर बोलशेविक षड्यंत्र कांड**

✷ प्रसिद्ध चटगांव शस्त्रागार धावा (Chattagaon Armoury Raid) आयोजित किया था **— सूर्यसेन ने**

✷ स्वतंत्रता संग्राम के सबसे कम आयु के शहीद थे **— खुदीराम बोस**

✷ सही सुमेलित है–

सूची-I		सूची–II
अभिनव भारत	–	वी.डी. सावरकर
अनुशीलन समिति	–	अरबिंद घोष
गदर पार्टी	–	लाला हरदयाल
स्वराज पार्टी	–	सी.आर. दास

✷ सही सुमेलित है–

सूची-I (संगठन)		**सूची-II (संस्थापक)**
अभिनव भारत	-	जी.डी. सावरकर
मित्र मेला	-	वी.डी. सावरकर
इंडियन रिपब्लिकन आर्मी	-	एस. सेन
हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन	-	एस. एन. सान्याल

✷ सही सुमेलित है–

सूची-I		**सूची–II**
चटगांव शस्त्रागार हमला	–	सूर्यसेन
काकोरी षड्यंत्र	–	रामप्रसाद बिस्मिल
लाहौर षड्यंत्र	–	जतिन दास
गदर पार्टी	–	लाला हरदयाल

✷ जतिन दास जिस आरोप में बंदी बनाए गए थे, वह था **— लाहौर षड्यंत्र**

✷ जेल में भूख हड़ताल के कारण जिस स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की मृत्यु हुई, वह था **— जतिन दास**

✷ सही सुमेलित है–

सूची-I		**सूची-II**
जतिन दास	-	भूख हड़ताल
चंद्रशेखर आजाद	-	मुठभेड़ के दौरान
भगत सिंह	-	फांसी
कल्पना दत्त	-	आजीवन कारावास

✷ सही सुमेलित है–

सूची-I		**सूची-II**
चटगांव आर्मरी रेड	-	कल्पना दत्त
अभिनव भारत	-	विनायक दामोदर सावरकर
अनुशीलन समिति	-	अरबिंद घोष
कूका आंदोलन	-	गुरु रामसिंह

✷ काकोरी केस के अभियुक्तों के बचाव हेतु एक समिति का गठन हुआ था **— गोविंद बल्लभ पंत की अध्यक्षता में**

✷ सही सुमेलित है–

सूची-I (संघ)		**सूची-II (संस्थापक)**
रिवोल्ट ग्रुप	-	सूर्यसेन
हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन	-	रामप्रसाद बिस्मिल
हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन	-	चंद्रशेखर आजाद
पंजाब नौजवान भारत सभा	-	भगत सिंह

✷ अभिनव भारत, अनुशीलन समिति, न्यू नेशनलिस्ट पार्टी तथा इंडियन पैट्रियॉट एसोसिएशन में से क्रांतिकारी गतिविधियों में लिप्त संगठन थे **— अभिनव भारत तथा अनुशीलन समिति**

✷ 'निष्क्रिय विरोध' के सिद्धांत का प्रतिपादन किया **— अरबिंद घोष ने**

✷ सही कथन हैं-

— सुभाष चंद्र बोस ने फारवर्ड ब्लॉक का गठन किया, भगत सिंह हिंदुस्तान रिपब्लिकन सोशलिस्ट एसोसिएशन के संस्थापकों में से एक थे।

✷ रामप्रसाद बिस्मिल, राजेंद्र लाहरी, रोशन सिंह तथा अशफाकुल्लाह खां में से वह क्रांतिकारी जिसकी फांसी गोरखपुर जेल में हुई थी **— रामप्रसाद बिस्मिल**

✷ फिरोजशाह मेहता, गोपाल कृष्ण गोखले एवं बिपिन चंद्र पाल में से वह जो एक उग्रवादी था **— बिपिन चंद्र पाल**

✷ शांति घोष, सुनीति चौधरी, बीना दास तथा कल्पना दत्त (जोशी) में से वह महिला क्रांतिकारी जिसने दीक्षांत समारोह में अपनी उपाधि (डिग्री) ग्रहण करते समय अंग्रेज गवर्नर (कुलाधिपति) पर गोली चलाई थी **— बीना दास ने**

✷ '' आलोचना और स्वतंत्र चिंतन एक क्रांतिकारी की दो विशेषताएं हैं'', कहा था **— भगत सिंह ने**

भारत से बाहर क्रांतिकारी गतिविधियां

✷ लंदन में इंडियन होमरूल सोसायटी को प्रारंभ किया **— श्यामजी कृष्ण वर्मा ने**

✷ 'इंडियन होमरूल सोसायटी' स्थापित हुई थी **— 1905 में**

✷ वी.डी. सावरकर, रासबिहारी बोस, मदनलाल धींगरा तथा लाला हरदयाल में से 'गदर पार्टी' का गठन किया **— लाला हरदयाल ने**

✷ गदर पार्टी की स्थापना हुई **— 1913 में**

✷ गदर आंदोलन की स्थापना की थी **— सोहन सिंह भाकना ने**

✷ गदर पार्टी का पहला सभापति है **— सोहन सिंह भाकना**

✷ प्रथम विश्व युद्ध के दौरान सक्रिय होने वाले गदर क्रांतिकारियों का आधार स्थल था **— पश्चिमी अमेरिका**

✷ गदर पार्टी की स्थापना हुई थी **— संयुक्त राज्य अमेरिका में**

✷ गदर क्या था
— भारतीयों का एक क्रांतिकारी संघ, जिसका प्रधान कार्यालय सैन फ्रांसिस्को में था

✷ गदर क्रांति छिड़ने का सबसे महत्वपूर्ण कारण था
— प्रथम महायुद्ध का शुरू होना

✷ वह व्यक्ति जिसने विदेश में गणतंत्रात्मक सरकार की संस्थापना की थी
— महेंद्र प्रताप

✷ वह स्थान, जहां प्रथम महायुद्ध के दौरान भारत की एक अनंतिम सरकार बनी थी जिसके प्रेसीडेंट राजा महेंद्र प्रताप थे— **अफगानिस्तान**

✷ 'भारतीय क्रांति की मां' कहलाती है **— भीकाजी रुस्तम कामा**

✷ मैडम भीकाजी कामा से संबंधित सही कथन हैं
— मैडम कामा दादाभाई नौरोजी की निजी सचिव रहीं, मैडम कामा के माता-पिता पारसी थे।

✷ वह महिला जिसने भारतीय तिरंगा सबसे पहले फहराया था
— भीकाजी कामा ने

✷ मैडम कामा ने 1907 में प्रथम तिरंगा ध्वज फहराया था
— स्टुटगार्ट में

✷ वह व्यक्ति जिसे इंग्लैंड में अंग्रेज अधिकारियों की हत्या के आरोप में फांसी की सजा मिली **— मदनलाल ढींगरा तथा ऊधम सिंह को**

✷ वह बात, जो मैडम भीकाजी कामा, एम. बरकतुल्ला, वी.वी.एस. अय्यर और एम.एन. रॉय में समान थी
— वे सभी प्रमुख क्रांतिकारी थे और स्वतंत्रता आंदोलन की अवधि में भारत से बाहर विविध देशों में काम कर रहे थे

✷ कामागाटामारू
— कनाडा की यात्रा पर निकला एक जलपोत था

✷ सरदार अजित सिंह, बाबा गुरदीप सिंह, वी.डी. सावरकर एवं सरदार भगत सिंह में से 'कामागाटामारू घटना' से संबंधित था
— बाबा गुरदीप सिंह

✷ 'इंडिपेंडेंस लीग' की स्थापना की थी **— रासबिहारी बोस ने**

बंगाल विभाजन (1905) तथा स्वदेशी आंदोलन

✷ हड़प नीति, बंगाल का विभाजन, स्थायी बंदोबस्त तथा सहायक संधि में सबसे बाद में हुआ **— बंगाल का विभाजन (16 अक्टूबर, 1905)**

✷ बंग-भंग विरोधी आंदोलन का प्रारंभ हुआ **— 7 अगस्त, 1905 को**

✷ वह आंदोलन, जो बंग-भंग के बाद शुरू हुआ था— **स्वदेशी आंदोलन**

✷ बंगाल का विभाजन करने वाला गवर्नर जनरल था **— लॉर्ड कर्जन**

✷ बंगाल के विभाजन के समय, बंगाल का लेफ्टिनेंट गवर्नर था
— सर एन्ड्रूज फ्रेजर

✷ बंगाल विभाजन (1905) के विरोध में हुए आंदोलन का नेतृत्व किया था
— सुरेंद्रनाथ बनर्जी ने

✷ डब्ल्यू.सी. बनर्जी, एस.एन. बनर्जी, आर.एन. टैगोर तथा बी.जी. तिलक में से वह जो 'स्वदेशी' आंदोलन का आलोचक था एवं पूर्व तथा पाश्चात्य के मध्य एक बेहतर संबंध का समर्थक था
— आर.एन. टैगोर

✷ बंगाल में ब्रिटेन की वस्तुओं के बहिष्कार का सुझाव सर्वप्रथम दिया था
— कृष्ण कुमार मित्र ने

✷ ब्रिटिश वस्तुओं के बहिष्कार को राष्ट्रीय नीति के रूप में अपनाया गया था **— 1905 में**

✷ बंगाल का विभाजन मुख्यत: किया गया था
— बंगाली राष्ट्रवाद की वृद्धि को दुर्बल करने के लिए

✷ बंगाल विभाजन के विरुद्ध राष्ट्रवादियों द्वारा प्रारंभ किए गए कार्यक्रम
— बायकाट, स्वदेशी, राष्ट्रीय शिक्षा

✷ 'स्वदेशी' और 'बहिष्कार' पहली बार संघर्ष की विधि के रूप में अपनाए गए थे **— बंगाल विभाजन के विरुद्ध आंदोलन के दौरान**

✷ बंगाल 1905 ई. में विभाजित हुआ जिसके विरोध के फलस्वरूप यह दुबारा विभाजित हुआ **— 1911 में**

✷ मद्रास में स्वदेशी आंदोलन का नेतृत्व किया था — **चिदंबरम पिल्लै ने**

✷ स्वदेशी आंदोलन का नेतृत्व दिल्ली में किया था
— सैयद हैदर रज़ा ने

✷ महिलाएं, कृषक, मुसलमान तथा बुद्धिजीवी वर्गों में से 1905 के स्वदेशी आंदोलन से मुख्यत: अप्रभावित रहे **— कृषक तथा मुसलमान**

✷ वह आंदोलन जिसके दौरान 'वन्दे मातरम्' भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का शीर्षक गीत बना **— स्वदेशी आंदोलन**

✷ स्वदेशी की भावना से ओत-प्रोत भारत के चरमपंथी राष्ट्रवादी आंदोलन काल के संदर्भ में, सही कथन नहीं है
— लियाकत हुसैन ने बारिसाल के मुस्लिम किसानों के आंदोलनों में उनका नेतृत्व किया।

✷ ब्रिटिश पत्रकार एच.डब्ल्यू. नेविन्सन जुड़े थे **— स्वदेशी आंदोलन से**

✷ भारत की प्राचीन कला परंपराओं को पुनर्जीवित करने के लिए एक 'इंडियन सोसायटी ऑफ ओरिएंटल आर्ट' की स्थापना की थी
— अवनींद्रनाथ टैगोर ने

कांग्रेस : बनारस, कलकत्ता एवं सूरत अधिवेशन

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1905 के बनारस अधिवेशन का अध्यक्ष था
— गोपाल कृष्ण गोखले

✷ 1906 में कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन की अध्यक्षता की थी
— दादाभाई नौरोजी ने

* 18 वर्ष की आयु में स्नातक, 20 वर्ष की आयु में प्रोफेसर तथा सुधारक के सह-संपादक, 25 वर्ष की आयु में सार्वजनिक सभा और प्रांतीय सम्मेलन के मंत्री, 29 वर्ष की आयु में राष्ट्रीय कांग्रेस के मंत्री, 31 वर्ष की आयु में महत्वपूर्ण रॉयल कमीशन के समक्ष अग्रणी प्रवाह, 34 वर्ष की आयु में प्रांतीय विधायक, 36 वर्ष की आयु में इम्पीरियल विधायक, 39 वर्ष की आयु में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष......एक देश भक्त जिसे महात्मा गांधी ने स्वयं अपना गुरु माना है।" इन शब्दों में एक जीवनीकार ने वर्णन किया है **— गोपाल कृष्ण गोखले का**
* कांग्रेस ने 'स्वराज' प्रस्ताव वर्ष 1905 में पारित किया। प्रस्ताव का उद्देश्य था **— स्वशासन सुनिश्चित करना**
* स्वराज को बतौर राष्ट्रीय मांग के रूप में सर्वप्रथम रखा था **— दादाभाई नौरोजी ने**
* कांग्रेस के मंच से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के जिस अधिवेशन में प्रथम बार 'स्वराज' शब्द व्यक्त किया गया था, वह है **— कलकत्ता अधिवेशन, 1906**
* 'स्वराज' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किया **— दयानंद सरस्वती ने**
* भारत में 'ग्रैंड ओल्ड मैन' की संज्ञा दी जाती है **— दादाभाई नौरोजी को**
* दादाभाई नौरोजी के विषय में सत्य कथन हैं **— उन्होंने 'पॉवर्टी एंड अनब्रिटिश रूल इन इंडिया' पुस्तक लिखी थी, उन्होंने गुजराती के प्रोफेसर के रूप में यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में कार्य किया था,उन्होंने बंबई में महिला शिक्षा की नींव रखी थी**
* दादाभाई नौरोजी के विषय में सत्य हैं- **— वह पहले भारतीय थे जो एलफिंस्टन कॉलेज, बंबई में गणित एवं भौतिकी के प्रोफेसर नियुक्त हुए थे, 1892 ई. में उन्हें ब्रिटिश पार्लियामेंट का एक सदस्य निर्वाचित किया गया था, उन्होंने एक गुजराती पत्रिका, 'रस्ट गोफ्तार' का आरंभ किया था।**
* ब्रिटिश पार्लियामेंट में चुना जाने वाला प्रथम भारतीय था **— दादाभाई नौरोजी**
* नरम दल और गरम दल के रूप में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का विभाजन हुआ **— सूरत अधिवेशन में**
* 1907 के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सूरत के वार्षिक अधिवेशन के अध्यक्ष थे **— आर.बी. घोष**
* भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वर्ष 1906 में विख्यात कलकत्ता अधिवेशन में चार संकल्प पारित किए गए थे। सूरत में 1907 में हुए कांग्रेस के अगले अधिवेशन में इन चारों संकल्पों को स्वीकार करने अथवा उन्हें अस्वीकृत करने के प्रश्न पर कांग्रेस में विभाजन हो गया था। एक संकल्प जो इन चारों संकल्पों में नहीं था **— बंगाल के विभाजन को रद्द करना**
* बीसवीं सदी के प्रारंभिक वर्षों में कांग्रेस में विभाजन की प्रक्रिया शुरू हुई **— कांग्रेस आंदोलन की रणनीतियों पर; कांग्रेस आंदोलन के उद्देश्यों पर; कांग्रेस आंदोलन में लोगों की भागीदारी पर**
* भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम विभाजन हुआ **— 1907 में**
* सूरत विभाजन का नेतृत्व किया था **— तिलक ने**
* वर्ष 1907 में सूरत में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विभाजन का मुख्य कारण था **— अंग्रेजी सरकार के साथ नरमपंथियों की वार्ता करने की क्षमता के बारे में चरमपंथियों में विश्वास का अभाव**

मुस्लिम लीग का गठन (1906)

* सर सैयद अहमद खां, सर मोहम्मद इकबाल, आगा खां तथा नवाब सलीमुल्लाह खान में से ऑल इंडिया मुस्लिम लीग की स्थापना की थी **— नवाब सलीमुल्लाह खान ने**
* 1906 में मुस्लिम लीग की स्थापना हुई थी **— ढाका में**
* मुस्लिम लीग का प्रथम अध्यक्ष था **— आगा खां**
* 1907 में मुस्लिम लीग का वार्षिक अधिवेशन हुआ था **— कराची में**
* **कथन (A) :** लीग ने कांग्रेस के मुस्लिम जनता के साथ मिलकर उद्देश्य पूर्ति में लगाने के अधिकार को मानने से मना कर दिया।
कारण (R) : वैसा अधिकार अकेली मुस्लिम लीग का ही था। **— (A) सही है परंतु (R) गलत है।**
* भारतीय स्वाधीनता संघर्ष के संदर्भ में, सत्य है **— हकीम अजमल खान राष्ट्रवादी तथा चरमपंथी अहरार आंदोलन शुरू करने वाले नेताओं में से थे; भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संगठन के समय सर सैयद अहमद खान ने इसका विरोध किया; मौलाना बरकतुल्ला और मौलाना अब्दुल्ला सिंधी काबुल में भारत की अंत:कालीन सरकार का गठन करने वालों में से थे।**
* 1906 में लार्ड मिंटो से शिमला में मिले मुसलमानों के शिष्टमंडल ने प्रार्थना की **— मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचक वर्ग**
* 1908 में अखिल भारतीय मुस्लिम लीग की एक लंदन शाखा की स्थापना हुई **— अमीर अली की अध्यक्षता में**

मार्ले-मिंटो सुधार

* मार्ले-मिंटो सुधार बिल पारित किया गया **— 1909 में**
* 1909 के इंडियन काउंसिल एक्ट में व्यवस्था की गई थी **— सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व की**
* राष्ट्रीय आंदोलन की अवधि में जिस घटना में मतभेद में बीज थे और वह जिसने अंतत: देश का विभाजन कराया, थी **— विधान सभाओं में मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचन क्षेत्रों और स्थानों का आरक्षण**

दिल्ली दरबार और राजधानी परिवर्तन

✷ ब्रिटिश काल में दिल्ली के पहले भारत की राजधानी थी — **कलकत्ता**

✷ 1912 ई. में जब राजधानी कलकत्ता से दिल्ली लाई गई उस समय भारत का वायसराय था — **लॉर्ड हार्डिंग**

✷ दिल्ली भारत की राजधानी बनी — **1911 में**

नोट—1911 में बंगाल विभाजन को रद्द कर भारत की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित करने की घोषणा की गई। 1 अप्रैल, 1912को दिल्ली राजधानी बनाई गई।

✷ वह जिसके राजकीय प्रवेश के अवसर पर दिल्ली में बम फेंका गया था — **लॉर्ड हार्डिंग पर**

✷ ब्रिटिश शासन के दौरान बिहार को एक अलग प्रांत का दर्जा प्राप्त हुआ — **1912 में**

कांग्रेस का लखनऊ अधिवेशन

✷ दिसंबर, 1916 में इंडियन नेशनल कांग्रेस तथा इंडियन मुस्लिम लीग ने एक ही समय अपने अधिवेशन आयोजित किए थे — **लखनऊ में**

✷ 1916 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन की अध्यक्षता की थी — **ए.सी. मजूमदार ने**

✷ कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच प्रसिद्ध लखनऊ समझौते पर हस्ताक्षर हुआ था — **1916 में**

✷ अतिवादियों एवं उदारवादियों के पुनर्मिलन की प्रक्रिया में प्रमुख शिल्पी थीं — **एनी बेसेंट**

✷ वर्ष 1916 में मुस्लिम लीग और कांग्रेस के मध्य समझौता कराया था — **बी.जी. तिलक ने**

✷ कांग्रेस के 1916 के लखनऊ अधिवेशन में लिया गया मुख्य दूरगामी परिणाम वाला निर्णय था — **मुस्लिम लीग की पृथक निर्वाचन क्षेत्र की मांग स्वीकार की गयी**

✷ इंडियन नेशनल कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच मतैक्य का काल प्रदर्शित करता है — **1916-1922**

✷ 1916 के लखनऊ के कांग्रेस अधिवेशन के विषय में सत्य है — **इस अधिवेशन में उदारवादियों और उग्रवादियों के बीच पुनः मेल स्थापित हुआ था, महात्मा गांधी पहली बार चंपारन के किसानों की समस्याओं से अवगत कराए गए।**

होमरूल लीग आंदोलन

✷ होमरूल लीग आंदोलन सर्वप्रथम आरंभ किया — **एनी बेसेंट ने**

✷ 1915-16 में दो होमरूल लीग आरंभ की गई थी — **तिलक एवं एनी बेसेंट के नेतृत्व में**

✷ एनी बेसेंट मुख्यतः संबद्ध रही हैं — **गृहशासन आंदोलन से**

✷ प्रथम विश्व युद्ध के दौरान आंदोलन जो भारत में लोकप्रिय हुआ था, वह था — **होमरूल आंदोलन**

✷ बाल गंगाधर तिलक, एनी बेसेंट, एम. सुब्रह्मण्यम अय्यर तथा टी. एस. ऑल्कॉट में से जिसका योगदान होमरूल लीग की स्थापना में नहीं था — **टी. एस. ऑल्कॉट का**

✷ सी.आर. दास,एस. सुब्रह्मण्यम अय्यर, एनी बेसेंट तथा बी.जी. तिलक में से होमरूल आंदोलन से नहीं जुड़ा था — **सी.आर. दास**

✷ होमरूल समर्थक अपनी राजनीतिक शक्ति का सफलतापूर्वक प्रदर्शन कर सके — **कांग्रेस के 1916 के लखनऊ अधिवेशन में**

✷ होमरूल आंदोलन भारत के स्वतंत्रता संग्राम के एक नए चरण के आरंभ का द्योतक था, क्योंकि — **इसने देश के सामने स्वशासन (Self-government) की एक ठोस योजना रखी**

✷ तिलक तथा एनी बेसेंट द्वारा बनाए गए होमरूल लीगों को एक में मिला दिया गया था — **1918 में**

✷ होमरूल लीग के संबंध में सत्य है — **सबसे पहले इसकी योजना एनी बेसेंट ने वर्ष 1914-15 में प्रस्तुत की थी; तिलक की होमरूल लीग महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रांत एवं बरार तक सीमित थी; तिलक द्वारा स्थापित होमरूल लीग अधिक शक्तिशाली थी**

✷ एनी बेसेंट, ए.ओ. ह्यूम, माइकल मधुसूदन दत्त तथा आर. पाम दत्त में से फेबियन आंदोलन का प्रस्तावक था — **एनी बेसेंट**

✷ एनी बेसेंट के संबंध में सही कथन हैं — **होमरूल आंदोलन प्रारंभ करने के लिए उत्तरदायी थीं; इंडियन नेशनल कांग्रेस की एक बार अध्यक्षा थीं**

गांधी एवं उनके प्रारंभिक आंदोलन

✷ करमचंद गांधी दीवान थे — **पोरबंदर, राजकोट एवं बीकानेर के**

✷ महात्मा गांधी के पदार्पण से पूर्व भारत में राष्ट्रीय आंदोलन की दिशा को जिन अंतरराष्ट्रीय घटनाओं ने प्रभावित किया था, वह हैं — **1898 ई. के इटली-अबीसीनिया युद्ध ने; चीन के बॉक्सर आंदोलन ने; आयरलैंड के क्रांतिकारी आंदोलन ने; रूस-जापान के युद्ध में जापान की विजय ने**

✷ दक्षिण अफ्रीका में रहने की अवधि में महात्मा गांधी ने जिस पत्रिका का प्रकाशन किया, उसका नाम था — **इंडियन ओपिनियन**

✷ फीनिक्स फॉर्म है — **डरबन (द. अफ्रीका) में**

✷ एम.के. गांधी समर्थक थे — **दार्शनिक अराजकतावाद के**

✷ गांधीजी के रामराज्य के युगल सिद्धांत थे — **सत्य तथा अहिंसा**

✷ गांधीजी की दृष्टि में अहिंसा का अर्थ है **— सत्य की प्राप्ति का रास्ता**

✷ गांधी के संदर्भ में बिना मार्क्सवाद के मार्क्सवादी, बिना समाजवाद के समाजवादी, बिना व्यक्तिवाद के व्यक्तिवादी तथा समाजवादियों में एक व्यक्तिवादी और समाजवादियों में एक मार्क्सवादी में से सही है **— समाजवादियों में एक व्यक्तिवादी और समाजवादियों में एक मार्क्सवादी**

✷ गांधी की सत्याग्रह रणनीति में सबसे अंतिम स्थान प्राप्त है **— हड़ताल को**

✷ गांधीजी के सिद्धांत के अनुसार सही है **— सत्याग्रही का शस्त्र अहिंसा है; सत्याग्रही को अपने संकल्प में दृढ़ विश्वास होना चाहिए; सत्याग्रही को विरोधियों के प्रति द्वेष भाव नहीं रखना चाहिए**

✷ गांधीजी के अनुसार, हिंसा का क्रूरतम रूप है **— गरीबी का स्थायित्व**

✷ गांधीजी ने परिवार नियोजन हेतु तरीका बताया **— आत्मनियंत्रण**

✷ महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे **— 1915 में**

✷ गांधीजी दक्षिण अफ्रीका में रहे थे **— 21 वर्ष तक**

✷ दक्षिण अफ्रीका के जिस रेलवे स्टेशन पर गांधी को ट्रेन से फेंका गया था **— पीटरमारित्सबर्ग**

✷ एम.के. गांधी ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के जिस अधिवेशन में सर्वप्रथम भाग लिया था, वह है **— कलकत्ता अधिवेशन, 1901 में**

✷ भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी द्वारा स्थापित साबरमती आश्रम स्थित है **— अहमदाबाद नगर के बाहर**

✷ महात्मा गांधी ने अहमदाबाद के निकट साबरमती के किनारे एक आश्रम बनाया था। इसे.......कहा जाता था **— सत्याग्रह आश्रम**

✷ महात्मा गांधी से संबद्ध साबरमती, फीनिक्स, वर्धा तथा सदाकत आश्रमों में सबसे पुराना है **— फीनिक्स**

✷ गांधीजी ने 'सेवाधर्म' अपनाया था **— दक्षिण अफ्रीका में**

✷ महात्मा गांधी के राजनीतिक गुरु थे **— गोपाल कृष्ण गोखले**

✷ महात्मा गांधी के अनुसार, राजनीति का तात्पर्य था **— जनकल्याण के लिए सक्रियता**

✷ 'सत्याग्रह' शब्द को गढ़ा **— महात्मा गांधी ने**

✷ भारत के स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान सबसे पहले सत्याग्रह किया था **— महात्मा गांधी ने**

✷ मोहनदास करमचंद गांधी सर्वाधिक जाने जाते हैं **— भारतीय स्वतंत्रता को प्राप्त करने के लिए निष्क्रिय विरोध करने के लिए**

✷ ''विदेशी वस्त्रों की बर्बादी ही उनके साथ सर्वोत्तम व्यवहार है।'' कहा था **— महात्मा गांधी ने**

✷ ब्रिटिश निर्मित उत्पादों का गांधी का बहिष्कार प्रभावी हुआ क्योंकि ब्रिटेन भारत को एक बड़ा **— निर्मित वस्तुओं का बाजार समझता था**

✷ महात्मा गांधी के राजनीतिक जीवन की घटनाओं का कालक्रम है **— चंपारन → अहमदाबाद मिल हड़ताल → खेड़ा-असहयोग आंदोलन**

✷ महात्मा गांधी के बारे में सही हैं **— उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा राजकोट में प्राप्त की थी, कस्तूरबा के साथ उनका विवाह 13 वर्ष की आयु में हुआ था, उन्होंने विधि का अध्ययन द इनर टेम्पुल, लंदन में किया था, वे रस्किन की पुस्तक अनटू दिस लास्ट से सर्वाधिक प्रभावित हुए थे**

✷ महात्मा गांधी ने कहा था कि उनकी कुछ सबसे गहन धारणाएं ''अनटू दिस लास्ट'' नामक पुस्तक में प्रतिबिंबित होती हैं और इस पुस्तक ने उनके जीवन को बदल डाला। इस पुस्तक का वह संदेश जिसने महात्मा गांधी को बदल डाला **— व्यक्ति का कल्याण सब के कल्याण में निहित है**

✷ गांधीवादी विचारधारा प्रभावित रही है **— रस्किन, थोरो एवं टाल्स्टॉय से**

✷ स्वदेशी आंदोलन, खिलाफत आंदोलन, वैयक्तिक सत्याग्रह आंदोलन तथा भारत छोड़ो आंदोलन में से जिस आंदोलन से गांधीजी संबंधित नहीं थे **— स्वदेशी आंदोलन से**

✷ भारत छोड़ो आंदोलन,सविनय अवज्ञा,बारदोली एवं खेड़ा सत्याग्रहों में से जिसका नेतृत्व महात्मा गांधी ने नहीं किया था **— बारदोली सत्याग्रह का**

✷ गांधी के संदर्भ में सही है- **— जातिविहीन अछूतों की दशा में सुधार के लिए कठोर संघर्ष किया; असहयोग आंदोलन शुरू किया; सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू किया**

✷ महात्मा गांधी को सर्वप्रथम 'राष्ट्रपिता' कहा था **— सुभाष चंद्र बोस ने**

✷ गांधी के नाम के पहले 'महात्मा' जोड़ा गया **— चंपारन सत्याग्रह के दौरान**

✷ गांधीजी को सर्वप्रथम 'महात्मा' के तौर पर संबोधित किया था **— रवींद्रनाथ टैगोर ने**

✷ नोआखाली काल में महात्मा गांधी के सचिव थे **— प्यारे लाल**

✷ राजकोट सत्याग्रह, खेड़ा सत्याग्रह, वायकोम सत्याग्रह तथा असहयोग आंदोलन में से जिस सत्याग्रह आंदोलन में गांधीजी ने प्रत्यक्ष रूप से भाग नहीं लिया **— वायकोम सत्याग्रह**

✷ महात्मा गांधी का छत्तीसगढ़ में प्रथम आगमन हुआ था **— 20 दिसंबर, 1920 को**

✷ गांधी के अनुयायियों ए.एन.सिन्हा, बृज किशोर प्रसाद, जे.बी.कृपलानी एवं राजेंद्र प्रसाद में से वह जो पेशे से एक शिक्षक था **— राजेंद्र प्रसाद**

✷ जी.डी. बिड़ला, जमनालाल बजाज, जे.आर.डी. टाटा एवं बालचंद हीराचंद उद्योगपतियों में से वह व्यक्ति जो लंबे समय तक ए.आई.सी.सी. के खजांची रहे तथा वर्ष 1930 में जेल भी गए **— जमनालाल बजाज**

✷ ''भारतीय कपड़ा व्यापारी, बैंकर, कांग्रेसी तथा महात्मा गांधी का निकट सहयोगी है,'' यह विवरण है **— जमनालाल बजाज का**

✷ स्वाधीनता आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी के करीबी अंग्रेज मित्र थे **— रेवरेंड चार्ली एन्ड्रूज**

✷ वह कारागार जिसे गांधीजी ने 'मंदिर' का नाम दिया था **— यरवदा**

✷ भारत की स्वाधीनता के समय महात्मा गांधी **— कांग्रेस के सदस्य नहीं थे**

✷ गांधीजी की मृत्यु पर जिसने कहा था ''हमारे जीवन से प्रकाश चला गया है'' **— जवाहरलाल नेहरू ने**

✷ गांधीजी को 'वन मैन बाउंड्री फोर्स' कहकर संबोधित किया **— माउंटबेटन ने**

✷ जिसने महात्मा गांधी को आदेशित किया था कि वह भारत में प्रथम वर्ष 'खुले कान पर मुंह बंद कर' व्यतीत करें **— गोपाल कृष्ण गोखले ने**

✷ भारतीय राजनीति में प्रवेश के पूर्व एक वर्ष तक देश में पर्यवेक्षक एवं विद्यार्थी के रूप में रहने की सलाह गांधीजी को दी थी **— गोपाल कृष्ण गोखले ने**

✷ ''गलत साधन हमें कभी भी सही उद्देश्य तक नहीं ले जाते हैं'' यह कहा करते थे **— एम.के. गांधी**

✷ ''जो नैतिक दृष्टिकोण से गलत है, वह राजनीति दृष्टिकोण से कभी सही नहीं हो सकता है'' इस सिद्धांत के प्रबल समर्थक थे **— एम.के. गांधी**

✷ गांधीजी ने अपना पहला सत्याग्रह आरंभ किया **— मजदूरों को कम वेतन दिए जाने के विरुद्ध**

✷ वह आंदोलन जिसमें महात्मा गांधी ने पहली बार भूख हड़ताल का प्रयोग हथियार के रूप में किया था **—अहमदाबाद की हड़ताल**

✷ महात्मा गांधी ने भारत में अपना पहला जनभाषण दिया था **— वाराणसी में**

✷ गांधीजी ने बंधुआ मजदूरों को मुक्त कराने का प्रथम अभियान आरंभ किया था **— चंपारन से**

✷ 1917-18 में अहमदाबाद में गांधीजी द्वारा चलाए गए सत्याग्रह में हिस्सा लिया था **— मजदूर वर्ग ने**

✷ महात्मा गांधी का वह संघर्ष जो औद्योगिक श्रमिकों से संबंधित था **— अहमदाबाद संघर्ष**

✷ अहमदाबाद सत्याग्रह आरंभ किया गया था **— सूती मिल कामगारों के लिए**

✷ गांधीजी के ट्रस्टीशिप के सिद्धांत के प्रतिपाद्य के संबंध में सही युग्म है **— दक्षिण अफ्रीका-1903**

✷ गांधीवादी अर्थव्यवस्था के विषय में सही कथन है- **— वे अहिंसा पर आधारित अर्थव्यवस्था पर बल देते थे; केंद्रीकरण शोषण और असमानता को जन्म देता है; अतएव अहिंसक सामाजिक संरचना केंद्रीकरण विरोधी है; वे भारत में मशीनीकरण के पक्षधर नहीं थे**

✷ एम.के. गांधी के अनुसार, अस्पृश्यों का सामाजिक-आर्थिक सुधार संपन्न किया जा सकता है **— उनके लिए कुटीर उद्योग स्थापित करके**

✷ 'गांधियन इनोवेशन' (गांधीजी का नवाचार) का तात्पर्य है **— कम निवेश से अधिक उत्पादन अधिक लोगों के लिए**

✷ खेड़ा सत्याग्रह, सविनय अवज्ञा आंदोलन, असहयोग आंदोलन तथा चंपारन सत्याग्रह में से वह घटना जो सबसे पहले हुई **— चंपारन सत्याग्रह**

✷ चंपारन में 'तिनकठिया प्रथा' का तात्पर्य था **— 3/20 भूभाग पर नील की खेती करना**

✷ गांधीजी ने भारत में पहली बार सत्याग्रह आंदोलन बिहार में प्रारंभ किया **— चंपारन से**

✷ गांधीजी का चंपारन आंदोलन था **— नील कर्मियों की समस्याओं के समाधान हेतु**

✷ सही कथन है- **— चंपारन जांच में आचार्य जे.बी. कृपलानी महात्मा गांधी के सहयोगियों में से एक थे।**

✷ चंपारन संघर्ष में जिन्होंने महात्मा गांधी का साथ दिया था, वे थे **— राजेंद्र प्रसाद और अनुग्रह नारायण सिन्हा**

✷ महात्मा गांधी के चंपारन सत्याग्रह से संबद्ध हैं **— राजकुमार शुक्ल**

✷ चंपारन आंदोलन से संबंधित थे **— राजेंद्र प्रसाद, अनुग्रह नारायण सिन्हा, जे.बी. कृपलानी**

✷ दक्षिण अफ्रीका से लौटने के पश्चात, गांधीजी ने प्रथम सफल सत्याग्रह (Satyagraha) आरंभ किया **— चंपारन में**

✷ महात्मा गांधी ने सर्वप्रथम जिस किसान आंदोलन में भाग लिया, वह है **— चंपारन**

✷ नील की खेती के संबंध में चंपारन में महात्मा गांधी को आमंत्रित किया था **— राजकुमार शुक्ल ने**

✷ चंपारन सत्याग्रह के संबंध में सही है- **— यह किसानों से जुड़ा था; इसे 'तिनकठिया प्रथा' के विरुद्ध संचालित किया गया था; डॉ. राजेंद्र प्रसाद तथा जे.बी. कृपलानी ने इसमें एम.के. गांधी को सहयोग दिया था**

✷ चंपारन नील आंदोलन के राष्ट्रीय नेता थे **— महात्मा गांधी**

✷ महात्मा गांधी के चंपारन सत्याग्रह का विरोध किया था **— एन.जी. रंगा ने**

✷ खेड़ा के किसानों के पक्ष में महात्मा गांधी के सत्याग्रह संघटित करने का कारण था **— अकाल पड़ने के बावजूद प्रशासन ने भू-राजस्व की उगाही स्थगित नहीं की थी**

किसान आंदोलन एवं किसान सभा

✷ भारतवर्ष का सर्वप्रथम किसान आंदोलन था **– बिजौलिया आंदोलन**

✷ इंद्र नारायण द्विवेदी, गौरी शंकर मिश्र, जवाहरलाल नेहरू एवं मदन मोहन मालवीय में से फरवरी, 1918 में स्थापित यू.पी. किसान सभा की स्थापना से संबद्ध नहीं था **– जवाहरलाल नेहरू**

✷ 'नाई-धोबी बंद' सामाजिक बायकाट का एक स्वरूप था जो 1919 में **– किसानों द्वारा प्रतापगढ़ जिले में चलाया गया था**

✷ वह प्रदेश जहां बाबा रामचंद्र ने किसानों को संगठित किया **– अवध**

✷ 1930 के दशक में देश के विभिन्न भागों के भिन्न-भिन्न नेताओं द्वारा किसान आंदोलन चलाए गए थे। उनके प्रभाव क्षेत्रों से सही सुमेलित है–

सहजानंद सरस्वती	–	बिहार
खुदाई खिदमतगार	–	एन.डब्ल्यू. एफ.पी.
स्वामी रामानंद	–	हैदराबाद
अब्दुल हमीद खां	–	दक्षिणी असम

✷ 1930 के दशक में किसान सभा आंदोलन से सक्रिय रूप से जुड़े थे **– स्वामी सहजानंद**

✷ अवध के एका आंदोलन का उद्देश्य था **– लगान का नकद में परिवर्तन**

✷ अखिल भारतीय किसान सभा के प्रथम सत्र की अध्यक्षता की **– स्वामी सहजानंद सरस्वती ने**

✷ वह जगह, जहां अखिल भारतीय किसान सभा का पहला अधिवेशन हुआ था **– लखनऊ**

✷ अखिल भारतीय किसान सभा के संस्थापक अध्यक्ष थे **– स्वामी सहजानंद सरस्वती**

✷ स्वामी सहजानंद का संबंध था **– बिहार के किसान आंदोलनों के साथ**

✷ स्वामी सहजानंद सरस्वती ने 'भूमि और जलमार्ग के राष्ट्रीयकरण' की मांग के साथ अखिल भारतीय संयुक्त किसान सभा गठन किया **– उनकी मृत्यु से ठीक पहले**

✷ राजेंद्र प्रसाद, सी.आर.दास, मोतीलाल नेहरू तथा भगत सिंह में से बिहार में किसान आंदोलन के साथ जुड़े थे **– राजेंद्र प्रसाद**

✷ सही सुमेलित है–

सूची-I		सूची-II
बारदोली सत्याग्रह	–	सरदार वल्लभभाई पटेल
भारतीय किसान विद्यालय	–	एन.जी. रंगा
बंगाल प्रजा पार्टी	–	फजलुल हक
बाकाश्त संघर्ष	–	स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती

✷ बंगाल के तिभागा किसान आंदोलन की मांग थी **– ज़मींदारों की हिस्सेदारी को फसल के आधे भाग से कम करके एक-तिहाई करना**

✷ बारदोली सत्याग्रह (1928) का नेतृत्व किया **– सरदार वल्लभभाई पटेल ने**

✷ महात्मा गांधी ने वल्लभभाई पटेल को 'सरदार' की उपाधि उनकी बड़ी संगठन क्षमता के कारण जिस आंदोलन में दी थी **– बारदोली सत्याग्रह में**

✷ भूदान आंदोलन प्रारंभ किया **– विनोबा भावे ने**

✷ आचार्य विनोबा भावे के भूदान आंदोलन के प्रारंभ से संबद्ध स्थान था **– पोचमपल्ली**

✷ भूदान आंदोलन सर्वप्रथम प्रारंभ हुआ था **– आंध्र प्रदेश राज्य में**

ट्रेड यूनियन एवं साम्यवादी दल

✷ भारत में 1918 में प्रथम मजदूर संघ की स्थापना की **– वी.पी. वाडिया ने**

✷ अहमदाबाद टेक्सटाइल लेबर एसोसिएशन की स्थापना की **– महात्मा गांधी ने**

✷ अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस के 1920 में बंबई में हुए प्रथम अधिवेशन की अध्यक्षता की थी **– लाला लाजपत राय ने**

✷ 1929 में नागपुर में संपन्न 'ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस' की अध्यक्षता की थी **– जवाहरलाल नेहरू ने**

✷ कम्युनिस्ट इंटरनेशनल का सदस्य बनने वाला पहला भारतीय था **– एम. एन. राय**

✷ अक्टूबर, 1920 में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना के लिए ताशकंद में एकत्र हुए भारतीयों के समूह के मुखिया थे **– एम.एन. राय**

✷ कानपुर षड्यंत्र मुकदमा जिस आंदोलन के नेताओं के विरुद्ध था, वह था **– साम्यवादी आंदोलन**

✷ ट्रेड यूनियन आंदोलन के क्रांतिकारी चरण का समय था **– 1926-39**

✷ 1940 में रेडिकल डेमोक्रेटिक पार्टी का गठन किया– **एम.एन. रॉय ने**

✷ सौम्येंद्रनाथ टैगोर द्वारा स्थापित दल का नाम है **– क्रांतिकारी साम्यवादी दल**

रौलेट एक्ट और जलियांवाला बाग हत्याकांड (1919)

✷ भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, रौलेट एक्ट ने जिस कारण से सार्वजनिक रोष उत्पन्न किया, वह है **– इसने लोगों को बिना मुकदमा चलाए जेल भेजने के लिए अधिकृत किया**

✷ रौलेट एक्ट लाने का प्रयोजन था
– राष्ट्रीय एवं क्रांतिकारी गतिविधियों पर रोक लगाना

✷ रौलेट एक्ट भारत में लागू किया गया था **– वर्ष 1919 में**

✷ रौलेट एक्ट का लक्ष्य था
– बिना मुकदमा चलाए बंदी बनाना और मुकदमों की सुनवाई संक्षिप्त प्रक्रिया द्वारा

✷ रौलेट सत्याग्रह के संदर्भ में सही कथन हैं-
– रौलेट अधिनियम, 'सेडिशन कमेटी' की सिफारिश पर आधारित था; रौलेट सत्याग्रह में, गांधीजी ने होमरूल लीग का उपयोग करने का प्रयास किया।

✷ जब रौलेट एक्ट पारित हुआ था, उस समय भारत का वायसराय था
– लॉर्ड चेम्सफोर्ड

✷ रौलेट एक्ट का भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने विरोध किया, क्योंकि इसका लक्ष्य था **– वैयक्तिक स्वतंत्रता को सीमित करना**

✷ अखिल भारतीय राजनीति में गांधी का पहला साहसिक कदम था
– रौलेट सत्याग्रह

✷ रौलेट एक्ट के विरोध में लगान न देने का आंदोलन चलाने का सुझाव दिया था **– स्वामी श्रद्धानंद ने**

✷ द अनार्किकल एंड रिवोल्यूशनरी क्राइम एक्ट, 1919 को सामान्य बोलचाल में कहा जाता था **– रौलेट एक्ट**

✷ वह महत्वपूर्ण घटना जो जलियांवाला बाग नरसंहार के तुरंत पूर्व घटी थी **– रौलेट एक्ट का बनना**

✷ जलियांवाला बाग हत्याकांड हुआ **– 13 अप्रैल, 1919 को**

✷ जलियांवाला बाग कत्लेआम हुआ **– अमृतसर में**

✷ काफी संख्या में लोग अमृतसर के जलियांवाला बाग में 13 अप्रैल, 1919 को एकत्रित हुए थे
– डॉ. सैफुद्दीन किचलू और डॉ. सत्यपाल की गिरफ्तारी के विरोध में

✷ 30 मई, 1919 को अपना अलंकरण (Honour) भारत सरकार को लौटाने वाले व्यक्ति थे **– रवींद्रनाथ टैगोर**

✷ वह जिसके विरोध में रवींद्रनाथ टैगोर ने अपनी 'नाइटहुड' का परित्याग कर दिया था **– जलियांवाला बाग जनसंहार के**

✷ जलियांवाला बाग हत्याकांड के विरोध में वायसराय की कार्यकारिणी परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया **– शंकरन नायर ने**

✷ जलियांवाला बाग नरसंहार, डॉ. सत्यपाल का बंदी बनाया जाना तथा वर्ष 1919 का अमृतसर कांग्रेस का अधिवेशन घटनाओं का सही क्रम है
– डॉ. सत्यपाल का बंदी बनाया जाना, जलियांवाला बाग नरसंहार, 1919 का अमृतसर कांग्रेस का अधिवेशन

✷ हंटर आयोग की नियुक्ति की गई थी
– जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद

✷ जनरल डायर का नाम जुड़ा हुआ है
– जलियांवाला बाग की घटना से

✷ जलियांवाला बाग हत्याकांड के लिए जिम्मेदार ओ' डायर को मार डाला था **– ऊधम सिंह ने**

✷ जलियांवाला बाग नरसंहार पर कांग्रेस जांच समिति की रिपोर्ट के प्रारूप लिखने का कार्य सौंपा गया था **– महात्मा गांधी को**

✷ वर्ष 1919 में जघन्य जलियांवाला बाग कांड के समय भारत का वायसराय था **– लॉर्ड चेम्सफोर्ड**

✷ वह घटना जिसे मांटेग्यू ने 'निवारक हत्या' के नाम से विशेषीकृत किया है **– जलियांवाला बाग का नरसंहार**

✷ वह एक्ट जिसके कारण सार्वजनिक रोष की लहर उभरी फलस्वरूप जलियांवाला बाग में ब्रिटिश द्वारा जनसंहार की घटना घटी
– दि रौलेट एक्ट

खिलाफत आंदोलन

✷ खिलाफत आंदोलन का प्रारंभ किया था
– शौकत अली ,मुहम्मद अली ने

✷ 'खिलाफत आंदोलन' के प्रमुख नेताओं में से थे
– मौलाना मोहम्मद अली और शौकत अली

✷ खिलाफत आंदोलन के मुख्य उद्देश्य थे
– भारत के मुसलमानों में ब्रिटिश विरोधी भावना उत्पन्न करना, ऑटोमन साम्राज्य की रक्षा और खिलाफत का रक्षण

✷ वर्ष 1919 में अखिल भारतीय खिलाफत सम्मेलन का अध्यक्ष चुना गया
– महात्मा गांधी को

✷ महात्मा गांधी ने खिलाफत आंदोलन का समर्थन किया
– गांधीजी ने अंग्रेजों के खिलाफ अपने आंदोलन में भारतीय मुसलमानों का सहयोग प्राप्त करना चाहा था

✷ वह जिसने खिलाफत आंदोलन को 'हिंदुओं और मुसलमानों की एकता के एक ऐसे अवसर' के रूप में देखा जो सौ वर्षों में भी पुनः प्रस्तुत नहीं होगा **– महात्मा गांधी ने**

✷ खिलाफत आंदोलन के दौरान हाज़िक्-उल-मुल्क की पदवी त्याग दी थी
– हकीम अजमल खां ने

✷ वह जिसने गांधीजी को सावधान किया था कि मुस्लिम धार्मिक नेताओं और उनके अनुयायियों के कट्टरपन को प्रोत्साहित न करें
– मुहम्मद अली जिन्ना ने

✷ मुहम्मद अली, शौकत अली, अबुल कलाम आजाद तथा एम. ए. जिन्ना में से महात्मा गांधी की खिलाफत आंदोलन में भागीदारी की भर्त्सना की थी **– एम.ए. जिन्ना ने**

✷ खिलाफत आंदोलन का परिणाम था
– हिंदू-मुस्लिम मतभेदों में कमी आई

✷ वह व्यक्ति जिसने 4 अप्रैल, 1919 को दिल्ली की जामा मस्जिद के प्रवचन मंच से हिंदू-मुस्लिम एकता पर भाषण दिया
– स्वामी श्रद्धानंद

* कांग्रेस ने खिलाफत आंदोलन का समर्थन किया, मुख्यत:
 — खलीफा की पुन:स्थापना के लिए, मुसलमानों की सहानुभूति प्राप्त करने के लिए
* जवाहरलाल नेहरू, मदन मोहन मालवीय, मोहम्मद अली तथा स्वामी श्रद्धानंद में से खिलाफत आंदोलन का समर्थन नहीं किया था— **मदन मोहन मालवीय ने**
* वर्ष 1920 की खिलाफत कमेटी की सभा, जिसने गांधी को असहयोग आंदोलन के नेतृत्व को संभालने का अनुरोध किया था वह हुई थी
 — इलाहाबाद में
* ''इस मिसाल में हम मुसलमानों को हिंदुओं से भिड़ा नहीं पाए।'' एचिंसन के इस कथन का संबंध है जिस घटना से है, वह है
 — खिलाफत और असहयोग आंदोलन (1919-22)
* वर्ष 1921 का मोपला आंदोलन शाखा थी **— खिलाफत आंदोलन की**

असहयोग आंदोलन

* वर्ष 1920 के नागपुर के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में असहयोग के प्रस्ताव को प्रस्तावित किया था **—सी.आर. दास ने**
* भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पहला असहयोग आंदोलन शुरू किया था
 — 1920 ई. में
* महात्मा गांधी द्वारा चलाया गया प्रथम जन आंदोलन था
 — असहयोग आंदोलन
* 'एक वर्ष में स्वराज' का नारा गांधीजी ने दिया
 — असहयोग आंदोलन के समय
* असहयोग आंदोलन के संबंध में सही है
 — इस आंदोलन की अवधि वर्ष 1920 से 1922 तक थी; एक वर्ष के भीतर स्वराज की प्राप्ति इसका लक्ष्य था; इसमें बहिष्कार की योजना थी।
* असहयोग आंदोलन से-
 — कांग्रेस सर्वप्रथम जन-आंदोलन बनी, हिंदू-मुस्लिम एकता में वृद्धि हुई, जनता के मन से ब्रिटिश 'शक्ति' का भय हट गया
* ब्रिटिश सरकार ने महात्मा गांधी को जो उपाधि दी थी और जिसे उन्होंने असहयोग आंदोलन में वापस कर दिया, वह थी **— कैसर-ए-हिंद**
* महात्मा गांधी, मदन मोहन मालवीय, तेज बहादुर सप्रू, तथा चितरंजन दास में से असहयोग आंदोलन के दौरान अपनी वकालत छोड़ दी थी
 — चितरंजन दास ने
* बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय, मोतीलाल नेहरू तथा चितरंजन दास में से वह नेता जिसने असहयोग आंदोलन को समर्थन दिया, परंतु इसके परिणाम नहीं देख सके **— बाल गंगाधर तिलक**
* राहुल सांकृत्यायन 1920 के असहयोग आंदोलन में सक्रिय थे
 — छपरा में
* चौरी-चौरा कांड की वास्तविक तिथि है **— फरवरी 5, 1922**
* चौरी-चौरा स्थित है **— गोरखपुर जनपद में**
* गांधीजी ने असहयोग आंदोलन (Non-Cooperation Movement) वापस लिया था **— चौरी-चौरा कांड के कारण**
* महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन को अपनी 'हिमालय जैसी भूल' बताई थी **— चौरी-चौरा घटना के बाद**
* चौरी-चौरा की घटना के समय महात्मा गांधी थे **— बारदोली में**
* असहयोग आंदोलन 1920 में प्रारंभ हुआ था। यह समाप्त हुआ
 — 1922 में
* दिल्ली में 24 फरवरी, 1922 को आयोजित अखिल भारतीय कांग्रेस समिति की बैठक में असहयोग आंदोलन वापस लेने के लिए गांधीजी के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव प्रस्तुत किया था **— डॉ. मुंजे ने**
* असहयोग आंदोलन के स्थगन-संबंधी घटनाओं का सही क्रम है।
 — चौरी-चौरा में पुलिस गोलीकांड,उग्र भीड़ द्वारा पुलिस थाना को जलाना,गांधीजी द्वारा आंदोलन का स्थगन,गांधीजी की गिरफ्तारी
* घटनाओं का सही क्रम है-
 — चौरी-चौरा कांड-बारदोली प्रस्ताव-असहयोग आंदोलन का स्थगन
* 1923-28 के काल में भारतीय राजनीति में क्रांतिकारी कार्यविधियों की पुनरावृत्ति (Revial) का कारण था
 — गांधीजी द्वारा असहयोग आंदोलन का स्थगन
* वह जिसने असहयोग आंदोलन के दौरान विदेशी वस्त्रों के जलाए जाने पर महात्मा गांधी को लिखा कि 'यह निष्ठुर बर्बादी' है
 — रवींद्रनाथ टैगोर ने
* काशी विद्यापीठ , गुजरात विद्यापीठ, जामिया मिलिया तथा काशी हिंदू विश्वविद्यालय संस्थाओं में से असहयोग आंदोलन (1920-22) के दौरान स्थापित की गई
 — काशी विद्यापीठ, गुजरात विद्यापीठ, जामिया मिलिया
* 1921-22 के असहयोग आंदोलन का मुख्य प्रतिफल था
 — हिंदू-मुस्लिम एकता
* सही सुमेलित है—
 1885—भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना
 1905—बंगाल विभाजन
 1909—मार्ले-मिंटो सुधार
 1930—सविनय अवज्ञा आंदोलन
* सही सुमेलित है—

31 दिसंबर, 1929	-	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन
23 मार्च, 1931	-	भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी
1 अगस्त, 1920	-	असहयोग आंदोलन का आरंभ
अप्रैल, 1919	-	रौलेट सत्याग्रह

✷ **कथन (A) :** महात्मा गांधी द्वारा 1922 में असहयोग आंदोलन स्थगित कर दिया गया।
कारण (R) : इस स्थगन का सी.आर. दास एवं मोतीलाल नेहरू द्वारा विरोध किया गया।
– (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

स्वराज पार्टी का गठन (1923)

✷ भारत में स्वराज पार्टी की स्थापना जिन कारणों से की गई थी, वह हैं
– गांधीजी द्वारा असहयोग आंदोलन वापस लेना, काउंसिलों में प्रवेश कर तथा उन्हें काम न करने देकर 1919 के भारत शासन अधिनियम का उच्छेदन करना

✷ स्वराज पार्टी का निर्माण करने के लिए कांग्रेस के अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दिया था **– सी.आर. दास ने**

✷ स्वराज पार्टी का गठन.........की असफलता के बाद हुआ। **– असहयोग आंदोलन**

✷ मोतीलाल नेहरू और सी.आर. दास द्वारा वर्ष 1923 में गठित पार्टी का नाम था **– स्वराज पार्टी**

✷ मोतीलाल नेहरू स्वराज दल के नेता थे। श्रीनिवास आयंगर, चितरंजन दास, विट्ठलभाई पटेल तथा सी. राजगोपालाचारी में से दल में नहीं था **– सी. राजगोपालाचारी**

✷ मोतीलाल नेहरू, सी.आर. दास, एन.सी केलकर तथा राजेंद्र प्रसाद में से एक स्वराज पार्टी से संबंधित नहीं थे **– राजेंद्र प्रसाद**

✷ 'देशबंधु' के नाम से प्रसिद्ध हैं **– चितरंजन दास**

✷ स्वराज आम जनता के लिए होना चाहिए केवल वर्गों के लिए नहीं, के प्रसिद्ध सूत्र की घोषणा की **– सी.आर. दास ने**

✷ कांग्रेसी नेताओं द्वारा मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड रिपोर्ट की निंदा करने पर कई नरमपंथियों ने पार्टी को छोड़कर गठन किया **– इंडियन लिबरल फेडरेशन पार्टी का**

✷ 16 दिसंबर, 1922 को इंडिपेंडेट पार्टी बनाने का निर्णय लिया था **– मदन मोहन मालवीय तथा मोतीलाल नेहरू ने**

✷ 'सेंट्रल लेजिस्लेटिव एसेंबली' का प्रथम भारतीय अध्यक्ष (स्पीकर) था **– विट्ठलभाई जे. पटेल**

✷ वे राष्ट्रीय नेता जो 1925 में सेंट्रल लेजिस्लेटिव एसेंबली के अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे **– विट्ठलभाई पटेल**

साइमन कमीशन (1927)

✷ साइमन कमीशन भारत आया **– 1928 में**

✷ साइमन कमीशन के आने के विरुद्ध भारतीय जन-आंदोलन हुआ क्योंकि **– साइमन कमीशन में कोई भी भारतीय सदस्य नहीं था**

✷ साइमन आयोग नियुक्त किया गया था **– 1927 में**

✷ 1928 में साइमन कमीशन भारत में जिस उद्देश्य से आया **– प्रशासनिक सुधार पर विचार के लिए**

✷ साइमन कमीशन का वह सदस्य जो उदारवादी दल का था **– सर जॉन साइमन**

✷ जिसके सुझावों पर भारतीयों को साइमन कमीशन से बाहर रखा गया **– लॉर्ड इरविन के**

✷ **कथन (A) :** कांग्रेस ने साइमन आयोग का बहिष्कार किया था।
कारण (R) : साइमन आयोग में एक भी सदस्य भारतीय नहीं था।
– (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), सही व्याख्या है (A)की।

✷ साइमन कमीशन के संबंध में सही है
– उसकी नियुक्ति 1919 एक्ट के क्रियान्वयन की पूछताछ के लिए की गई थी, उसके अध्यक्ष सर जॉन साइमन थे, उसने संघीय प्रकार की सरकार के लिए संस्तुति की थी, भारतीय नेताओं ने उसका विरोध किया था।

✷ साइमन कमीशन की सिफारिशों के संदर्भ में सही है
– इसने प्रांतों में द्वैधशासन को उत्तरदायी सरकार द्वारा प्रतिस्थापित करने की संस्तुति की

✷ लाला लाजपत राय घायल हुए थे **– साइमन कमीशन के विरोध में हुए लाठी चार्ज में**

✷ 'पंजाब केसरी' की उपाधि दी गई थी **– लाला लाजपत राय को**

✷ **अभिकथन (A) :** 1928 में लाहौर में लाला लाजपत राय के नेतृत्व में साइमन कमीशन का विरोध आयोजित किया गया था।
कारण (R) : साइमन कमीशन में एक भी भारतीय सदस्य शामिल नहीं था।
– (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (A) की सही व्याख्या (R) करता है।

✷ 'नेहरू रिपोर्ट' तैयार की थी **– एम.एल. नेहरू ने**

✷ राजगोपालाचारी और सरदार पटेल, पं. मोतीलाल नेहरू और गोविंद बल्लभपंत, सर तेज बहादुर सप्रू और जयकर तथा जवाहरलाल नेहरू और जगजीवनराम में से सर्वप्रथम भारत के लिए औपनिवेशिक स्वराज्य की मांग की थी **– सर तेज बहादुर सप्रू और जयकर ने**

✷ भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के काल के संदर्भ में नेहरू रिपोर्ट में अनुशंसा की गई थी
– अल्पसंख्यकों हेतु आरक्षित स्थानों के लिए संयुक्त निर्वाचन क्षेत्र; संविधान में भारतीयों के लिए मौलिक अधिकारों का प्रावधान

✷ वर्ष 1928 में 'इंडिपेंडेंस फॉर इंडिया लीग' के गठन से संबद्ध थे **– जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस**

* नेहरू रिपोर्ट .... की अध्यक्षता में एक कमेटी द्वारा तैयार किया गया था और इसका विषय था........।
— मोतीलाल नेहरू; भारत में संवैधानिक व्यवस्थाएं
* मुस्लिम लीग के जिस अधिवेशन में एम.ए. जिन्ना ने अपना 14 सूत्रीय प्रस्ताव रखा था
— 1929 दिल्ली में मुस्लिम लीग के अधिवेशन में
* कांग्रेस दल की उग्र शाखा ने, जिसके एक प्रमुख नेता जवाहरलाल नेहरू थे, 'इंडिपेंडेंस फॉर इंडिया लीग' की स्थापना की। वह लीग स्थापित हुई थी **— नेहरू रिपोर्ट के विरोध में**

कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन, पूर्ण स्वराज प्रस्ताव (1929)

* भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, प्रस्तावित किया कि स्वराज को सभी प्रकार के विदेशी नियंत्रण से मुक्त संपूर्ण स्वतंत्रता के रूप में परिभाषित किया जाए **— मौलाना हसरत मोहानी ने**
* 1921 के अहमदाबाद अधिवेशन में संपूर्ण स्वराज को कांग्रेस का लक्ष्य मानने का प्रस्ताव रखा **— हसरत मोहानी ने**
* कांग्रेस ने पहली बार भारत की स्वतंत्रता का प्रस्ताव पारित किया था
— 1929 में
* 'पूर्ण स्वराज' का प्रस्ताव लाहौर कांग्रेस में पारित किया गया
— वर्ष 1929 में
* भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का वह अधिवेशन जिसमें ''पूर्ण स्वराज'' का प्रस्ताव पारित हुआ था, की अध्यक्षता की थी
— जवाहरलाल नेहरू ने
* कांग्रेस के 1929 के लाहौर अधिवेशन में कांग्रेस का लक्ष्य 'पूर्ण स्वराज' घोषित किया **— जवाहरलाल नेहरू ने**
* 31 दिसंबर, 1929 को अर्द्धरात्रि में भारतीय राष्ट्रध्वज को फहराया था
— जवाहरलाल नेहरू ने
* स्वतंत्रता का नव-ग्रहीत तिरंगा पहली बार लहराया गया
— 31 दिसंबर, 1929
* भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का वह अधिवेशन जिसकी अध्यक्षता जवाहरलाल नेहरू ने सर्वप्रथम की थी **— लाहौर अधिवेशन, 1929**
* भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन (1929) इतिहास में इसलिए बहुत प्रसिद्ध है, क्योंकि
— कांग्रेस ने पूर्ण स्वराज की मांग का एक संकल्प पारित किया
* 1929 में कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में पारित संकल्प में शामिल था
— भारत की विदेश नीति की घोषणा; पूर्ण स्वराज्य के लक्ष्य की घोषणा; सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ करने की तैयारी
* पूर्ण स्वराज संकल्प को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में प्रस्तुत किया था **— जे.एल. नेहरू ने**

सविनय अवज्ञा आंदोलन

* कार्यकारी कमेटी को सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ करने का अधिकार दिया गया था **— लाहौर सत्र में**
* गांधीजी ने 'दांडी मार्च' प्रारंभ किया था **— 12 मार्च, 1930 को**
* गांधीजी ने दांडी यात्रा प्रारंभ की थी **— साबरमती से**
* वह प्रांत जिसके सत्याग्रहियों की संख्या महात्मा गांधी के दांडी कूच में सर्वाधिक थी **— गुजरात**
* असहयोग आंदोलन, नमक सत्याग्रह, बारदोली कूच तथा भारत छोड़ो आंदोलन में से महिलाओं की भागीदारी सर्वाधिक मानी जाती है
— नमक सत्याग्रह में
* दांडी मार्च शुरू किया गया था **— नमक कानून तोड़ने हेतु**
* दांडी मार्च, भारत छोड़ो आंदोलन, साइमन कमीशन का आगमन तथा गांधी-इरविन समझौता में से सबसे पहले घटित घटना
— साइमन कमीशन का आगमन
* **कथन (A) :** महात्मा गांधी द्वारा नमक आंदोलन वर्ष 1930 में चलाया गया था।
कारण (R) : महात्मा गांधी का उद्देश्य था कि गरीबों को नमक मुफ्त उपलब्ध हो।
— (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
* ''शक्ति के विरुद्ध अधिकार की इस लड़ाई में मैं विश्व की सहानुभूति चाहता हूं।'' यह कथन संबद्ध है **— गांधी की दांडी यात्रा से**
* महात्मा गांधी की दांडी यात्रा के विषय में सत्य है
— यह पूर्णतः एक पैदल यात्रा थी; साबरमती आश्रम से आरंभ होकर इसका समापन दांडी में हुआ था; साबरमती आश्रम से शुरू समूची यात्रा 24 दिनों में पूरी हुई थी।
* नमक सत्याग्रह के समय गांधीजी के गिरफ्तार हो जाने के बाद आंदोलन के नेता के रूप में उनका स्थान लिया **— अब्बास तैयबजी ने**
* महात्मा गांधी धरसना नमक गोदाम पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के धावे के समय थे **— यरवदा जेल में**
* वह आंदोलन जिसमें भाग लेने के लिए आचार्य विनोबा भावे प्रथम बार गिरफ्तार हुए थे **— सविनय अवज्ञा आंदोलन**
* गांधीजी ने जिस विदेशी पत्रकार को दांडी मार्च के समय अपने साबरमती आश्रम में ठहराया, वह था **— वेब मिलर**
* अप्रैल, 1930 में नमक कानून तोड़ने के लिए तंजौर तट पर एक अभियान संगठित किया था **— सी. राजगोपालाचारी ने**
* भारतीय स्वाधीनता संघर्ष के दौरान रेड शर्ट्स के नाम से भी पहचाने जाने वाले खुदाई खिदमतगारों ने आह्वान किया
— पठान क्षेत्रीय राष्ट्रवादी एकता का और उपनिवेशवाद के विरुद्ध संघर्ष का

✷ लाल कुर्ती दल संगठित किया गया था
— अंग्रेजों को निकालने के लिए

✷ गढ़वाल रेजीमेंट के सैनिकों ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने से इंकार कर दिया था **— सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान**

✷ 'लाल कुर्ती' आंदोलन के नेता थे **— खान अब्दुल गफ्फार खां**

✷ सन् 1930 में अंग्रेज सरकार के विरुद्ध, प्रसिद्ध 'पेशावर कांड' का नायक था **— वीर चंद्रसिंह गढ़वाली**

✷ जियातरंग आंदोलन प्रारंभ हुआ **— मणिपुर में**

✷ बेगूसराय के चौकीदारी टैक्स के विरुद्ध आंदोलन, एक हिस्सा था
— सविनय अवज्ञा आंदोलन का

✷ सविनय अवज्ञा आंदोलन (Civil Disobedience Movement) की असफलता के बाद गांधीजी ने महत्व दिया
— रचनात्मक कार्यक्रम को

✷ प्रभावती देवी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थीं **— पटना की**

गांधी-इरविन समझौता

✷ गांधी-इरविन समझौता हुआ मुख्य रूप से
— गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस की भागीदारी सहज करने के लिए

✷ 5 मार्च, 1931 को हुआ समझौता **— इरविन-गांधी समझौता**

✷ वह आन्दोलन जिसका स्थगन गांधी-इरविन समझौते में किया जाना प्रस्तावित था **— सविनय अवज्ञा आंदोलन का**

✷ गांधी-इरविन समझौते के हस्ताक्षरित होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई
— तेज बहादुर सप्रू ने

✷ इरविन तथा गांधी को 'दो महात्मा' कहा था **— सरोजिनी नायडू ने**

✷ गांधी-इरविन समझौते में महात्मा गांधी के लाभ को 'सांत्वना पुरस्कार' कहा था **— एलन कैम्पबेल जॉनसन ने**

कांग्रेस का कराची अधिवेशन (1931)

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची अधिवेशन का सभापतित्व किया था
— वल्लभभाई पटेल ने

✷ 1931 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची अधिवेशन के लिए, जिसकी अध्यक्षता सरदार पटेल कर रहे थे, मूल अधिकारों तथा आर्थिक कार्यक्रम पर संकल्प प्रारूपित किया था
— पंडित जवाहरलाल नेहरू ने

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची अधिवेशन (1931) को 'महात्मा गांधी की लोकप्रियता और सम्मान की पराकाष्ठा' माना
— एस.सी. बोस ने

✷ भारतीय स्वाधीनता संघर्ष से संबंधित घटनाओं का सही क्रम है
— गांधी-इरविन समझौता-भगत सिंह को फांसी-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का कराची अधिवेशन-द्वितीय गोलमेज सम्मेलन

✷ भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन से संबंधित घटनाओं का सही क्रम है-
— गांधी-इरविन समझौता-राजगुरु को फांसी-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का कराची अधिवेशन

✷ भारतीय स्वाधीनता संग्राम से संबंधित घटनाओं का सही क्रम है-
— गांधी-इरविन समझौता-भगत सिंह को फांसी-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का कराची अधिवेशन-पूना समझौता

गोलमेज सम्मेलन

✷ मौलाना मुहम्मद अली, मौलाना अबुल कलाम आजाद, महात्मा गांधी तथा पं. जवाहरलाल नेहरू में से वह भारतीय नेता जिसने लंदन में प्रथम गोलमेज कॉन्फ्रेंस में भाग लिया था **— मौलाना मुहम्मद अली**

✷ प्रथम गोलमेज सम्मेलन के बारे में सही है
— यह 1930 में आयोजित हुई थी; इसे साइमन आयोग की रिपोर्ट पर चर्चा करनी थी; इसका आयोजन लंदन में हुआ था।

✷ लंदन में संपन्न हुए गोलमेज सम्मेलन में भारतीय ईसाइयों का प्रतिनिधित्व किया था **— के.टी. पाल ने**

✷ द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया
— महात्मा गांधी, सरोजिनी नायडू, मदन मोहन मालवीय ने

✷ द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व किया
— महात्मा गांधी ने

✷ **कथन (A) :** जवाहरलाल नेहरू ने दूसरे गोलमेज सम्मेलन (1932) में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रतिनिधित्व किया था।
कारण (R) : गांधी-इरविन समझौते (1931) में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का दूसरे गोलमेज सम्मेलन (1931) में भाग लेना अंतर्निहित था।
— (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

✷ महात्मा गांधी, जब द्वितीय गोलमेज सभा में भाग लेने लंदन गए थे, ठहरे थे **— किंग्सले हाल में**

✷ द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस के एक प्रतिनिधि के रूप में भाग लेने के लिए महात्मा गांधी बंबई से लंदन जिस पानी के जहाज में गये थे, उसका नाम था **— एस.एस. राजपूताना**

✷ महात्मा गांधी दिसंबर, 1931 में खाली हाथ भारत लौटे थे
— लंदन से

✷ द्वितीय गोलमेज सम्मेलन जिस प्रश्न पर असफल रहा, वह था
— सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व

✷ उस भारतीय का नाम जिसने तीनों गोलमेज सम्मेलनों में भाग लिया था
— बी.आर. अम्बेडकर

✱ 1930-32 की अवधि में भारत और ब्रिटेन के राजनेताओं की लंदन में हुई बैठकों का प्रायः प्रथम, द्वितीय और तृतीय गोलमेज सम्मेलन के रूप में उल्लेख किया जाता है। उनका उसी रूप में उल्लेख गलत होगा, क्योंकि **– ये तीन अलग-अलग सम्मेलन नहीं थे, अपितु यह एक ही सम्मेलन की अवस्था थी जो तीन सत्रों में संपन्न हुई थी**

✱ गोलमेज सम्मेलन जो 1932 में हुआ था **– तीसरा**

✱ सही कथन है-

– प्रथम गोलमेज सम्मेलन में डॉ. अम्बेडकर ने दलित वर्ग के लिए अलग निर्वाचक मंडल की मांग रखी; पूना पैक्ट में स्थानीय निकायों तथा सिविल सेवाओं में दलित वर्गों के प्रतिनिधित्व के लिए विशेष उपबंध रखे गए थे; तृतीय गोलमेज सम्मेलन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भाग नहीं लिया था।

सांप्रदायिक पंचाट एवं पूना पैक्ट (1932)

✱ 'सांप्रदायिक अधिनिर्णय' घोषित किया **– रैम्जे मैक्डोनॉल्ड ने**

✱ अगस्त, 1932 के रैम्जे मैक्डोनॉल्ड के सांप्रदायिक पंचाट के द्वारा पहली बार एक पृथक निर्वाचक समूह बनाया गया **– अछूतों के लिए**

✱ मैक्डोनॉल्ड के सांप्रदायिक पंचाट (Communal Award) ने पृथक चुनाव क्षेत्र एवं आरक्षित सीटें आवंटित की थीं

– मुसलमानों, सिक्खों तथा अनुसूचित जातियों को

✱ महात्मा गांधी ने पहला आमरण अनशन प्रारंभ किया था

– कम्युनल अवॉर्ड के समय

✱ 1932 में महात्मा गांधी ने मरणपर्यंत उपवास प्रधानतया इसलिए किया कि

– रैम्ज़े मैक्डोनाल्ड ने सांप्रदायिक अधिनिर्णय (कम्युनल अवॉर्ड) की घोषणा की

✱ सांप्रदायिक अवॉर्ड एवं पूना पैक्ट में दलित वर्ग के लिए सीटें दी गईं

– क्रमशः 71 व 147

✱ पूना समझौते का उद्देश्य था **– दलित वर्ग को प्रतिनिधित्व देना**

✱ **कथन (A) :** पूना पैक्ट ने कम्युनल अवॉर्ड के उद्देश्य को धराशायी कर दिया।

कारण (R) : उसके माध्यम से संसद एवं विधान सभाओं में अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों के सीट आरक्षण का मार्ग प्रशस्त हो गया।

– (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

✱ श्री बी.आर. अम्बेडकर व गांधीजी के बीच एक समझौता हुआ था जो कहलाता है **– पूना समझौता**

✱ पूना पैक्ट पर हस्ताक्षर किए थे

– सांप्रदायिक अधिनिर्णय के विरुद्ध गांधीजी के आमरण अनशन के बाद पूना समझौता 24 सितंबर, 1932 को हस्ताक्षरित हुआ। इस समझौते पर गांधीजी के समर्थकों एवं अम्बेडकर ने हस्ताक्षर किए थे। गांधीजी ने इस पर हस्ताक्षर नहीं किए थे।

✱ 'सांप्रदायिक अधिनिर्णय' की घोषणा के पश्चात संपादित किया गया

– पूना समझौता

✱ बी.आर. अम्बेडकर, मदन मोहन मालवीय, सी. राजगोपालाचारी तथा एम.के. गांधी में से 1932 के ऐतिहासिक पूना समझौते पर हस्ताक्षर किए थे

– बी.आर. अम्बेडकर, मदन मोहन मालवीय, सी. राजगोपालाचारी

✱ 1932 में पूना पैक्ट के बाद हरिजन सेवक संघ की स्थापना हुई। इसके अध्यक्ष थे **– घनश्याम दास बिड़ला**

✱ ऑल इंडिया अनटचैबिलिटी लीग, बाद में जिसका नाम बदलकर 'हरिजन सेवक संघ' हुआ, इसके प्रथम अध्यक्ष थे **– जी.डी. बिड़ला**

✱ अखिल भारतीय हरिजन संघ की स्थापना की थी

– महात्मा गांधी ने

✱ 'दलित वर्गों का संघ' स्थापित किया गया था

– डॉ. बी.आर. अम्बेडकर द्वारा

✱ ''महात्मा गांधी क्षणिक भूत की भांति धूल उठाते हैं लेकिन स्तर नहीं।'' कहा था **– डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने**

कांग्रेस समाजवादी पार्टी (1934)

✱ कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की पहली बैठक पटना में हुई

– वर्ष 1934 में

✱ एम.एन. राय, गणेश शंकर विद्यार्थी, पट्टमताणु पिल्लै तथा आचार्य नरेंद्र देव में से कांग्रेस समाजवादी दल का प्रमुख नेता था

– आचार्य नरेंद्र देव

✱ वर्ष 1934 में पटना में अखिल भारतीय कांग्रेस समाजवादी पार्टी का संयोजक था **– जयप्रकाश नारायण**

✱ वर्ष 1934 में कांग्रेस समाजवादी पार्टी का गठन किया गया था

– जयप्रकाश नारायण एवं आचार्य नरेंद्र देव द्वारा

✱ बिहार सोशलिस्ट पार्टी के संस्थापक थे **– जयप्रकाश नारायण**

✱ 'लोकनायक' के नाम से जाना जाता है **– जयप्रकाश नारायण को**

✱ जयप्रकाश दिवस मनाया गया **– अप्रैल, 1946 में**

✱ श्री नरसिंह नारायण थे **– समाजवादी**

✱ सही कथन हैं-

– 1936 में हस्ताक्षरित ''बंबई मेनिफेस्टो'' प्रत्यक्ष रूप से समाजवादी आदर्शों के प्रतिपादन का विरोधी था, इसको समस्त भारत से वृहत व्यापारिक समुदाय का सहयोग मिला था।

प्रांतीय चुनाव और मंत्रिमंडल का गठन (1937)

✷ 1937 में संपन्न विधानसभा चुनावों में इंडियन नेशनल कांग्रेस को पूर्ण बहुमत नहीं मिला था — **पंजाब में**

✷ प्रांतीय सरकारों का गठन किया गया था — **1935 के अधिनियम के तहत**

✷ 1935 के अधिनियम के तहत कराए गए विधानसभा चुनावों में मद्रास,बिहार, उड़ीसा एवं बंगाल राज्य में कांग्रेस ने पूर्ण बहुमत नहीं प्राप्त किया — **बंगाल में**

✷ बंबई, असम, उड़ीसा तथा बिहार में से वह प्रांत जहां 1937 के आम निर्वाचन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को पूर्ण बहुमत नहीं प्राप्त हुआ था — **असम में**

✷ 1937 के चुनावों में कांग्रेस द्वारा बहुमत प्राप्त प्रांतों की संख्या है — **पांच**

✷ 1937 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का मंत्रिमंडल बना — **मध्य प्रांत, उड़ीसा में**

✷ वह प्रांत जहां 1937 के आम चुनाव के बाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपनी सरकार बनाई — **बिहार, मद्रास, उड़ीसा**

✷ बिहार, मद्रास, उड़ीसा एवं पंजाब में से वह प्रदेश जिसमें 1935 के अधिनियम के अंतर्गत कांग्रेस की मंत्रिपरिषद का गठन नहीं हुआ था — **पंजाब**

✷ वर्ष 1937 के चुनावों में कांग्रेस का मंत्रिमंडल बना था — **6 प्रांतों में**

✷ 1935 के अधिनियम के उपरांत, 1937 में हुए चुनावों में गठित कांग्रेस मंत्रिमंडलों का कार्यकाल था — **28 माह**

✷ मुस्लिम लीग ने 'मुक्ति दिवस' मनाया था — **1939 में**

✷ कांग्रेस ने भूस्वामित्व को समाप्त करने की नीति अपनाई — **कार्यकारिणी कमेटी, 1937 में**

✷ 1937 के चुनाव के पश्चात यू.पी. में गठित मंत्रिमंडल में वित्त विभाग सौंपा गया था — **रफी अहमद किदवई को**

✷ कांग्रेस प्रशासित प्रदेशों में मुस्लिमों की शिकायतों से संबंधित रिपोर्टों का सही कालानुक्रम है- — **पीरपुर रिपोर्ट-शरीफ रिपोर्ट-मुस्लिम सफरिंग्स अंडर कांग्रेस रूल**

कांग्रेस का त्रिपुरी संकट (1939)

✷ 1938 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष निर्वाचित हुए — **सुभाष चंद्र बोस**

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के हरिपुरा अधिवेशन की अध्यक्षता की थी — **एस.सी. बोस ने**

✷ 'हरिपुरा' जहां भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन 1938 में सुभाष चंद्र बोस की अध्यक्षता में हुआ था, वह स्थित है — **गुजरात में**

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के त्रिपुरी सम्मेलन में वर्ष 1939 में सुभाष चंद्र बोस को कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया था। यह त्रिपुरी है — **जबलपुर में**

✷ सुभाष चंद्र बोस दूसरी बार अध्यक्ष चुने गए थे — **त्रिपुरी अधिवेशन में**

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का वह अधिवेशन जिसमें कांग्रेस-अध्यक्ष के चुनाव में सुभाष चंद्र बोस ने पट्टाभि सीतारमैया को पराजित किया था — **त्रिपुरी अधिवेशन, 1939**

✷ सुभाष चंद्र बोस के त्यागपत्र के बाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष हुए — **राजेंद्र प्रसाद**

✷ कांग्रेस के त्रिपुरी अधिवेशन के पश्चात, सुभाष चंद्र बोस और दक्षिणपंथी का समस्त झगड़ा जिस प्रश्न पर केंद्रित हो गया, वह था — **कांग्रेस कार्यकारिणी समिति का गठन**

✷ वह भारतीय राष्ट्रवादी नेता जिसने जर्मनी और ब्रिटेन के बीच युद्ध को ऐसे ईश्वर प्रदत्त अवसर के रूप में देखा, जिसमें भारतीयों को उस स्थिति का अपने हित में लाभ उठाने का मौका मिलता — **सुभाष चंद्र बोस**

देशी रियासतें

✷ 1927 की बटलर कमेटी का उद्देश्य था — **भारत सरकार तथा देशी राज्यों के मध्य संबंधों को सुधारना**

✷ ऑल इंडिया स्टेट पीपुल्स कॉन्फ्रेंस का गठन हुआ — **1927 में**

✷ 1939 में भारत प्रजामंडल (ऑल इंडिया स्टेट्स पीपुल्स कॉन्फ्रेंस) के अध्यक्ष थे — **जवाहरलाल नेहरू**

✷ वह भारतीय संघ में रजवाड़ों का विलय अधिकाधिक हुआ— **1947 में**

✷ राज्यों का विलयीकरण जिनके नेतृत्व में हुआ, वे थे — **सरदार पटेल**

✷ अन्य रजवाड़ों के भारत में विलय के बाद भी जिन तीन राज्यों ने भारत में शामिल होना विलंबित किया, वह हैं — **जूनागढ़, हैदराबाद, जम्मू व कश्मीर**

✷ जम्मू एवं कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बना — **26 अक्टूबर, 1947 को**

✷ भारतवर्ष के विभाजन के समय, ब्रिटिश-भारत के पंजाब, असम, बंगाल तथा बिहार में से वह प्रांत जिसने एक संयुक्त एवं स्वतंत्र अस्तित्व के लिए योजना सामने रखी — **पंजाब ने**

✷ देशी राज्यों में से 'यथावत' (Stand-Still) समझौते का पक्षधर था — **हैदराबाद**

द्वितीय विश्व युद्ध

✷ द्वितीय विश्व युद्ध के संबंध में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की नीति थी
– पूर्ण स्वतंत्रता का आश्वासन मिलने पर ब्रिटेन को सहयोग

✷ **कथन (S) :** द्वितीय विश्व युद्ध में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अंग्रेजों को सहयोग प्रदान किया था।
कारण (R) : क्योंकि उन्हें पूर्ण स्वराज्य प्राप्त होने की आशा थी।
– (S), (R) दोनों असत्य हैं।

✷ **कथन (A) :** वर्ष 1939 में सभी प्रांतों में कांग्रेस मंत्रिमंडलों ने त्यागपत्र दे दिया।
कारण (R) : कांग्रेस ने द्वितीय विश्व युद्ध के संदर्भ में वायसराय के जर्मनी के विरुद्ध युद्ध घोषित कर देने के निर्णय को स्वीकार नहीं किया।
– (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (R) सही व्याख्या है (A) की।

✷ द्वितीय महायुद्ध समाप्त हुआ **– 1945 में**

✷ द्वितीय विश्व युद्ध के समय ब्रिटेन का प्रधानमंत्री था **– विंस्टन चर्चिल**

पाकिस्तान की मांग

✷ भारतीय मुसलमानों के पृथक राज्य के लिए पाकिस्तान शब्द का प्रयोग सबसे पहले किया **– चौधरी रहमत अली व उनके मित्रों ने**

✷ मुसलमानों के लिए पृथक राष्ट्र का विचार दिया था
– सर मुहम्मद इकबाल ने

✷ सर्वप्रथम भारत में एक पृथक मुस्लिम राज्य का प्रस्ताव रखा था
– मुहम्मद इकबाल ने

✷ पाकिस्तान के अलग राज्य आंदोलन का नेतृत्व किया
– मुहम्मद अली जिन्ना ने

✷ मुहम्मद अली जिन्ना को 'हिंदू मुस्लिम एकता का दूत' कहा था
– सरोजिनी नायडू ने

✷ कथन, 'नेहरू एक राष्ट्रभक्त हैं, जबकि जिन्ना एक राजनीतिज्ञ हैं' व्यक्त किया गया था : **– सर मोहम्मद इकबाल द्वारा**

✷ मोहम्मद अली जिन्ना के विषय में सही कथन हैं-
– वे 'दो राष्ट्र सिद्धांत' के समर्थक थे, उन्होंने 1940 के मुस्लिम लीग के लाहौर के वार्षिक अधिवेशन की अध्यक्षता की थी, असहयोग आंदोलन में उन्होंने भाग नहीं लिया था।

✷ मुस्लिमों के लिए एक पृथक देश की प्रथम बार एक निश्चित अभिव्यक्ति हुई थी
– 1930 के मुस्लिम लीग के इलाहाबाद अधिवेशन के इकबाल के अध्यक्षीय भाषण में

✷ मुस्लिम लीग द्वारा पाकिस्तान की स्थापना की मांग करने वाला प्रस्ताव पारित किया गया **– वर्ष 1940 में**

✷ वर्ष 1940 में मुस्लिम लीग के अधिवेशन में पाकिस्तान के सृजन का प्रस्ताव रखा था **– खलीकुज्जमां ने**

✷ मुस्लिम लीग का वार्षिक अधिवेशन, जिसमें जिन्ना के दो राष्ट्र के सिद्धांत को मान्यता दी गई थी, हुआ था **– लाहौर में**

✷ मुस्लिम लीग ने भारत के विभाजन की मांग का प्रस्ताव अपने अधिवेशन में किया था **– लाहौर में**

✷ वह तिथि, जब मुस्लिम लीग ने 'पाकिस्तान दिवस' मनाया था
– 23 मार्च, 1943

✷ मुस्लिम लीग के लाहौर अधिवेशन (1940) की अध्यक्षता की थी
– मोहम्मद अली जिन्ना ने

व्यक्तिगत सत्याग्रह (1940)

✷ 'व्यक्तिगत सत्याग्रह' में विनोबा भावे को प्रथम सत्याग्रही चुना गया था। दूसरे थे **– पंडित जवाहरलाल नेहरू**

✷ 'सर्वोदय' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किया था **– महात्मा गांधी ने**

क्रिप्स मिशन (1942)

✷ भारत में क्रिप्स मिशन आया **– 1942 में**

✷ ब्रितानिया सरकार के प्रस्तावों की प्रारूप घोषणा जो सर स्टैफोर्ड क्रिप्स लाए थे, में सम्मिलित थे
– भारत को एक डोमिनियन स्थिति दी जानी चाहिए; सब प्रांतों और राज्यों को मिलाकर एक भारतीय संघ होना चाहिए; कोई भी प्रांत या भारतीय राज्य भारतीय संघ के बाहर रहने का निर्णय ले सकता है; भारत का संविधान भारत की जनता द्वारा निर्मित किया जाए

✷ 1942 के क्रिप्स मिशन का एक महत्वपूर्ण पहलू था
– द्वितीय विश्व युद्ध के तुरंत पश्चात भारत संघ की स्थापना करना और उसे डोमिनियन पद प्रदान करना

✷ युद्ध समाप्त होने पर डोमिनियन दर्जा, संविधान सदन द्वारा निर्मित संविधान मान्य, कोई भी सूबा भारतीय संघ से बाहर रह सकता था
– क्रिप्स मिशन के संबंध में सही है

✷ वह जिनकी दृष्टि में ''क्रिप्स प्रस्ताव एक टूटते हुए बैंक के नाम एक उत्तर-दिनांकित चेक'' (Post-dated cheque upon a crashing bank) था **– महात्मा गांधी की**

✷ वह प्रधानमंत्री जिसने भारत में क्रिप्स मिशन भेजा **– विंस्टन चर्चिल**

✷ क्रिप्स मिशन के साथ कांग्रेस के आधिकारिक वार्ताकार थे
– पंडित जवाहरलाल नेहरू एवं मौलाना आजाद

✷ गांधीजी के आंदोलनों को 'राजनैतिक फिरौती' कहा
– लॉर्ड लिनलिथगो ने

भारत छोड़ो आंदोलन

* 6 जुलाई, 1942 को वर्धा में महात्मा गांधीजी ने कांग्रेस की कार्यकारी समिति में अपने 'भारत छोड़ो आंदोलन' की चर्चा की, तब उस समिति के अध्यक्ष थे **— मौलाना अबुल कलाम आजाद**
* 14 जुलाई, 1942 को कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा 'भारत छोड़ो आंदोलन' का प्रस्ताव पारित किया गया **— वर्धा में**
* भारत छोड़ो आंदोलन के समय भारत का प्रधान सेनापति था **— लॉर्ड वेवेल**
* भारत छोड़ो आंदोलन प्रारंभ हुआ **— 9 अगस्त, 1942 को**
* 'भारत छोड़ो आंदोलन' का प्रस्ताव बंबई के जिस मैदान में पारित किया गया, वह है **— ग्वालिया टैंक**
* भारत छोड़ो आंदोलन प्रारंभ करने के पूर्व दिन महात्मा गांधी ने– **— राजसी रियासतों के राजाओं को अपनी जनता की प्रभुसत्ता स्वीकार करने को कहा।**
* यह कथन, ''हम भारत को या तो आजाद करेंगे या आजादी के प्रयास में दिवंगत होंगे।'' जुड़ा है **— भारत छोड़ो आंदोलन से**
* 'करो या मरो' का नारा दिया **— महात्मा गांधी ने**
* 'करो या मरो' का संबंध है **— भारत छोड़ो आंदोलन से**
* बलदेव सहाय ने महाधिवक्ता के पद से त्यागपत्र दिया **— 1942 में**
* भारत छोड़ो आंदोलन प्रारंभ किया गया **— क्रिप्स प्रस्ताव की प्रतिक्रिया में**
* 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के संबंध में सत्य है **— यह आंदोलन स्वतः प्रवर्तित था, इसने सामान्य श्रमिक वर्ग को आकर्षित नहीं किया था**
* भारत छोड़ो आंदोलन का नेतृत्व किया था **— महात्मा गांधी ने**
* हिंदू महासभा,कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया एवं यूनियनिस्ट पार्टी ऑफ पंजाब में से 'भारत छोड़ो आंदोलन' का समर्थन नहीं किया था **— उपर्युक्त सभी पार्टियों ने**
* ए.के. आजाद, राजेंद्र प्रसाद, सरदार वल्लभभाई पटेल तथा जवाहरलाल नेहरू में से 1942 में 'भारत छोड़ो प्रस्ताव' का समर्थन किया था **— सरदार वल्लभभाई पटेल ने**
* 1942 में कांग्रेस के बंबई अधिवेशन में 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव प्रस्तावित किया था **— जवाहरलाल नेहरू ने**
* 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव का आलेख्य बनाया था **— महात्मा गांधी ने**
* जब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 'भारत छोड़ो' आंदोलन प्रस्ताव पारित किया, कांग्रेस अध्यक्ष थे **— मौलाना अबुल कलाम आजाद**
* भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लगातार छः वर्षों तक अध्यक्ष थे **— अबुल कलाम आजाद**
* 'भारत छोड़ो आंदोलन' फल था **— क्रिप्स के प्रस्तावों से भारतीयों के नैराश्य का भारत पर जापानी आक्रमण की धमकी का ए.आई.सी.सी. द्वारा अगस्त, 1942 में एक प्रस्ताव पारित करने का**
* 'भारत छोड़ो' आंदोलन के समय 'कांग्रेस रेडियो' का प्रसारण किया **— उषा मेहता ने**
* कांग्रेस रेडियो पर भारत छोड़ो आंदोलन की अवधि में नियमित रूप से कार्यक्रम प्रसारित करता थे **— राम मनोहर लोहिया**
* भारत छोड़ो आंदोलन के समय इंग्लैंड के प्रधानमंत्री थे **— चर्चिल**
* अमेरिकी पत्रकार, जो महात्मा गांधी के 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान उनके साथ थे, का नाम था **— लुई फिशर**
* महात्मा गांधी का जीवनीकार लुई फिशर था **— एक अमेरिकी पत्रकार**
* भारत छोड़ो आंदोलन से उत्पन्न दंगे सबसे अधिक व्यापक रहे **— बिहार तथा संयुक्त प्रांत में**
* **कथन (A) :** लॉर्ड लिनलिथगो ने 1942 के अगस्त आंदोलन को, सिपाही विद्रोह के बाद, सर्वाधिक गंभीर विद्रोह कहा था।
  कारण (R) :कुछ क्षेत्रों में किसान व्यापक जनांदोलन में उठ खड़े हुए थे।
  — (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
* डॉ. राजेंद्र प्रसाद को 9 अगस्त, 1942 को गिरफ्तार करके भेजा गया **— बांकीपुर जेल**
* भारत छोड़ो आंदोलन के संदर्भ में महात्मा गांधी को बंदी बनाया गया **— बंबई में**
* भारत छोड़ो प्रस्ताव पारित होने के बाद गांधीजी को कैद किया गया था **— आगा खां पैलेस में**
* 9 अगस्त, 1942 को जिन दो नेताओं (हजारीबाग में) को गिरफ्तार किया गया, वे थे **— शिवकुमार और रामानंद**
* महात्मा गांधी तथा उनके सहयोगियों की 1942 में हुई धरपकड़ से बिहार में बहुत दंगे हुए। इसमें रेल सेवा पूर्ण रूप से ठप्प हो गई। उसमें अधिकतम प्रभावित जिला था **— मुंगेर**
* जयप्रकाश नारायण को राष्ट्रीय स्तर के नेता की पहचान मिली **— भारत छोड़ो आंदोलन के संदर्भ में**
* 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान जेल से फरार होकर भूमिगत गतिविधियों को संगठित किया था **— जयप्रकाश नारायण ने**
* 7 दिसंबर, 1942 को श्री योगेंद्र शुक्ल लाए गए **— पटना में**
* श्री जगत नारायण लाल की पत्नी का नाम था **— श्रीमती रामप्यारी**
* **कथन (A) :** भारत छोड़ो आंदोलन से लोगों को जाग्रत करने और साहस दिलाने में सफलता मिली।
  कारण (R) : 'करो या मरो' का नारा लोगों के मन में प्रवेश कर गया।
  — (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

✱ **कथन (A) :**राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन से पृथक रहा।
कारण (R) :इसका विचार था कि इस आंदोलन से भारत की स्वतंत्रता में देर होगी।
– (A) सत्य है, परंतु (R) असत्य है।
कथन (A) :भारत छोड़ो आंदोलन के परिणामस्वरूप अंग्रेज और मुसलमान कांग्रेस के प्रति समान घृणा के कारण एक-दूसरे के नजदीक आ गए।
कारण (R) :जिन्ना ने ब्रिटिश सरकार के पक्के सहयोगी की तरह कार्य किया और मुसलमानों को 1942 के कांग्रेस आंदोलन से दूर रहने के लिए कहा।
– (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

✱ स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जिस आंदोलन में अरुणा आसफ़ अली भूमिगत क्रिया कलाप की प्रमुख महिला संगठक थीं **– भारत छोड़ो आंदोलन में**

✱ आंदोलन, जिसके साथ अरुणा आसफ अली जुड़ी हैं **– भारत छोड़ो आंदोलन**

✱ 'भारत छोड़ो आंदोलन' में समांतर सरकारों की स्थापना की गई थी **– बलिया तथा सतारा में**

✱ **कथन (A) :** 'भारत छोड़ो आंदोलन' भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन की पराकाष्ठा थी।
कारण (R) : 'भारत छोड़ो आंदोलन' के पश्चात शक्ति हस्तांतरण की प्रक्रिया की खोज समय का तकाजा थी।
– (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

✱ भारत छोड़ो आंदोलन के उपरांत, सी. राजगोपालाचारी ने ''दी वे आउट'' नामक पैम्फलेट जारी किया। ब्रिटिश भारत तथा भारतीय राज्यों के प्रतिनिधियों को मिलाकर एक ''युद्ध सलाहकार परिषद'' की स्थापना। केंद्रीय कार्यकारी परिषद का इस प्रकार पुनर्गठन कि गवर्नर जनरल तथा कमांडर-इन-चीफ के अतिरिक्त अन्य सभी सदस्य भारतीय नेता हों।केंद्रीय तथा प्रांतीय विधानमंडलों के 1945 के अंत में नए चुनाव कराए जाए तथा संविधान का निर्माण करने वाले निकाय को यथासंभव शीघ्र आयोजित किया जाए।संवैधानिक गतिरोध का हल। में से एक प्रस्ताव इस पैम्फलेट में था **– संवैधानिक गतिरोध का हल**

सुभाष चंद्र बोस और आजाद हिंद फौज

✱ नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्म हुआ था **– कटक में**

✱ सुभाष चंद्र बोस ने 'फारवर्ड ब्लॉक' की स्थापना की थी **– 1939 ई. में**

✱ आई.एन.ए. दिमाग की उपज थी और इसकी स्थापना की **– मोहन सिंह ने**

✱ आई.एन.ए. मानसिक पुत्र था **– ज्ञानी प्रीतम सिंह तथा मेजर आईवाची फूजीवारा का**

✱ भारतीय राष्ट्रीय सेना (I.N.A.) की स्थापना हुई **– 1942 में**

✱ ''आजाद हिंद फौज'' के प्रथम सेनापति थे **– मोहन सिंह**

✱ सुभाष चंद्र बोस ने स्वतंत्र भारत की अंतरिम सरकार की स्थापना की घोषणा की थी **– 21 अक्टूबर, 1943 को**

✱ 1943 में आजाद हिंद फौज अस्तित्व में आई **– तत्कालीन मलाया में**

✱ सुभाष चंद्र बोस को इंडियन नेशनल आर्मी के गठन में सक्रिय सहयोग दिया था **– रास बिहारी बोस ने**

✱ 'आजाद हिंद फौज' का प्रधान कार्यालय स्थित था **– रंगून में**

✱ ''तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा'', कथन है **– सुभाष चंद्र बोस का**

✱ 'द फ्री इंडियन लीज़न' नामक सेना बनाई **– सुभाष चंद्र बोस ने**

✱ 'रानी लक्ष्मीबाई रेजीमेंट' की स्थापना की **– सुभाष चंद्र बोस ने**

✱ सुभाष चंद्र बोस को 'देश नायक' कहा था **– रवींद्रनाथ टैगोर ने**

✱ 'जय हिंद' नारा दिया था **– सुभाष चंद्र बोस ने**

✱ 'आज़ाद हिंद फौज दिवस' मनाया गया था**– 12 नवंबर, 1945 को**

✱ आजाद हिंद फौज के सैनिक को 7 वर्ष के कारावास का दंड दिया गया **– राशिद अली द्वारा**

✱ गुरदयाल सिंह, प्रेम सहगल, मोहन सिंह, शाहनवाज़ में से आजाद हिंद फौज का वह अधिकारी जिसने लाल किले पर चलाए गए मुकदमे का सामना नहीं किया **– मोहन सिंह ने**

✱ 1945 में आज़ाद हिंद फौज की ओर से लाल किले के मुकदमे में पैरवी कर रहे वकीलों की अध्यक्षता की **– भूलाभाई देसाई ने**

✱ वर्ष 1945 में आजाद हिंद फौज के लाल किले में दिल्ली के मुकदमे की पैरवी भूलाभाई देसाई, पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल तथा डॉ. कैलाश नाथ काटजू में से नहीं की थी **– सरदार वल्लभभाई पटेल ने**

✱ इलाहाबाद में संपन्न कांग्रेस कार्यकारिणी समिति की बैठक में, भारत के नाजीवाद, फासीवाद तथा साम्राज्यवाद विरोधी निश्चित रुख के कारण जापान के विरुद्ध गुरिल्ला युद्ध की अपनी योजना के पक्ष में बहुमत जुटाने में सक्षम हुए **– जवाहरलाल नेहरू**

कैबिनेट मिशन योजना (1946)

✱ कैबिनेट मिशन की अध्यक्षता की गई **– सर पी. लॉरेंस द्वारा**

✱ द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 1946 में भारत आया था **– कैबिनेट मिशन**

✱ भारत के लिए त्रिस्तरीय शासन व्यवस्था का प्रस्ताव किया था **– कैबिनेट मिशन ने**

* 1946 का कैबिनेट मिशन तीन कैबिनेट मंत्रियों से गठित था। लॉर्ड पेंथिक लॉरेंस, ए.वी. अलेक्जेंडर, सर स्टैफोर्ड क्रिप्स तथा लॉर्ड एमरी में से इसका सदस्य नहीं था **– लॉर्ड एमरी**
* इसका प्रस्ताव मई में आया। इसमें अभी भी भारत को विभाजन मुक्त रखने की आकांक्षा थी जिसका ब्रिटिश प्रांतों से मिलकर बने एक संघीय राज्य का स्वरूप होना था-उपर्युक्त उद्धरण का संबंध है **– कैबिनेट मिशन से**
* कैबिनेट मिशन योजना के विषय में प्रांतीय समूहीकरण, भारतीय सदस्यों वाला अंतरिम मंत्रिमंडल, पाकिस्तान की स्वीकृति तथा संविधान निर्माण का अधिकार में से सही नहीं है **– पाकिस्तान की स्वीकृति**
* वह जिसने वायसराय की एक्जीक्यूटिव काउंसिल के पुनर्गठन का सुझाव दिया, जिसमें वॉर मेंबर सहित सभी विभाग भारतीय नेताओं द्वारा धारण किए जाने थे **– कैबिनेट मिशन 1946**
* कैबिनेट मिशन के संदर्भ में, सही है **– इसने एक संघीय सरकार के लिए सिफारिश की।**
* महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल तथा मौलाना अबुल कलाम आजाद में से कांग्रेस का वह नेता जो कैबिनेट मिशन योजना के पक्ष में पूरी तरह से था **– महात्मा गांधी**
* वह कांग्रेस अध्यक्ष जिसने क्रिप्स मिशन व लॉर्ड वेवेल दोनों से वार्ताएं कीं **– अबुल कलाम आजाद**
* कैबिनेट मिशन के भारत आगमन के समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष थे **– मौलाना अबुल कलाम आजाद**

संविधान सभा (1946)

* स्वतंत्र भारत के लिए संविधान की रचना हेतु संविधान सभा का विचार सर्वप्रथम प्रस्तुत किया था **– कांग्रेस पार्टी ने 1936 में**
* संविधान सभा, जिसने भारतीय संविधान का निर्माण किया, का गठन किया गया था **– कैबिनेट मिशन प्लान के अंतर्गत**
* कैबिनेट मिशन योजना के अंतर्गत संविधान निर्मात्री परिषद में प्रत्येक प्रांत को आवंटित सदस्य संख्या निर्धारित करने के लिए एक प्रतिनिधि जनसंख्या के अनुपात में था **– 10 लाख व्यक्ति**
* संविधान सभा का पहला सत्र हुआ था **– 9 दिसंबर, 1946 को**
* भारतीय संविधान सभा के अध्यक्ष थे **– डॉ. राजेंद्र प्रसाद**
* भारतीय उपनिवेश के लिए प्रभुसत्तासंपन्न संविधान सभा के प्रथम अध्यक्ष थे **– राजेंद्र प्रसाद**
* 1. वर्ष 1946 में प्रांतीय सभाओं द्वारा भारत की संविधान सभा चुनी गई।
  2. जवाहरलाल नेहरू, एम.ए. जिन्ना और सरदार वल्लभभाई पटेल भारत की संविधान सभा के सदस्य थे।
  3. भारत की संविधान सभा (Constitutional Assembly) का प्रथम अधिवेशन (First Session) जनवरी, 1947 में हुआ।
  4. भारत का संविधान 26 जनवरी, 1950 को अंगीकृत (Adopted) किया गया। में से एक सही है

  – केवल-1
* सच्चिदानंद सिन्हा जुड़े थे **– भारत छोड़ो आंदोलन से**
* ब्रिटिश युग की केंद्रीय लेजिस्लेटिव असेम्बली तथा स्वतंत्र भारत की संसद में अध्यक्ष का पद संभाला **– जी.वी. मावलंकर ने**

अंतरिम सरकार का गठन (1946)

* पं. जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन हुआ था **– सितंबर, 1946 में**
* 1946 में बनी अंतरिम सरकार में डॉ. राजेंद्र प्रसाद के पास विभाग था – खाद्य तथा कृषि
* अंतरिम सरकार (1946) में रेल मंत्रालय का कार्य देखते थे **– आसफ अली**
* जब 1946 में भारतीय मुस्लिम लीग को अंतरिम सरकार में सम्मिलित किया गया, तब लियाकत अली खां को जो विभाग दिया गया, वह था **– वित्त**
* जवाहरलाल नेहरू, बलदेव सिंह, अली जहीर तथा बी.आर. अम्बेडकर में से 'अंतरिम सरकार' के सदस्य' नहीं थे **– बी.आर. अम्बेडकर**
* जवाहरलाल नेहरू, लियाकत अली खां, अबुल कलाम आज़ाद तथा डॉ. राजेंद्र प्रसाद में से सितंबर 2, 1946 को गठित अंतरिम सरकार में मंत्री नहीं थे **– अबुल कलाम आज़ाद**
* 1946 के चुनाव के पश्चात मुस्लिम लीग ने अपनी सरकार बनाई **– बंगाल में**
* मुस्लिम लीग ने ''सीधी कार्यवाही दिवस'' हेतु तिथि सुनिश्चित की थी **– 16 अगस्त, 1946**

भारत का विभाजन एवं स्वतंत्रता

* जब भारत को स्वतंत्रता प्राप्त हुई थी उस समय यू.के. में जिस पार्टी की सत्ता थी **– लेबर पार्टी की**
* भारत के स्वतंत्र होते समय इंग्लैंड का प्रधानमंत्री था **– क्लीमेंट एटली**
* ब्रिटिश सरकार ने जून, 1948 तक भारत छोड़ने की घोषणा की थी – फरवरी, 1947 में
* लॉर्ड माउंटबेटन वायसराय के रूप में भारत आए **– यथासंभव भारत को संयुक्त रखने की विशेष हिदायत के साथ**

✷ भारतीय स्वतंत्रता का आधार बनी — **माउंटबेटन योजना**

✷ माउंटबेटन योजना आधार बनी — **देश के विभाजन की**

✷ 'भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम' (द इंडियन इंडिपेंडेंस एक्ट) ब्रिटिश संसद द्वारा पारित किया गया — **जुलाई, 1947 में**

✷ भारत के विभाजन से संबंधित 'माउंटबेटन योजना' की सरकारी तौर पर घोषणा हुई थी — **3 जून, 1947 को**

✷ **कथन (A) :** अंग्रेजों ने भारत को 1947 में स्वतंत्रता प्रदान कर दी।
कारण (R) : अंग्रेज द्वितीय विश्व युद्ध में निर्बल हो चुके थे।
— (A) तथा (R) दोनों सही हैं किंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

✷ **कथन (A) :** स्वतंत्र भारत में ब्रिटेन की प्रभुता बनी रही।
कारण (R) : स्वतंत्र भारत के गवर्नर जनरल की नियुक्ति ब्रिटेन के प्रभुतासंपन्न शासक ने की।
— (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

✷ भारतीय स्वाधीनता विधेयक को राजकीय स्वीकृति प्राप्त हुई थी — **18 जुलाई, 1947 को**

✷ भारत के विभाजन का बाल्कन प्लान (Balkan Plan) उपज था — **लॉर्ड माउंटबेटन के मस्तिष्क का**

✷ 1947 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस देश के विभाजन के लिए मुख्य रूप से इसलिए सहमत हुई, क्योंकि
— वे बड़े पैमाने पर संभावित सांप्रदायिक दंगों को बचाना चाहते थे

✷ **कथन (A) :** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने माउंटबेटन योजना को स्वीकार किया।
कारण (R) : वह द्वि-राष्ट्र सिद्धांत को मानती थी।
— (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

✷ भारत के विभाजन के विकल्प के रूप में गांधीजी ने माउंटबेटन को सुझाया था कि वे— **जिन्ना को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करें।**

✷ रैडक्लिफ समिति नियुक्त की गई थी
— भारत और पाकिस्तान के बीच सीमाओं को निर्धारित करने के लिए

✷ भारत विभाजन के संदर्भ में 1947 में नियुक्त सीमा आयोग की अध्यक्षता की थी — **रेडक्लिफ ने**

✷ भारत के विभाजन को टालने का अंतिम अवसर समाप्त हो गया था
— कैबिनेट मिशन को अस्वीकार करने के साथ ही

✷ 14 जून, 1947 को कांग्रेस के दिल्ली अधिवेशन में भारत के विभाजन का प्रस्ताव स्वीकृत हुआ। इस अधिवेशन के अध्यक्ष थे — **आचार्य जे.बी. कृपलानी**

✷ नई दिल्ली में 1947 में आयोजित अखिल भारतीय कांग्रेस समिति की बैठक में गोविंद वल्लभ पंत, सरदार वल्लभभाई पटेल, जे.बी. कृपलानी तथा अबुल कलाम आज़ाद में से विभाजन के प्रस्ताव का समर्थन किया था — **अबुल कलाम आज़ाद ने**

✷ 1947 के कांग्रेस कमेटी की बैठक द्वारा विभाजन के प्रस्ताव के पारित होने को 'राष्ट्रवाद का संप्रदायवाद के पक्ष में समर्पण' के रूप में लिया — **डॉ. किचलू ने**

✷ सन् 1947 के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के दिल्ली अधिवेशन की अध्यक्षता की — **जे.बी. कृपलानी ने**

✷ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की 14 जून, 1947 को संपन्न हुई बैठक में भारत-विभाजन के विपक्ष में मतदान किया था
— खान अब्दुल गफ्फार खां ने

✷ 14/15 अगस्त, 1947 की मध्य रात्रि को अंतरिम संसद के रूप में सत्ता ग्रहण की — **संविधान सभा**

✷ 14/15 अगस्त, 1947 की मध्य रात्रि केंद्रीय असेम्बली में इकबाल का गीत 'हिंदोस्तां हमारा' तथा 'जन-गण-मन' गाया
— एम.एस. सुब्बालक्ष्मी ने

✷ पहले अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री की नियुक्ति की थी
— गवर्नर जनरल ने

✷ स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर जनरल थे — **लॉर्ड माउंटबेटन**

✷ स्वतंत्र भारत का अंतिम गवर्नर जनरल था — **सी. राजगोपालाचारी**

✷ स्वतंत्र भारत के पहले भारतीय गवर्नर जनरल थे — **राजगोपालाचारी**

✷ भारत के प्रथम एवं अंतिम भारतीय गवर्नर जनरल थे
— सी. राजगोपालाचारी

✷ भारत का अंतिम वायसराय था — **लॉर्ड माउंटबेटन**

✷ स्वतंत्र भारत के प्रथम विधि मंत्री थे — **बी.आर. अम्बेडकर**

✷ बिल्कुल प्रारंभ से भारत के राष्ट्रपति के पद पर आसीन व्यक्तियों का सही क्रम है
—राजेंद्र प्रसाद, एस. राधाकृष्णन, जाकिर हुसैन, वी.वी. गिरि

✷ लॉर्ड माउंटबेटन की अध्यक्षता में बनी विभाजन परिषद में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रतिनिधित्व किया था
— जवाहरलाल नेहरू तथा सरदार पटेल ने

✷ भारत के विभाजन के समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष थे
— जे.बी. कृपलानी

✷ 15 अगस्त, 1947 को राजेंद्र प्रसाद, जवाहरलाल नेहरू, जे.बी. कृपलानी तथा सरदार पटेल में से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष था
— जे.बी. कृपलानी

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1946 में मेरठ में आयोजित अधिवेशन की अध्यक्षता की थी — **जे.बी. कृपलानी ने**

✷ अगस्त, 1947 में स्वतंत्रता दिवस के समारोहों में कहीं भी सम्मिलित नहीं हुए — **महात्मा गांधी**

✷ संविधान को 26 जनवरी के दिन लागू करने का निर्णय इसलिए किया गया, क्योंकि
— कांग्रेस ने इस तिथि को 1930 में स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया था

✷ ''भारतीय राष्ट्रवाद ब्रिटिश राज का शिशु था।'' यह कथन है
— आर. कोपलैंड का

✷ ''ब्रिटिश शासन की सबसे अधिक महत्वपूर्ण उपलब्धि भारत का एकीकरण था'' कहा है — **के.एम. पणिक्कर ने**

भारत का संवैधानिक विकास

* रेग्युलेटिंग एक्ट पारित किया गया — **1773 में**
* प्रथम बार गवर्नर जनरल ऑफ बंगाल के पद हेतु प्राविधान किया गया था **रेग्यूलेटिंग अधिनियम, 1773**
* रेग्युलेटिंग एक्ट के प्रावधानों के अंतर्गत, बिहार के लिए एक प्रांतीय सभा की स्थापना हुई — **1774 में**
* भारत में सर्वप्रथम सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना हुई — **रेग्युलेटिंग अधिनियम, 1773**
* ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा स्थापित उच्चतम न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश थे — **एलिजाह इम्पे**
* भारत के गवर्नर जनरल को एक्ट के द्वारा अपनी समिति के निर्णय को अस्वीकार करने का अधिकार मिला — **1786 ई. का एक्ट**
* अधिनियम जिसके तहत लॉर्ड कार्नवालिस को अपनी काउंसिल के फैसलों को रद्द करने का अधिकार मिला था — **1786 का एक्ट**
* 1793 में एक विनियम द्वारा जिला कलेक्टर को उसकी न्यायिक शक्तियों से वंचित कर दिया गया और केवल संग्राहक अभिकर्ता बना दिया गया। ऐसे विनियमन का कारण था
  — **लॉर्ड कॉर्नवालिस जिला कलेक्टर में संकेंद्रित इतनी विस्तृत शक्ति से सतर्क हो गया था और महसूस करता था कि एक व्यक्ति में इतनी परम शक्ति का होना अवांछनीय है।**
* भारतीय व्यापार में ईस्ट इंडिया कंपनी का एकाधिकार समाप्त किया गया — **1813 में**
* चार्टर अधिनियम 1813 भारत के लिए महत्वपूर्ण समझे जाने का एक कारण है
  — **इसके द्वारा भारतीयों की शिक्षा के लिए वित्तीय प्रावधान किया गया।**
* चार्टर एक्ट, 1833 में ईस्ट इंडिया कंपनी की व्यापारिक गतिविधियों का समापन, काउंसिल में परम सत्ताधिकारी के पदनाम को भारत के गवर्नर जनरल के पदनाम में बदलना, काउंसिल में तथा गवर्नर जनरल को विधिकर्ता की सभी शक्तियां प्रदान करना तथा गवर्नर जनरल की काउंसिल में विधि सदस्य के रूप में एक भारतीय की नियुक्ति प्रावधानों में से एक नहीं था
  — **गवर्नर जनरल की काउंसिल में विधि सदस्य के रूप में एक भारतीय की नियुक्ति**
* 'लोक सेवाओं की परीक्षा इंग्लैंड तथा भारत में एक साथ करने की संस्तुति की गई थी — **मांटेग्यू चेम्सफोर्ड रिपोर्ट द्वारा**
* नागरिक सेवाओं के लिए प्रतियोगी परीक्षा प्रणाली को सिद्धांततः स्वीकार किया गया — **1853 में**
* पहली बार भारत में एक क्रियाशील विधान परिषद का सृजन किया — **चार्टर एक्ट, 1853 द्वारा**
* ब्रिटिश सरकार अंतिम रूप से भारत एवं इंग्लैंड में एक ही समय साथ-साथ इंडियन सिविल सर्विसेज (आई.सी.एस.) की परीक्षा आयोजित करने हेतु सहमत हुई थी — **1922 में**
* सही सुमेलित है–

सूची-I		सूची-II
नियंत्रण परिषद की स्थापना	–	पिट का भारतीय अधिनियम, 1784
सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना	–	नियामक अधिनियम, 1773
ईसाई मिशनरियों को भारत में कार्य करने की अनुमति	–	चार्टर अधिनियम, 1813
गवर्नर जनरल परिषद में कानूनी सदस्य की नियुक्ति	–	चार्टर अधिनियम, 1833

* सही सुमेलित है–

सूची-I (भारत की उपनिवेशीय)		सूची-II (सरकार के अधिनियम प्रावधान)
चार्टर एक्ट, 1813	–	भारत में कंपनी का व्यापार एकाधिकार समाप्त कर दिया गया
रेग्युलेटिंग एक्ट, 1773	–	कंपनी के निदेशकों को कंपनी के प्रबंध से संबंधित सभी पत्राचार और दस्तावेज ब्रिटिश सरकार को प्रस्तुत करने को कहा गया
एक्ट ऑफ 1858	–	शासन का अधिकार ईस्ट इंडिया कंपनी से ब्रिटिश क्राउन को हस्तांतरित कर दिया गया
पिट्स इंडिया एक्ट, 1784	–	भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के कार्यों को पूरी तरह विनियमित करने के लिए ब्रिटेन में एक बोर्ड ऑफ कंट्रोल स्थापित करना

* बोर्ड ऑफ कंट्रोल की स्थापना जिस अधिनियम के अंतर्गत की गई — **पिट्स इंडिया अधिनियम, 1784**
* ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने चाय के व्यापारिक एकाधिकार को खो दिया — **1833 के चार्टर एक्ट द्वारा**
* भारत का शासन ईस्ट इंडिया कंपनी से क्राउन को स्थानांतरित किया गया — **1858 के भारत सरकार अधिनियम के अंतर्गत**
* सही कथन है-
  — **गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1858 के अंतर्गत ब्रिटिश संसद ने ईस्ट इंडिया कंपनी को पूर्णतः समाप्त कर भारत में सीधा शासन करने का उत्तरदायित्व ग्रहण किया**
* भारत के गवर्नर जनरल को अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्रदान की गई — **इंडियन काउंसिल्स एक्ट, 1861 द्वारा**
* अधिनियम जिसमें सामूहिक कार्यचालन के स्थान पर "विभाग" या विभागीय पद्धति द्वारा वायसराय की कार्यकारी परिषद पर उनके प्राधिकार को और बल प्रदान किया — **इंडियन काउंसिल एक्ट, 1861**

✷ भारतीय विधान परिषद को बजट पर बहस करने की शक्ति प्राप्त हुई **— भारतीय परिषद अधिनियम, 1892 द्वारा**

✷ अंग्रेजों ने भारत में सर्वप्रथम परोक्ष निर्वाचन प्रणाली की शुरुआत की **— 1892 में**

✷ भारत में मीडिया को नियंत्रित करने के लिए 'एक्ट' लिए गए थे **— 1835, 1867, 1878, 1908**

✷ बॉम्बे, मद्रास और कलकत्ता में उच्च न्यायालयों की स्थापना हुई **— 1861 में**

✷ भारत में ब्रिटेन के सभी संवैधानिक प्रयोगों में से सबसे कम समय तक चला **— 1909 का इंडियन काउंसिल एक्ट**

✷ 20 अगस्त, 1917 के सुधारों की घोषणा को जाना जाता है **— मांटेग्यू घोषणा के नाम से**

✷ मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड की रिपोर्ट **— भारत सरकार अधिनियम, 1919 का आधार बनी**

✷ प्रांतों में द्वैध शासन प्रणाली (Dyarchy) अधिनियम के अंतर्गत लागू की गई थी **— 1919 में**

✷ मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड प्रस्ताव संबंधित थे **— सांविधानिक सुधार से**

✷ भारत सरकार अधिनियम, 1919 ने स्पष्ट रूप से परिभाषित किया **— केंद्रीय एवं प्रांतीय सरकारों की अधिकारिता को**

✷ द्वैध शासन प्रणाली लागू करने वाला एक्ट आया था **— 1919 में**

✷ यह अधिनियम मार्ले-मिंटो सुधार अधिनियम के नाम से भी जाना जाता है; इस अधिनियम में केंद्रीय एवं प्रांतीय विषयों को अलग कर दिया गया था; भारत सरकार अधिनियम, 1919, 1921 में लागू हुआ तथा मांटेग्यू भारत के राज्य सचिव एवं लॉर्ड चेम्सफोर्ड भारत के वायसराय थे। भारत सरकार अधिनियम 1919 के बारे में असत्य कथन है **— यह अधिनियम मार्ले-मिंटो सुधार अधिनियम के नाम से भी जाना जाता है।**

✷ **कथन (A)** :भारत सरकार अधिनियम, 1919 के प्रवर्तन के साथ शासन का ढांचा और उसकी विशेषताएं एकात्मक और केंद्रीय ही रहीं।
कारण (R) :सत्ता का एक बड़ा भाग प्रांतों को प्रत्यायोजित किया गया था।
—(A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

✷ **कथन (A)** : द्विशासन का अर्थ प्रशासन के विषयों का दो वर्गों में विभाजन था।
कारण (R) : प्रांतों में उत्तरदायी शासन के बोध का प्रवर्तन कराने का प्रयत्न किया गया था।
— दोनों (A) और (R) सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

✷ भारत सरकार अधिनियम, 1935 आधारित था **— साइमन कमीशन रिपोर्ट पर**

✷ 1935 के भारत सरकार अधिनियम की विशेषताएं थी **— गवर्नरी प्रांतों में द्वैध शासन की समाप्ति (Abolition of Diarchy in States); गवर्नरों को विधायी क्रियाओं में निषेधाधिकार (वीटो) की शक्ति तथा स्वयं द्वारा विधि बनाना**

✷ भारत सरकार अधिनियम, 1935 ने समाप्त की **— प्रांतीय द्वैध शासन व्यवस्था को**

✷ गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1935 में **— प्रांतीय स्वशासन का उपबंध था; एक संघीय न्यायालय (फेडरल कोर्ट) की स्थापना का उपबंध था।; केंद्र में अखिल भारत संघ का उपबंध था।**

✷ 1935 का गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट महत्वपूर्ण है **— यह भारतीय संविधान का प्रमुख स्रोत है**

✷ 1935 के भारत सरकार अधिनियम की केंद्र में, साथ ही साथ राज्यों में द्वैध शासन, द्विसदनी विधानमंडल, प्रांतीय स्वायत्तता तथा एक अखिल भारतीय संघ में से एक वैशिष्ट्-युक्त नहीं है **— केंद्र में, साथ ही साथ राज्यों में द्वैध शासन**

✷ 1935 के भारत अधिनियम द्वारा प्रस्तावित फेडरल यूनियन में राजसी प्रांतों को शामिल करने के पीछे अंग्रेजों की असली मंशा थी—राष्ट्रवादी नेताओं के साम्राज्यवाद-विरोधी सिद्धांतों को व्यर्थ करने के लिए राजाओं का इस्तेमाल करना

✷ 1935 के अधिनियम के बारे में कहा था, ''एक कार जिसमें ब्रेक तो है पर इंजन नहीं'' **— जवाहरलाल नेहरू ने**

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपने अधिवेशन में भारत सरकार अधिनियम, 1935 को अस्वीकार किया था **— लखनऊ अधिवेशन, 1936 में**

✷ भारत सरकार अधिनियम, 1935 को ''गुलामी का अधिकार-पत्र'' कहा था **— जवाहरलाल नेहरू ने**

✷ भारत सरकार अधिनियम, 1935 में अंतर्विष्ट 'अनुदेश-प्रपत्र (इंस्ट्रूमेंट ऑफ इंस्ट्रक्शंस)'' को वर्ष 1950 में भारत के संविधान में समाविष्ट किया गया **— राज्य की नीति के निदेशक तत्व के रूप में**

✷ यह कहा—'मुझे इस आरोप के संबंध में कोई क्षमा नहीं मांगनी है कि संविधान के प्रारूप में गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1935 के एक बड़े भाग को पुन: उत्पादित कर दिया गया है **— डॉ. बी.आर. अम्बेडकर**

✷ सही सुमेलित है—

सूची-I		सूची—II
दि रेग्युलेटिंग एक्ट, 1773	-	सुप्रीम कोर्ट की स्थापना
भारतीय परिषद अधिनियम, 1909	-	सांप्रदायिक निर्वाचन मंडल का प्रारंभ
भारतीय सरकार अधिनियम, 1919	-	द्वैध शासन का प्रारंभ
भारत सरकार अधिनियम, 1935	-	प्रदेशों की स्वायत्तता के लिए प्रावधान

आधुनिक इतिहास : विविध

✷ सही कथन हैं-

– रेग्युलेटिंग एक्ट, 1773 द्वारा कलकत्ता में उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) स्थापित किया गया।; भारतीय दंड संहिता वर्ष 1860 में लागू हुई।

✷ 19वीं शताब्दी में देश जिसका भारत की ओर विस्तार का डर एंग्लो-अफगान संबंधों का आधार था **– रूस**

✷ सही सुमेलित है–

सूची I (वर्ष)		**सूची II (घटना)**
1775	-	प्रथम आंग्ल-मराठा युद्ध
1780	-	द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध
1824	-	प्रथम आंग्ल-बर्मा युद्ध
1838	-	प्रथम आंग्ल-अफगान युद्ध

✷ सही सुमेलित है–

पुन: जजिया लगाना	-	फर्रुखसियर
मसूलीपट्टम पर अधिकार	-	फोर्ड
सती प्रथा निषेध अधिनियम	-	लॉर्ड विलियम बेंटिक
दासता का अंत	-	लॉर्ड एलनबरो

✷ भारत के संदर्भ में शासन में पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण प्राय: संबंधित माना जाता है **– थॉमस मुनरो**

✷ भारत में उन्नीसवीं शताब्दी में पड़े अकाल को 'प्रकोप का समुद्र' (सी ऑफ कैलेमिटी) कहा गया है **– उड़ीसा अकाल, 1866-67 को**

✷ भारतीय दुर्भिक्ष संहिता, 1883 का निर्माण किया था– स्ट्रेची आयोग ने

✷ सही सुमेलित है–

1767-69 ई.	–	प्रथम आंग्ल-मैसूर युद्ध
1790-92 ई.	–	तृतीय मैसूर युद्ध
1824-26 ई.	–	प्रथम आंग्ल-बर्मा युद्ध
1845-46 ई.	–	प्रथम आंग्ल-सिक्ख युद्ध

✷ सही कालानुक्रम है

– ड्रैमेटिक परफार्मेंस-वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट-बंगाल टेनेंसी एक्ट-नार्थ-वेस्टर्न प्रोविंसेज एंड अवध एक्ट

✷ सही सुमेलन हैं–

बाल विवाह	–	एम.जी. रानाडे
ठगी प्रथा का अंत	–	कर्नल स्लीमैन
विधवा पुनर्विवाह	–	ईश्वरचंद विद्यासागर
पिंडारियों का दमन	–	लॉर्ड हेस्टिंग्स

✷ सही कथन है-

– कुंवर सिंह ने अंग्रेजों के विरुद्ध बिहार में संघर्ष का नेतृत्व किया जबकि 1857 के प्रथम चेतना संग्राम में खान बहादुर खान ने रूहेलखंड में नेतृत्व किया; मुस्लिम लीग ने 22 दिसंबर, 1939 को मुक्ति दिवस मनाया था; तात्या टोपे ने नाना साहब की सहायता हेतु कानपुर में फौजों का नेतृत्व संभाला था एवं जीनत महल ने फैजाबाद में इसकी कमान संभाली।

✷ THE MARVEL OF THE CENTURY
THE WONDER OF THE WORLD
LIVING PHOTOGRAPHIC PICTURES
IN
LIFE-SIZED REPRODUCTIONS
CINEMATOGRAPHIE
A FEW EXHIBITIONS WILL BE GIVEN
AT
WATSON'S HOTEL
TONIGHT

उपर्युक्त विज्ञापन 'टाइम्स ऑफ इंडिया' में छपा था **– 7 जुलाई, 1896**

✷ "ब्रिटिश सरकार भारत के विभाजन के लिए उत्तरदायी नहीं है।" कथन का श्रेय दिया जाता है **– लॉर्ड एटली को**

✷ "राजनैतिक स्वतंत्रता राष्ट्र का जीवन श्वास है" कहा था **– अरविंद घोष ने**

✷ 'New Lamps for Old' लेख-शृंखला (1893-94) में 'सर्वहारा-वर्ग' के साथ संपर्क से बाहर होने के लिए कांग्रेस की आलोचना की गई थी। इन लेखों के लेखक थे **– अरविंद घोष**

✷ दो नेताओं ने भारत में दौरा कर सामाजिक उत्थान का कार्य किया **– गांधी, तिलक**

✷ पहले अध्यक्ष ने औपचारिक 'विग' त्यागकर गांधी टोपी पहनकर सदन की अध्यक्षता की **– जी.वी. मावलंकर ने**

✷ भारतीय संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की मृत्यु हुई थी **– 6 दिसंबर, 1956 ई.**

✷ 2016 में डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्य तिथि थी **– 61वीं**

✷ प्रसिद्ध भारतीय 'गुरुदेव' के नाम से जाने जाते थे– **रवींद्रनाथ टैगोर**

✷ रवींद्रनाथ टैगोर की मृत्यु हुई थी **– 1941**

✷ रवींद्रनाथ टैगोर को 'महान प्रहरी' कहा था **– महात्मा गांधी ने**

✷ रवींद्रनाथ टैगोर के विषय में सत्य है

– उन्होंने प्राचीन भारत और उसकी संस्कृति का गौरवगान किया। उन्होंने शिवाजी और गुरु गोविन्द सिंह को राष्ट्र निर्माता के रूप में देखा।

उनके अनेक गीतों में मराठों के बहादुरी का खंडन है।

✷ 'जय जवान, जय किसान' का नारा दिया **– लाल बहादुर शास्त्री ने**

✷ "आजादी हमारी पहुंच के अंतर्गत है, हमें इसे कस कर पकड़ना चाहिए" कहा था **– महात्मा गांधी ने**

✷ "भारत की मुक्ति महात्मा गांधी के नेतृत्व में नहीं होगी" यह लिखा था **– सुभाष चंद्र बोस ने**

✷ ''प्रत्येक वस्तु प्रतीक्षा कर सकती है, परंतु कृषि नहीं।'' कथन का श्रेय दिया जाता है **– जवाहरलाल नेहरू को**

✷ बंबई में पहली भारतीय कपड़ा मिल की स्थापना हुई थी **– 1854 में**

✷ ''राजा जनता के लिए बने हैं; जनता राजा के लिए नहीं बनी है'', राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान यह वक्तव्य दिया था **– दादाभाई नौरोजी ने**

✷ भारत में बॉय स्काउट (बालचर) और सिविल गाइड आंदोलन का जन्मदाता था **– बैडेन पॉवेल**

✷ भारत के स्वतंत्रता से संबंधित कथन सही है- **– रौलट एक्ट से सार्वजनिक रोष की एक लहर उमड़ी जिसके फलस्वरूप जलियांवाला बाग जनसंहार हुआ; सुभाष चंद्र बोस ने फारवर्ड ब्लॉक गठित किया था; भगत सिंह हिंदुस्तान रिपब्लिकन सोशलिस्ट एसोसिएशन के संस्थापकों में से एक थे।**

✷ ''मैं एक समाजवादी और गणतंत्रवादी हूं और मुझे राजाओं और राजकुमारों में विश्वास नहीं है।'' यह वक्तव्य संबंधित है **– जवाहरलाल नेहरू से**

✷ भारत में साम्यवाद का उच्चतम पुजारी कहा गया है **– जवाहरलाल नेहरू को**

✷ जवाहरलाल नेहरू का जीवनीकार है **– फ्रैंक मोरेस**

✷ राजनीतिक विरोध प्रदर्शन के बॉयकाट, घेराव, बंध तथा हड़ताल चार रूपों में से उस व्यक्ति के नाम पर आधारित है जिसने सर्वप्रथम इसका उपयोग राजनीतिक हथियार के रूप में किया **– बॉयकाट**

✷ सही कथन हैं- **– आर्य समाज की स्थापना 1875 में हुई थी।; 'अल हिलाल' को मौलाना अबुल कलाम आजाद ने प्रकाशित किया था।; कलकत्ता के प्रसिद्ध प्रेसीडेंसी कॉलेज (पूर्व हिंदू कॉलेज) की स्थापना राजा राममोहन राय ने की थी।**

✷ चंपारन आंदोलन, असहयोग आंदोलन, भारत छोड़ो आंदोलन तथा दांडी मार्च घटनाओं में से कालक्रम के अनुसार तीसरे स्थान पर आती है **– दांडी मार्च**

✷ भारतीय राजनीति में 1947 के बाद महिला ने सर्वाधिक योगदान दिया **– अरुणा आसफ अली**

✷ ''हम बहुत बड़ी भूल करेंगे यदि हम बिहार की जनता और उनके मंत्रिमंडल को लीग के नेताओं के हिंसक व असभ्य आक्रमणों के आगे आरक्षित छोड़ देंगे।'' वर्ष 1946 में यह बात की **– सरदार पटेल ने**

✷ 1921 में पहली बार 'पूर्ण स्वतंत्रता' की मांग को उठाया **– मौलाना हसरत मोहानी**

✷ भारत विभाजन के लिए मोहम्मद अली जिन्ना को सर्वाधिक उत्तरदायी ठहराया है **– लॉर्ड माउंटबेटन ने**

✷ 31 दिसंबर, 1928 को दिल्ली में हुए सर्वदलीय मुस्लिम सम्मेलन की अध्यक्षता की थी **– आगा खां**

✷ अगस्त, 1923 के बनारस हिंदू महासभा के अधिवेशन की अध्यक्षता की **– पंडित मदन मोहन मालवीय ने**

✷ भारत की कम्युनिस्ट पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के क्रमशः सबसे करीबी वर्ष हैं **– 1925, 1925**

✷ 'फ्रंटियर गांधी' का असली नाम है **– अब्दुल गफ्फार खान**

✷ अंग्रेजों के विरुद्ध खान अब्दुल गफ्फार खान द्वारा प्रारंभ किए गए आंदोलन का नाम था **– लाल कुर्ती (रेड शर्ट)**

✷ डॉ. बी.आर. अम्बेडकर पर यह कहकर आक्रमण किया ''अम्बेडकर को उदार ब्रिटिश सरकार द्वारा थोपा गया नेतृत्व प्राप्त हुआ था क्योंकि उनकी सेवाएं राष्ट्रवादी नेताओं को बाधा पहुंचाने के लिए आवश्यक थीं'' **– डॉ.बी.एस. मुंजे**

✷ त्रिपुरा की देशी रियासत स्वतंत्रता आंदोलन में बीसवीं सदी के प्रारंभ में शामिल हुई क्योंकि **– बंगाल के क्रांतिकारी त्रिपुरा में आश्रय लिए हुए थे**

✷ राजेंद्र प्रसाद रहने वाले थे **– बिहार के**

✷ महान कवि रवींद्रनाथ टैगोर एक महान चित्रकार के रूप में उभरे जब उनकी आयु थी लगभग **– सत्तर वर्ष**

✷ जगत नारायण लाल को जेल में भेजा गया **– हजारीबाग जेल**

✷ कस्तूरबा एवं महादेव देसाई की समाधियां स्थित हैं **– आगा खां पैलेस, पूना में**

✷ कांग्रेस के आधिकारिक इतिहास के रचयिता थे **– पट्टाभि सीतारमैया**

✷ भारत में उपनिवेश काल में ह्विटली आयोग का उद्देश्य था **– श्रमिकों की मौजूदा परिस्थितियों पर प्रतिवेदन कर सिफारिशें प्रस्तुत करना**

✷ कैथरीन मेयो, ऐल्डस हक्सले, चार्ल्स एंड्रूज और विलियम डिग्बी के बीच आम रिश्ता था **– उन्होंने ब्रिटिश शासन के दौरान भारत की हालत पर टिप्पणियां लिखीं**

✷ बंगाल दुर्भिक्ष का वर्ष, जिसमें लाखों लोग दिवंगत हुए थे, है – 1943

✷ विश्व में शांति और आपसी सहयोग स्थापित करने के लिए नेहरूजी ने सिद्धांत प्रस्तुत किया **– गुटनिरपेक्षता (Non-alignment)**

✷ 15 अगस्त, 1947 के बाद भारत का भाग पुर्तगाल के अधीन बना रहा **– गोवा**

✷ भारत में 15 अगस्त, 1947 के पश्चात भी औपनिवेशिक शक्ति के विरुद्ध स्वाधीनता संघर्ष जारी रखना पड़ा **– पुर्तगीज**

✷ वे समाजवाद से प्रभावित थे; वे ब्रिटिश उदारवाद से प्रभावित थे; वे महात्मा गांधी से प्रभावित थे तथा वे जर्मन राष्ट्रवाद से प्रभावित थे में से जवाहरलाल नेहरू के लिए सत्य नहीं है

— वे जर्मन राष्ट्रवाद से प्रभावित थे

✷ स्वतंत्रता पूर्व बिहार में भूमिहार, राजपूत, कायस्थ तथा कुर्मी में से एक वर्चस्वशाली जाति (Dominant Caste) नहीं थी **— कुर्मी**

✷ सही कथन है-

— भारतीय नौसेना का विद्रोह, 1946 तब हुआ जब मुंबई और कराची से रायल इंडियन नेवी के भारतीय नौसैनिक सरकार के विरुद्ध उठ खड़े हुए।

✷ सही कथन हैं-

— ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने महिलाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के प्रमुख उद्देश्य से कलकत्ता में बेथुन स्कूल स्थापित किया।; बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय कलकत्ता विश्वविद्यालय के प्रथम स्नातक थे।

✷ ब्रिटिश हाउस ऑफ कॉमन्स का चुनाव जिस प्रथम भारतीय ने लड़ा था, वह थे **— डब्ल्यू.सी. बनर्जी**

✷ ब्रिटिश संसद के सदस्य के रूप में चुने जाने वाले प्रथम भारतीय थे **— दादाभाई नौरोजी**

✷ भारत में अप्रत्यक्ष निर्वाचन की प्रथा आरंभ की गई थी **— 1892 में**

✷ देवबंद के उस विद्वान का नाम जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई **— अबुल कलाम आजाद**

✷ डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के संबंध में सही है-

— उन्होंने सिद्धार्थ कॉलेज की स्थापना की।; 1920 में उन्होंने अपनी पत्रिका मूक नायक शुरू की।; 1922 में उन्होंने डिप्रेस्ड क्लास इंस्टीट्यूट की स्थापना की।

✷ घटनाओं का सही कालानुक्रम है-

— जलियांवाला बाग हत्याकांड पर कांग्रेस समिति द्वारा सर्वसम्मति रिपोर्ट की प्रस्तुति-तुर्की को अर्पित शांति शर्तों की घोषणा-बाल गंगाधर तिलक का निधन-कलकत्ता का भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का विशेष अधिवेशन

✷ स्वाधीन भारत की प्रथम औद्योगिक नीति, जिस वर्ष घोषित की गई, वह था **— 1948**

✷ केरल में प्रथम साम्यवादी राज्य सरकार का गठन किया गया था **— 1957 में**

✷ सत्य, अहिंसा, अस्पृश्यता तथा भारी औद्योगीकरण में से किसके पक्षधर नेहरू थे, किंतु गांधीजी नहीं थे **— भारी औद्योगीकरण**

✷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में महात्मा गांधी ने कहा था, ''गांधी मर सकते हैं, परंतु गांधीवाद सदैव बना रहेगा'' **— कराची अधिवेशन, 1931**

✷ सही सुमेलित है (गांधीजी के संबंध में)-

गांधीजी को यरवदा जेल ले जाया गया	-	सविनय अवज्ञा आंदोलन
गांधीजी ने आमरण अनशन किया	-	सांप्रदायिक अवॉर्ड के विरुद्ध
कराची जाते समय काले झंडे दिखाए गए	-	दिल्ली समझौते का अनुमोदन किया
उन्होंने कहा कि यह पराजय मेरी उनसे अधिक है	-	1939 का कांग्रेस संकट

✷ सही कालक्रम है-

— असहयोग आंदोलन-साइमन कमीशन-नेहरू रिपोर्ट-भारत छोड़ो आंदोलन

✷ सही कालानुक्रम है-

— साइमन कमीशन-दांडी यात्रा-गांधी-इरविन समझौता-पूना समझौता

✷ घटनाओं का सही कालानुक्रम है-

— जिन्ना द्वारा शिमला कॉन्फ्रेंस को विध्वंस करना-कैबिनेट मिशन का पहुंचना-मुस्लिम लीग द्वारा सीधी कार्यवाही प्रारंभ करना-अंतरिम सरकार का गठन।

✷ सही क्रम है-

— सूरत विभाजन-साइमन कमीशन-सविनय अवज्ञा आंदोलन-खुदाई खिदमतगार

✷ सही सुमेलित है–

आजाद मुस्लिम कॉन्फ्रेंस	-	अल्लाह बक्श
खाकसार पार्टी	-	अल्लामा मशरिकी
खुदाई खिदमतगार	-	अब्दुल गफ्फार खां
कृषक प्रजा पार्टी	-	फजलुल हक

✷ सही सुमेलित है–

बारदोली सत्याग्रह	-	सरदार वल्लभभाई पटेल
चंपारन सत्याग्रह	-	गांधीजी
कूका आंदोलन	-	राम सिंह
लाल कुर्ती	-	गफ्फार खां

✷ सही सुमेलित है–

अवध किसान सभा	–	जवाहरलाल नेहरू
यूनाइटेड इंडियन पैट्रियाटिक एसोसिएशन	–	सर सैय्यद अहमद खान
ऑल इंडिया किसान सभा	–	आचार्य नरेंद्र देव
रैडिकल डेमोक्रेटिक पार्टी	–	एम.एन. रॉय

✷ सही सुमेलित है–

खिलाफत आंदोलन	-	अली बंधु
होमरूल आंदोलन	-	बाल गंगाधर तिलक
सविनय अवज्ञा आंदोलन	-	खान बंधु
भारत छोड़ो आंदोलन	-	बी.आर. अम्बेडकर

✷ सही सुमेलित है–

मोतीलाल नेहरू	-	नेहरू रिपोर्ट
एम.के. गांधी	-	चंपारन आंदोलन
एस.सी. बोस	-	फारवर्ड ब्लॉक
एम.ए. जिन्ना	-	पाकिस्तान के संस्थापक

✷ सही सुमेलित है–

विनोबा भावे	-	वैयक्तिक सत्याग्रह
बी.जी. तिलक	-	होमरूल आंदोलन
अरुणा आसफ अली	-	भारत छोड़ो आंदोलन
सरोजिनी नायडू	-	धरसना रेड

✷ सही सुमेलित है–

(आंदोलन आदि)		**(व्यक्ति जो जाने जाते हैं)**
होमरूल आंदोलन	–	एनी बेसेंट
बारदोली सत्याग्रह	–	वल्लभभाई पटेल
असहयोग आंदोलन	–	एम.के. गांधी
स्वराज पार्टी का निर्माण	–	सी.आर. दास

✷ सही सुमेलित है–

महात्मा गांधी	-	दांडी मार्च
जवाहरलाल नेहरू	-	लखनऊ कांग्रेस में पूर्ण स्वराज की मांग
खान अब्दुल गफ्फार खां	-	लाल कुर्ती अभियान
वल्लभभाई पटेल	-	बारदोली सत्याग्रह

✷ सही क्रम है-

— रेग्युलेटिंग एक्ट-बंगाल का विभाजन-मुस्लिम लीग की स्थापना-सूरत की फूट

✷ राष्ट्रीय आंदोलन की घटनाओं का सही क्रम है-

— चंपारन सत्याग्रह-असहयोग आंदोलन-दांडी मार्च-भारत छोड़ो आंदोलन

✷ सही क्रम है-

— होमरूल आंदोलन-रौलेट एक्ट-साइमन कमीशन-गांधी-इरविन समझौता

✷ सही कथन है-

— अंतरिम सरकार (1946) में रेल मंत्रालय का कार्य आसफ अली देखते थे; 'प्राचीन स्मारक संरक्षण कानून' जब लॉर्ड कर्जन गवर्नर जनरल थे, पारित हुआ था; रौलेट एक्ट के विरोध में स्वामी श्रद्धानंद ने लगान न देने का आंदोलन चलाने का सुझाव दिया था।

✷ सही सुमेलित है-

रानी दुर्गावती	–	गढ़ा मंडल
महारानी अहिल्याबाई	–	होल्कर राज्य
महारानी लक्ष्मीबाई	–	झांसी
बेगम रजिया सुल्तान	–	दिल्ली

✷ घटनाओं का सही कालक्रम है-

— बंग-भंग-लखनऊ समझौता-रौलेट एक्ट-द्वैध शासन का प्रवर्तन

✷ घटनाओं का सही कालानुक्रम है-

— लखनऊ समझौता-चंपारन सत्याग्रह-जलियांवाला बाग हत्याकांड-खिलाफत आंदोलन

✷ घटनाओं का सही कालानुक्रम है-

—रौलेट सत्याग्रह-जलियांवाला बाग हत्याकांड-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अमृतसर अधिवेशन (1919)-खिलाफत आंदोलन

✷ घटनाओं का सही कालानुक्रम है-

— एक अधिनियम के रूप में रौलेट विधेयक का पास होना-जलियांवाला बाग नरसंहार-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अमृतसर अधिवेशन, 1919-बी.जी. तिलक का निधन

✷ भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन से जुड़ी घटनाओं का सही कालानुक्रम है–

—महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-गांधी-इरविन समझौता-सांप्रदायिक निर्णय-पूना समझौता

✷ घटनाओं का सही कालानुक्रम है-

— होमरूल आंदोलन-चंपारन सत्याग्रह-जलियांवाला बाग हत्याकांड-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अमृतसर अधिवेशन

✷ सही कालक्रम है-

— चंपारन सत्याग्रह-रौलेट सत्याग्रह-जलियांवाला बाग हत्याकांड-चौरी चौरा की घटना

✷ सही कालानुक्रम है-

— जलियांवाला बाग त्रासदी-स्वराजिस्ट दल का निर्माण-नौजवान भारत सभा का निर्माण-दांडी मार्च

✷ सही सुमेलित है–

जमनालाल बजाज	–	वर्धा का सत्याग्रह आश्रम
दादाभाई नौरोजी	–	बंबई एसोसिएशन
लाला लाजपत राय	–	लाहौर का राष्ट्रीय विद्यालय
ज्योतिबा फूले	–	सत्यशोधक सभा

✷ सही सुमेलित है–

सूची-I		**सूची-II**
1883	-	कलकत्ता में राष्ट्रीय सम्मेलन का प्रथम अधिवेशन
1906	-	ढाका में मुस्लिम लीग की स्थापना
1927	-	अखिल भारतीय देशी राज्य प्रजा परिषद की स्थापना
1932	-	ह्वाइटहॉल से सांप्रदायिक पंचाट की घोषणा

✷ सही सुमेलित है–

मॉर्ले-मिंटो सुधार	-	सांप्रदायिक निर्वाचन क्षेत्र
साइमन कमीशन	-	देशव्यापी आंदोलन
चौरी-चौरा घटना	-	आंदोलन का वापस लिया जाना
दांडी मार्च	-	नमक का अवैध निर्माण

✷ सही सुमेलित है–

भारत से प्रकाशित प्रथम समाचार-पत्र	-	द बंगाल गजट
ऑल इंडिया हरिजन संघ के संस्थापक	-	महात्मा गांधी
गदर आंदोलन में सक्रिय भाग लेने वाले	-	हरदयाल और बाबा हरनामसिंह तुंडिलात
पिट्स इंडिया अधिनियम पारित होने के समय बंगाल का गवर्नर जनरल	-	वारेन हेस्टिंग्स

✷ सही सुमेलित है–

सूची-I अधिनियम		सूची-II (अधिकांशतः आधारित)
इंडियन काउंसिल एक्ट, 1909	-	मॉर्ले-मिंटो सुधार पर
भारत सरकार अधिनियम, 1919	-	मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार पर
भारत सरकार, अधिनियम, 1935	-	साइमन कमीशन रिपोर्ट तथा संयुक्त प्रवर समिति की सिफारिशों पर
स्वाधीनता अधिनियम, 1947	-	माउंटबेटन प्लान पर

✷ सही सुमेलित है–

अगस्त घोषणा	-	मांटेग्यू
अगस्त प्रस्ताव	-	लॉर्ड लिनलिथगो
अगस्त संकल्प	-	महात्मा गांधी
प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस	-	मुहम्मद अली जिन्ना

✷ सही सुमेलित है–

भारत शासन अधिनियम	-	1935
क्रिप्स प्रस्ताव	-	1942
अगस्त प्रस्ताव	-	1940
वेवेल योजना	-	1945

✷ वर्ष 1929 में जारी किए गए 'दीपावली घोषणा-पत्र' का संबंध था–

— डोमिनियन स्टेट्स से

✷ सही सुमेलित है–

सूची-I		सूची-II
बटलर समिति रिपोर्ट	-	भारतीय राज्यों और परमोच्च शक्ति के बीच संबंध
हार्टोग समिति रिपोर्ट	-	ब्रिटिश भारत में शिक्षा की अभिवृद्धि और प्रगति की संभावनाएं
हंटर जांच	-	जलियांवाला बाग हत्याकांड
मुडिमैन समिति रिपोर्ट	-	मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड समिति रिपोर्ट

✷ सही कथन है-

— महात्मा गांधी की आत्मकथा मूल रूप से गुजराती भाषा में लिखी गई थी; सैडलर आयोग शिक्षा से जुड़ा है; भारत में अंग्रेजी शिक्षा के प्रसार में सहायता करने के लिए हिंदू कॉलेज कलकत्ता प्रथम संस्था थी।

✷ सही सुमेलित है–

सूरत विभाजन	–	1907
सांप्रदायिक अधिनिर्णय	–	1932
सर्वदलीय सम्मेलन	–	1928
पूर्ण स्वराज का संकल्प	–	1929

✷ घटनाओं का सही अनुक्रम है

—कामागाटामारू प्रसंग-महात्मा गांधी का भारत आगमन-तिलक की होमरूल लीग

✷ घटनाओं का सही अनुक्रम है

— अगस्त प्रस्ताव-भारत छोड़ो आंदोलन-I.N.A. मुकदमा-रॉयल इंडियन नेवल रेटिंग्स का विद्रोह

✷ सही कालक्रम है–

— होमरूल आंदोलन-असहयोग आंदोलन-सविनय अवज्ञा आंदोलन-भारत छोड़ो आंदोलन

✷ सही सुमेलित है–

साइमन कमीशन	-	1927
भारत छोड़ो आंदोलन	-	1942
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का गठन	-	1885
मिंटो-मार्ले सुधार	-	1909

✷ सही कालानुक्रम है-

— साइमन कमीशन-गांधी-इरविन समझौता-क्रिप्स मिशन-देश का विभाजन

✷ सही सुमेलित है–

थियोडोर बेक	–	मोहम्मडन एंग्लो-ओरिएंटल कॉलेज, अलीगढ़
इल्बर्ट बिल	–	रिपन
फिरोजशाह मेहता	–	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
बदरुद्दीन तैयबजी	–	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

✷ घटनाओं का सही कालानुक्रम है-

— स्वदेशी आंदोलन-होमरूल आंदोलन-असहयोग आंदोलन-सविनय अवज्ञा आंदोलन

✷ आंदोलनों ने महिलाओं को घर की चार दीवारी से बाहर निकाला

— स्वदेशी आंदोलन-होमरूल आंदोलन-असहयोग आंदोलन-सविनय अवज्ञा आंदोलन

✷ सही कालानुक्रम है–

— गांधी का चंपारन सत्याग्रह-जलियांवाला बाग हत्याकांड-असहयोग आंदोलन-सविनय अवज्ञा आंदोलन

✷ सही सुमेलित है–

होमरूल लीग – लोकमान्य तिलक
नेशनलिस्ट पार्टी – मदन मोहन मालवीय
नेशनल लिबरेशन फेडरेशन – तेज बहादुर सप्रू
स्वराज पार्टी – चितरंजन दास

✷ सही सुमेलित है–

पृथक निर्वाचनों का प्रारंभ – 1909
कांग्रेस-लीग समझौता – 1916
सांप्रदायिक अवॉर्ड – 1932
मुक्ति दिवस – 1939

✷ सही सुमेलित है–

बक्सर का युद्ध – 1764
सहायक संधि – 1798
भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी का एकाधिकार – 1833
ब्रिटिश नागरिकों एवं कंपनियों के लिए भारत में व्यापार का खोला जाना – 1813

✷ सही कालक्रम है-

– क्रिप्स योजना-वैवेल योजना-कैबिनेट मिशन योजना-माउंटबेटन योजना

✷ घटनाओं का सही कालानुक्रम है-

– क्रिप्स मिशन-भारत छोड़ो आंदोलन-वैवेल ऑफर-कैबिनेट मिशन प्लान

✷ सही कालानुक्रम है–

– अगस्त प्रस्ताव-क्रिप्स मिशन की योजना-वैवेल की योजना-मंत्रिमंडल मिशन की योजना

✷ घटनाओं का सही कालक्रम है-

– चंपारन आंदोलन-जलियांवाला बाग हत्याकांड-मोपला विद्रोह-चौरी-चौरा की घटना

✷ घटनाओं का सही कालक्रम है-

– नेहरू रिपोर्ट-सविनय अवज्ञा आंदोलन-गांधी-इरविन पैक्ट-पूना पैक्ट

✷ सही कालक्रम है–

– सी. राजगोपालाचारी योजना-वैवेल योजना- कैबिनेट मिशन योजना-माउंटबेटन योजना

✷ वेवेल योजना प्रस्तुत की गई थी **– वर्ष 1945 में**

✷ सही सुमेलित है–

मैक्डोनॉल्ड – कम्युनल अवॉर्ड
लिनलिथगो – अगस्त ऑफर
डलहौजी – डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स
चेम्सफोर्ड – डाइआर्की

✷ सही सुमेलित है–

कांग्रेस का संपूर्ण स्वाधीनता प्रस्ताव – 31 दिसंबर, 1929
पूर्ण स्वराज दिवस – 26 जनवरी, 1930
दांडी मार्च – 12 मार्च, 1930
द्वितीय गोलमेज कॉन्फ्रेंस – सितंबर, 1931

✷ सही सुमेलित है–

एनी बेसेंट – गृह शासन आंदोलन
डॉ. राजेंद्र प्रसाद – चंपारन सत्याग्रह
जवाहरलाल नेहरू – भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन, 1929
अंबिका चरण मजूमदार – भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का लखनऊ अधिवेशन, 1916

✷ सही कालक्रम है–

– सी.आर. फॉर्मूला-गांधी-जिन्ना बातचीत-वेवेल योजना-कैबिनेट मिशन

✷ सही सुमेलित है–

(घटना)		(वर्ष)
असहयोग आंदोलन	-	1920
सविनय अवज्ञा आंदोलन	-	1930
कांग्रेस मंत्रिमंडलों का गठन	-	1937
भारत छोड़ो आंदोलन	-	1942

✷ सही सुमेलित है–

मदन मोहन मालवीय – हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक
मोतीलाल नेहरू – स्वराज पार्टी का अन्य लोगों के साथ गठन किया
श्रीमती एनी बेसेंट – होमरूल लीग के संस्थापक
गोपाल कृष्ण गोखले – सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी को प्रारंभ किया

✷ सही सुमेलित है–

गदर पार्टी - लाला हरदयाल
फ्रंटियर गांधी - खान अब्दुल गफ्फार
इंडियन नेशनल आर्मी - सुभाष चंद्र बोस
भारत के प्रथम राष्ट्रपति - डॉ. राजेंद्र प्रसाद

✷ घटनाओं का सही कालक्रम है–

–मिंटो-मार्ले सुधार-मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार-चौरी-चौरा कांड-दांडी यात्रा

✷ घटनाओं का सही कालक्रम है-

– सविनय अवज्ञा आंदोलन-वैयक्तिक सत्याग्रह-क्रिप्स मिशन-भारत छोड़ो आंदोलन

✷ सही कालक्रम है-

– साइमन कमीशन-पूना पैक्ट-क्रिप्स मिशन-कैबिनेट मिशन

✷ सही सुमेलित है–

आंदोलन/सत्याग्रह		सक्रिय संबद्ध व्यक्ति
चंपारन	–	राजेंद्र प्रसाद
अहमदाबाद मिल श्रमिक	–	अनुसूइया बेन
खेड़ा	–	वल्लभभाई पटेल

✷ घटनाओं का सही कालक्रम है-
— चंपारन सत्याग्रह-तिलक की मृत्यु-दांडी यात्रा-शिमला समझौता

✷ सही कालक्रम है-
— स्वदेशी आंदोलन-जलियांवाला बाग नरसंहार-दांडी मार्च-भारत छोड़ो आंदोलन

✷ सही कालक्रम है-
— पूना पैक्ट-भारत छोड़ो आंदोलन-शिमला कॉन्फ्रेंस-कैबिनेट मिशन

✷ सही कालक्रम है-
—बंग-भंग का निर्णय-कांग्रेस के उद्देश्य के रूप में स्वराज्य को स्वीकार करना-स्वदेशी आंदोलन की औपचारिक घोषणा-सूरत-फाड़

✷ **कथन (A) :** उपनिषदों के प्रति नेहरू की श्रद्धा नहीं थी।
कारण (R) : उनकी दृष्टि वैज्ञानिक थी।
— (A) गलत है किंतु (R) सही है

✷ 'डोडो' की भांति ''साम्राज्यवाद'' दिवंगत हो चुका है, कथन है? **— क्लीमेंट एटली का**

✷ ''यहां (भारत में) एक क्रांति होने जा रही है और हमें जल्दी से चले जाना चाहिए।'' यह कहा **— सर स्टैफोर्ड क्रिप्स ने**

✷ प्रथम अणुबम विस्फोट किया गया **— हिरोशिमा में**

✷ फ्रांसीसी क्रांति प्रारंभ हुई **— 1789 ई. में**

✷ सही कालक्रम है-
— चंपारन आंदोलन-अमृतसर घटना-मोपला विद्रोह-चौरी-चौरा घटना

✷ सही कथन है-
— जवाहरलाल नेहरू मृत्यु के समय भारत के प्रधानमंत्री की चौथी पदावधि में थे; भारत के प्रथम गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री वर्ष 1977 में पद पर नियुक्त हुए।

✷ घटनाओं का सही कालक्रम-
— लखनऊ समझौता-गांधी-इरविन समझौता-पूना समझौता-सविनय अवज्ञा आंदोलन की अंतिम रूप से वापसी

✷ सही सुमेलित है–

बारदोली	–	गुजरात
चौरी-चौरा	–	उत्तर प्रदेश
यरवदा	–	महाराष्ट्र
नोआखली	–	पश्चिम बंगाल

✷ सही कथन हैं-
— शक-संवत् पर आधारित राष्ट्रीय पंचांग में 1 चैत्र सामान्यतः 22 मार्च को और अधिवर्ष में 21 मार्च को पड़ता है।
भारत के राष्ट्रीय ध्वज के प्रारूप को संविधान सभा ने 22 जुलाई, 1947 को अपनाया था
रवींद्रनाथ ठाकुर द्वारा मूल बंगला में रचित गान 'जन-गण-मन' के हिंदी संस्करण को संविधान सभा ने भारत के राष्ट्रगान के रूप में 24 जनवरी, 1950 को अपनाया था

✷ घटनाओं का सही कालक्रम है-
— ख्रुश्चेव एवं बुलगानिन की भारत यात्रा-दलाईलामा का भागकर भारत आना-चाउ-एन-लाई का भारत में आगमन-गोवा मुक्ति।

✷ भारत और पाकिस्तान के बीच शिमला समझौता हस्ताक्षरित हुआ था **— 1972 में**

✷ भारत ने 'ऑपरेशन विजय' चलाया था **— पाकिस्तान के विरुद्ध**

✷ कृषक दिवस मनाया जाता है **— 23 दिसंबर को**

✷ सुमेलित है-

रबींद्रनाथ टैगोर	–	साहित्य
अमर्त्य सेन	–	अर्थशास्त्र
चंद्रशेखर	–	खगोल भौतिकी
वीनू मांकड़	–	क्रिकेट

✷ प्रथम भारतीय नोबेल पुरस्कार विजेता थे **— रबींद्रनाथ टैगोर**

✷ सही कालक्रम है-
— चंद्रशेखर आजाद की शहादत-गांधी-इरविन समझौता-भगत सिंह को फांसी-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 1931 का कराची अधिवेशन

✷ घटनाओं का सही कालक्रम है-
— 1929 का भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन-गांधी-इरविन समझौता-राजगुरु को फासी- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का कराची अधिवेशन

✷ सही सुमेलित है–

सुभाष चंद्र बोस	–	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का हरिपुरा अधिवेशन
वल्लभभाई पटेल	–	ऑपरेशन पोलो
इकबाल	–	1930 का मुस्लिम लीग का इलाहाबाद अधिवेशन
बटुकेश्वर दत्त	–	सेंट्रल असेम्बली में बम फेंका जाना

✷ प्रथम अखिल भारतीय समाजवादी युवा कांग्रेस के सभापति थे **— जवाहरलाल नेहरू**

✷ अलीपुर सेंट्रल जेल स्थित है **— कोलकाता में**

✷ 'ऑपरेशन पोलो' जुड़ा है **— हैदराबाद राज्य में सैनिक कार्यवाही से**

✷ राज्य का सचिवालय भवन 'राइटर्स बिल्डिंग' के नाम से जाना जाता है **— पश्चिम बंगाल**

✷ भारत में 'शिक्षक दिवस' मनाया जाता है **— 5 सितंबर को**

✷ राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है **— 16 नवंबर को**

✷ भारतीय किसान यूनियन की स्थापना की गई थी **— 1986 में**

✷ वह सिद्धांत जिसके माध्यम से कार्ल मार्क्स ने वर्ग संघर्ष की प्रक्रिया को समझाया है **— द्वंद्वात्मक भौतिकवाद**

✷ 'वेलेन्टाइन डे (दिवस)' प्रति वर्ष मनाया जाता है **—14 फरवरी को**

✷ आजकल का कैलेंडर आधारित है **— ग्रिगोरियन कैलेंडर पर**

✷ 'फालुन गांग' एक लोकप्रिय आंदोलन होता जा रहा है **— चीन में**

✷ मदर टेरेसा के संबंध में सही है

— उनका जन्म अल्बानिया में हुआ था; वे 18 वर्ष की उम्र में ही नन बन गई थीं तथा एक समय में वे कलकत्ता में शिक्षिका थीं।

✷ मदर टेरेसा के द्वारा स्थापित धर्म संघ कहलाता है

— मिशनरीज ऑफ चैरिटी (Missionaries of Charity)

✷ सही सुमेलित है–

विधि सेवा दिवस	–	9 नवंबर
विश्व पर्यटन दिवस	–	27 सितंबर
विश्व थियेटर दिवस	–	27 मार्च
अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस	–	8 सितंबर

✷ सही सुमेलित है–

11 जुलाई	-	विश्व जनसंख्या दिवस
12 अगस्त	-	अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस
29 अगस्त	-	राष्ट्रीय खेल दिवस
8 सितंबर	-	विश्व साक्षरता दिवस

✷ लोक सेवा दिवस मनाया जाता है — 21 अप्रैल को

✷ सही सुमेलित है–

फतहसिंह राठौड़	-	टाइगर मैन
सुरेश तेंदुलकर	-	अर्थशास्त्र
मणि कौल	-	फ़िल्म निर्माता
आर. एस. शर्मा	-	इतिहासकार

✷ सही सुमेलित है–

यलोस्टोन	–	संयुक्त राज्य अमेरिका
एफिल टॉवर	–	पेरिस
पेगोडा	–	म्यांमार
पिरामिड	–	मिस्र

✷ विश्व की प्रथम महिला प्रधानमंत्री थीं **— सिरीमावो भण्डारनायके**

✷ ब्रिटिश प्रधानमंत्री के सरकारी आवास का नाम है **— 10 डाउनिंग स्ट्रीट**

✷ चीन ने तिब्बत पर कब्जा किया — 1959 में

✷ भारत-पाकिस्तान के युद्ध के पश्चात बांग्लादेश एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ था **— दिसंबर, 1971 में**

✷ सोवियत संघ रूस बना **— 1991 में**

✷ जर्मनी का एकीकरण हुआ **— 3 अक्टूबर, 1990 को**

✷ संयुक्त राज्य अमेरिका का 1941 ई. में दूसरे विश्व युद्ध में शामिल होने का मुख्य कारण था **— पर्ल हार्बर पर आक्रमण**

✷ संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रथम राष्ट्रपति थे **— जॉर्ज वाशिंगटन**

✷ बिल क्लिंटन, रिचर्ड निक्सन तथा जॉर्ज डब्ल्यू. बुश (सीनियर) में से संयुक्त राज्य अमेरिका का वह राष्ट्रपति जिसने राष्ट्रपति पद से त्यागपत्र दिया हो **— रिचर्ड निक्सन**

✷ बिशप टुटू देश से संबंधित है **— द. अफ्रीका**

✷ चीन में वास्तविक कागज के निर्माण का श्रेय दिया जाता है **— साई-लून को**

✷ सही कथन है- **— प्लेटो, सुकरात के शिष्य थे**

✷ पुनर्जागरण संस्कृति के इटली में प्रारंभ होने का कारण था **— विचारों को व्यक्त करने की स्वतंत्रता**

✷ 'अपार्थिव' है **— एक उपन्यास शृंखला**

पत्रिकाएं, पुस्तकें और उनके लेखक

✷ सही सुमेलित है–

अबुल कलाम आज़ाद	-	इंडिया विन्स फ्रीडम
एनी बेसेंट	-	न्यू इंडिया
बाल गंगाधर तिलक	-	केसरी
महात्मा गांधी	-	हिंद स्वराज

✷ 'बापू : माई मदर' शीर्षक संस्मरण लिखा था **— मनुबहन ने**

✷ 'गीता रहस्य' नामक ग्रंथ लिखा गया **— बाल गंगाधर तिलक द्वारा**

✷ अरविंद घोष ने लिखा था **— द लाइफ डिवाइन**

✷ 19वीं शताब्दी का प्रथम इतिहासकार जिसने राजस्थान की सामंतवादी व्यवस्था के बारे में लिखा, वह थे **— कर्नल जेम्स टॉड**

✷ सही सुमेलित है–

अनहैप्पी इंडिया	-	लाला लाजपत राय
दुर्गेश नंदिनी	-	बंकिमचंद्र चटर्जी
इंडिया विन्स फ्रीडम	-	अबुल कलाम आज़ाद
पावर्टी एंड अन-ब्रिटिश रूल इन इंडिया	-	दादाभाई नौरोजी

✷ सही सुमेलित है–

लारी कॉलिंस एंड डोमिनिक लेपियर	-	फ्रीडम एट मिडनाइट
दुर्गा दास	-	इंडिया फ्रॉम कर्जन टू नेहरू एंड ऑफ्टर
रफीक जकारिया	-	द मैन हू डिवाइडेड इंडिया
मौलाना अबुल कलाम आजाद	-	इंडिया विन्स फ्रीडम

✷ सही सुमेलित है–

इंडिया विन्स फ्रीडम	–	अबुल कलाम आजाद
रन्स एंड रुइन्स	–	सुनील गावस्कर
यंग इंडिया	–	महात्मा गांधी
न्यू इंडिया	–	एनी बेसेंट

✷ सही सुमेलित है–

वैलेंटाइन शिरोल	–	इंडियन अनरेस्ट
रफीक जकारिया	–	द मैन हू डिवाइडेड इंडिया
सुभाष चंद्र बोस	–	इंडियन स्ट्रगल
वी.डी. सावरकर	–	इंडियन वार ऑफ इंडिपेंडेंस

✷ सही सुमेलित है–

सुरेंद्रनाथ बनर्जी	–	ए नेशन इन द मेकिंग
लाला लाजपत राय	–	ऑटोबायोग्राफिकल राइटिंग्ज (आत्म-चरितात्मक रचनाएं)
सुभाष चंद्र बोस	–	द इंडियन स्ट्रगल
एम.के. गांधी	–	हिंद स्वराज

✷ सही सुमेलित है–

जवाहरलाल नेहरू	-	डिस्कवरी ऑफ इंडिया
मौलाना अबुल कलाम आजाद	-	इंडिया विन्स फ्रीडम
सुभाष चंद्र बोस	-	इंडियन स्ट्रगल
लाला लाजपत राय	-	अनहैप्पी इंडिया

✷ सही सुमेलित है–

हिस्ट्री ऑफ द फ्रीडम मूवमेंट इन इंडिया	-	ताराचंद
हिस्ट्री ऑफ द फ्रीडम मूवमेंट इन बिहार	-	के.के. दत्ता
आनंदमठ	-	बंकिमचंद्र चटर्जी
प्रीसेप्ट्स ऑफ जीसस	-	राजा राममोहन राय
अवर इंडियन मुसलमान्स	-	डब्ल्यू.डब्ल्यू. हंटर

✷ सही सुमेलित है–

वी.डी. सावरकर	-	दी इंडियन वार ऑफ इंडिपेंडेंस
आर.सी. मजूमदार	-	दी सेपॉय म्यूटिनी एंड रिवोल्ट ऑफ 1857
रूद्रांगशू मुखर्जी	-	अवध इन रिवोल्ट (1857-1858)
एस.बी. चौधरी	-	सिविल रिबेलियंस इन दी इंडियन म्यूटिनीज (1857-1859)

✷ सही सुमेलित है–

ऐलान-ए-हक	-	विपिन चंद्र पाल
अल-हिलाल	-	डॉ. जाकिर हुसैन
तहजीब-उल-एखलाक	-	सर सैयद अहमद खां
युगांतर	-	अरविंद घोष

✷ सही सुमेलित है–

सुभाष चंद्र बोस	-	इंडियन स्ट्रगल
ह्यूटोये	-	स्प्रिंगिंग टाइगर
फिलिप्स टालबॉट	-	अमेरिकन विटनेस टू इंडियाज पार्टीशंस
अबुल कलाम आजाद	-	इंडिया विन्स फ्रीडम

✷ 'स्प्रींगिंग टाइगर' पुस्तक जीवनी है **— सुभाष चंद्र बोस की**

✷ सही सुमेलित है–

भगत सिंह	-	एन इंट्रोडक्सन टू दी ड्रीमलैंड
सुभाष चंद्र बोस	-	इंडियन स्ट्रगल
सचीन्द्रनाथ सान्याल	-	बंदी जीवन

✷ सही सुमेलित है–

श्यामजी कृष्ण वर्मा : दी इंडियन सोशियोलॉजिस्ट
सचींद्रनाथ सान्याल : बंदी जीवन
लाला रामसरन दास : दी ड्रीमलैंड
भगवती चरण वोहरा : दी फिलॉसफी ऑफ बम

✷ 'अनाइहिलेशन ऑफ कास्ट' के लेखक हैं **— डॉ.बी.आर. अम्बेडकर**

✷ सही सुमेलित है–

दुर्गादास	–	इंडिया फ्रॉम कर्जन टू नेहरू एंड ऑफ्टर
लुई फिशर	–	द लाइफ ऑफ महात्मा गांधी
फ्रेंक मोरेस	–	जवाहरलाल नेहरू ए बायोग्राफी
मौलाना अबुल कलाम आजाद	–	इंडिया विन्स फ्रीडम

✷ सही सुमेलित है–

एस.सी. बोस	:	इंडियन स्ट्रगल
दादाभाई नौरोजी	:	पॉवर्टी एंड अनब्रिटिश रूल इन इंडिया
राजेंद्र प्रसाद	:	इंडिया डिवाइडेड
फ्रैंक मोरेस	:	जवाहरलाल नेहरू ए बायोग्राफी

✷ सही सुमेलित है–

लाजपत राय	:	अनहैप्पी इंडिया
दादाभाई नौरोजी	:	पावर्टी एंड अनब्रिटिश रूल इन इंडिया
रफ़ीक़ ज़कारिया	:	द मैन हू डिवाइडेड इंडिया
सुभाष चंद्र बोस	:	इंडियन स्ट्रगल

✷ 'गिल्टी मेन ऑफ इंडियाज पार्टीशन' पुस्तक लिखी है **— डॉ. राम मनोहर लोहिया**

✷ सही सुमेलित है–

एच.वी. हॉडसन	:	दी ग्रेट डिवाइड
जवाहरलाल नेहरू	:	ग्लिम्सेस ऑफ दि वर्ल्ड हिस्ट्री
राम मनोहर लोहिया	:	दी गिल्टीमेन ऑफ इंडियाज पार्टीशन
महात्मा गांधी	:	हिंद स्वराज

✷ सही सुमेलित है–

बंकिमचंद्र चटर्जी	-	आनंद मठ
माइकेल मधुसूदन दत्त	-	कैप्टिव लेडी
रवींद्रनाथ टैगोर	-	गोरा
सरोजिनी नायडू	-	द ब्रोकेन विंग

✷ 'गीतांजलि' का अंग्रेजी संस्करण प्रकाशित हुआ था **—1912 में**

✷ सही सुमेलित है—

महात्मा गांधी	-	हिंद स्वराज
राम मनोहर लोहिया	-	द व्हील ऑफ हिस्ट्री
डॉ. राजेंद्र प्रसाद	-	इंडिया डिवाइडेड
अबुल कलाम आजाद	-	इंडिया विन्स फ्रीडम

✷ महात्मा गांधी ने ब्रिटिश पार्लियामेंट को बांझ और वेश्या कहा है **— हिंद स्वराज में**

✷ 'गोखले माई पॉलिटिकल गुरु' पुस्तक लिखी है **— एम.के. गांधी ने**

✷ सही सुमेलित है—

राजेंद्र प्रसाद	—	इंडिया डिवाइडेड
दिलीप मुखर्जी	—	टेररिस्ट
एस.एन. बनर्जी	—	नेशन इन मेकिंग
महात्मा गांधी	—	माई एक्सपेरिमेंट विद ट्रुथ

✷ सही सुमेलित है—

डी. पी. मिश्र	-	लिविंग एन एरा
जवाहरलाल नेहरू	-	भारत की खोज
राजेंद्र प्रसाद	-	इंडिया डिवाइडेड
सुभाष चंद्र बोस	-	इंडियन स्ट्रगल

✷ प्रसिद्ध पुस्तक 'फाउंडेशन ऑफ इंडियन कल्चर' के लेखक हैं **— श्री अरबिंद**

✷ 'बहुविवाह' नामक पुस्तक लिखी **— ईश्वर चंद्र विद्यासागर**

✷ सही सुमेलित है—

बंकिम चंद्र	—	देबी चौधुरानी
दीनबंधु मित्र	—	नीलदर्पण
प्रेमचंद	—	शतरंज के खिलाड़ी

✷ 'चंद्रकांता' उपन्यास के लेखक हैं— देवकीनंदन खत्री

✷ सही सुमेलित है—

लेखक		पुस्तक
अमृत लाल नागर	—	अमृत और विष
सुमित्रानंदन पंत	—	चिदंबरा
शरतचंद्र चटर्जी	—	देवदास
जयदेव	—	गीत गोविंद

✷ प्रसिद्ध पुस्तक, ''दास कैपिटल'' लिखी गई है **— कार्ल मार्क्स द्वारा**

✷ एम.एन. राय की उत्प्रवासी साम्यवादी पत्रिका थी **— वैंगार्ड**

✷ गीतांजलि, आनंदमठ, सत्यार्थ प्रकाश तथा गीता रहस्य पुस्तकों में से वह पुस्तक जिसका संबंध भारत में राष्ट्रीय आंदोलन के विकास से जोड़ा जाता है **— आनंदमठ**

✷ उपन्यास 'दुर्गेशनंदिनी' के लेखक हैं **— बंकिमचंद्र चटर्जी**

✷ ''बंगाली देशभक्ति की बाइबिल'' मानी जाती है **— आनंदमठ**

✷ वन्दे मातरम् का गीत जिसने उनकी आजादी की लड़ाई में भारत के देशभक्त सपूतों को बड़ी प्रेरणा प्रदान की, अंकित है **— आनंदमठ में**

✷ क्रांतिकारी रचना 'चेतावनी का चूंगट्या' के रचयिता थे **— बारहठ केसरी सिंह**

✷ महात्मा गांधी ने अपनी आत्मकथा मूलरूप में लिखी **— गुजराती में**

✷ 'हिंद स्वराज' महात्मा गांधी द्वारा लिखी गई थी **— गुजराती में**

✷ एम.के. गांधी ने 'हिन्द स्वराज' लिखी **— 1909 में**

✷ भारतेंदु हरिश्चंद्र की प्रसिद्ध कृति है **— भारत दुर्दशा**

✷ 'अंधेर नगरी चौपट राजा' नाटक लिखा **— भारतेंदु हरिश्चंद्र ने**

✷ सुब्रमण्यम भारती कवि थे **— तमिल भाषा के**

✷ 'भारत भारती' के लेखक हैं **— मैथिलीशरण गुप्त**

✷ 'राष्ट्रकवि' की उपाधि अपनी साहित्यिक कृतियों द्वारा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में हेतु प्राप्त हुई थी **— मैथिलीशरण गुप्त को**

✷ सही कथन है-

— नीलदर्पण नील की खेती करने वाले किसानों के शोषण पर आधारित नाटक था; 'घासीराम कोतवाल' नामक नाटक के लेखक का नाम विजय तेंदुलकर है; उर्दू रंगमंच, पारसी थियेटर पर बहुत अधिक आधारित हुआ करता था

✷ 'संघर्ष की ओर' पुस्तक के लेखक थे **— जयप्रकाश नारायण**

✷ 'प्रिजन डायरी' पुस्तक लिखी **— जयप्रकाश नारायण ने**

✷ 'ए पैसेज टू इंडिया' पुस्तक लिखी थी **— ई.एम.फोर्स्टर**

✷ 'इंडियाज स्ट्रगल फॉर इंडिपेंडेंस' पुस्तक के लेखक हैं **— बिपिन चंद्र**

✷ इंडियन नेशनल मूवमेंट : दि लॉन्ग टर्म डाइनेमिक्स के लेखक हैं **— बिपिन चंद्र**

✷ ''आउट ऑफ प्रिंट : न्यूजपेपर्स, जर्नलिज्म, एंड द बिजनेस ऑफ न्यूज इन द डिजिटल एज'' नामक पुस्तक के लेखक हैं **— प्रोफेसर जॉर्ज ब्रॉक**

✷ 'मदर इंडिया' पुस्तक लिखी गई थी **— कैथरीन मेयो द्वारा**

✷ सही सुमेलित है—

द फर्स्ट इंडियन वार ऑफ इंडिपेंडेंस	—	विनायक दामोदर सावरकर
आनंदमठ	—	बंकिमचंद्र चटर्जी
लाइफ डिवाइन	—	श्री अरबिंदो
साधना	—	रवींद्रनाथ टैगोर

✷ 'झंडा गीत' लिखा है **— श्यामलाल पार्षद ने**

✷ राष्ट्रभक्ति गीत 'ऐ मेरे वतन के लोगों', लिखा गया **— प्रदीप द्वारा**

✷ कवि इकबाल जिन्होंने 'सारे जहां से अच्छा' लिखा, संबंधित हैं **— पंजाब से**

✷ ''मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना'' यह पंक्ति अपनी रचना में लिखी — **मुहम्मद इकबाल ने**

✷ 'मैं अनीश्वरवादी क्यों हूं' शीर्षक की पुस्तिका लिखी गई थी — **भगत सिंह द्वारा**

✷ भारत के स्वदेशी आंदोलन के दौरान लिखे गए गीत 'आमार सोनार बांगला' ने बांग्लादेश को उसके स्वतंत्रता संग्राम में प्रोत्साहित किया और उसे बांग्लादेश ने राष्ट्रीय गान के रूप में अपनाया। यह गीत लिखा था — **रवींद्रनाथ टैगोर ने**

✷ 'जन-गण-मन' की रचना की — **रवींद्रनाथ टैगोर ने**

✷ 'गोल्डन थ्रेशहोल्ड' नामक कविता-संग्रह की रचयिता है — **सरोजिनी नायडू**

✷ 'लैंडमार्क्स इन इंडियन कॉन्स्टीट्यूशनल एंड नेशनल डेवलपमेंट' नामक पुस्तक के लेखक हैं — **गुरुमुख निहाल सिंह**

✷ 'कांग्रेस प्रेजिडेंशियल एड्रेसेज' के संपादक थे — **जी.एन. नटेशन**

✷ पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' लिखी थी — **अहमदनगर फोर्ट जेल में**

✷ सही सुमेलित है–

लेडी कैथरीन मेयो	–	मदर इंडिया
लॉरी कॉलिंस एंड डोमिनिक लेपियर	–	फ्रीडम एट मिडनाइट
राम मनोहर लोहिया	–	गिल्टी मेन ऑफ इंडियाज़ पार्टीशन
जवाहरलाल नेहरू	–	डिस्कवरी ऑफ इंडिया (भारत की खोज)

✷ 'माउंटबेटन एंड दी पार्टीशन ऑफ इंडिया' पुस्तक के लेखक थे — **लॉरी कॉलिंस एंड डोमिनिक लेपियर**

✷ 'जर्नी थ्रू दी किंगडम ऑफ अवध इन दी ईयर 1849-50' रिपोर्ट लिखी गई थी — **डब्ल्यू.एच. स्लीमैन द्वारा**

✷ 'इंडियन वार ऑफ इंडिपेंडेंस 1857' के लेखक हैं — **वी.डी. सावरकर**

✷ सही सुमेलित है–

रोमेश चंद्र दत्त	–	द इकोनॉमिक हिस्ट्री ऑफ इंडिया अंडर अर्ली ब्रिटिश रूल
जॉन आर. मैक्लेन	–	इंडियन नेशनलिज़्म एंड अर्ली कांग्रेस
बीरेंद्र नाथ गांगुली	–	इंडियन इकोनॉमिक थॉट- 19th सेंचुरी परस्पेक्टीव्स
बिपिन चंद्र	–	द राइज़ एंड ग्रोथ ऑफ इकोनॉमिक नेशनलिज़्म इन इंडिया

✷ 'दि रूट्स ऑफ एन्सियंट इंडिया' के लेखक थे — **डब्ल्यू.ए. फेअरसर्विस**

✷ पुस्तक 'भारत की दूसरी स्वतंत्रता' के लेखक हैं — **एम.जी. देवासहायाम**

✷ सही समेुलित हैं–

प्रिय प्रवास	–	अयोध्या प्रसाद 'हरिऔध'
गबन	–	प्रेमचंद
एटर्नल इंडिया	–	इंदिरा गांधी
शाहनामा	–	फिरदौसी

✷ सही सुमेलित है–

ऑटोबायोग्रॉफी ऑफ ऐन अननोन इंडियन	–	नीरद सी. चौधरी
इंडिया : ए वून्डड सिविलाइजेशन	–	वी.एस. नायपॉल
कन्फैशन्स ऑफ ए लवर	–	मुल्क राज आनंद
दि इंग्लिश टीचर	–	आर.के. नारायण

✷ 'प्लानिंग एंड दि पुअर' नामक शीर्षक पुस्तक के रचयिता हैं — **बी.एस. मिन्हास**

✷ 'द प्रॉब्लम्स ऑफ द फॉर ईस्ट' नामक पुस्तक के लेखक हैं — **कर्जन**

✷ 'दी अनटोल्ड स्टोरी' लिखी है — **जनरल कौल ने**

✷ प्रसिद्ध पुस्तक 'दि अल्फाबेट' के लेखक थे — **डेविड डिरिन्जर**

✷ 'द प्राउडेस्ट डे' पुस्तक के लेखक थे — **एंथोनी रीड तथा डेविड फिशर**

✷ सही सुमेलित है–

माई म्यूजिक, माई लाइफ	–	रविशंकर
आधा गांव	–	राही मासूम रजा
राधा	–	रमाकांत रथ
द पिल्फेरर	–	लक्ष्मण गायकवाड़

✷ सही सुमेलित है–

बाकी इतिहास	-	बादल सरकार
सीता स्वयंवर	-	विष्णु दास भावे
ययाति	-	विष्णु सखाराम खांडेकर
गिद्ध	-	जब्बार पटेल

✷ सही सुमेलित है–

शशि थरूर	–	शो बिज़नेस
अमिताभ	–	सर्किल ऑफ रीजन
अनीता देसाई	–	क्लियर लाइट ऑफ डे
विक्रम चंद्र	–	लव एंड लॉगिंग इन बॉम्बे

✷ सही सुमेलित हैं–

घर और अदालत	–	लीला सेठ
झोपड़ी से राष्ट्रपति भवन तक	–	महेंद्र कुलश्रेष्ठ
इमैजिंग इंडिया	–	नंदन नीलेकणि
जर्नी थ्रू बाबूडम एंड नेतालैंड	–	टी.एस.आर. सुब्रमनियम

✷ 'गोदान' और 'गबन' दोनों ही जिस लेखक की रचनाएं हैं, उनका नाम है — **मुंशी प्रेमचंद**

✷ 'निर्मला' के लेखक हैं — **मुंशी प्रेमचंद**

✷ 'सोज-ए-वतन' पुस्तक के लेखक हैं **— मुंशी प्रेमचंद**

✷ 'मालगुडी डेज' के रचनाकार हैं **— आर.के. नारायण**

✷ हेंस क्रिश्चियन एंडरसन ने रचना की है **— परियों की कहानियों की**

✷ सही सुमेलित है–

अबुल कलाम आजाद	–	इंडिया विन्स फ्रीडम
मणिशंकर अय्यर	–	दि पाकिस्तान पेपर्स
सविता पांडे	–	दि फ्यूचर ऑफ एन.पी.टी.
मार्गेट थैचर	–	दि पाथ टू पॉवर

✷ 'दि गोल्डन गेट' के रचयिता हैं **— विक्रम सेठ**

✷ ''लखनऊ बॉय'' शीर्षक से अपनी आत्मकथा लिखी है **— विनोद मेहता ने**

✷ 'साइलेंट स्प्रिंग' के लेखक हैं **— रशेल कार्सन**

✷ 'दि सैटेनिक वर्सेस' लिखी थी **— सलमान रुश्दी ने**

✷ 'टू इयर्स एट मंथ्स एंड ट्वेन्टी-एट नाइट्स' के लेखक हैं **— सलमान रुश्दी**

✷ 'नेमसेक' पुस्तक के लेखक हैं **— झुम्पा लाहिड़ी**

✷ 'दि रोड अहेड' नामक पुस्तक के लेखक हैं **— बिल गेट्स**

✷ 'मानस के हंस' के लेखक हैं **— अमृतलाल नागर**

✷ सुमित्रानंदन पंत विख्यात हैं एक **— छायावादी कवि के रूप में**

✷ 'डायना : ए ट्रिब्यूट' के लेखक हैं **— जूलिया डेलानो**

✷ 'हैरी पॉटर' उपन्यास में कोर्नेलियस फज हैं **— जादू का मंत्री**

✷ स्वर्गीय हरिवंश राय बच्चन की कविताओं का सही कालक्रम है- **— मधुशाला-मधुबाला-मधुकलश**

✷ पुस्तक 'बुलेट फॉर बुलेट : माई लाइफ एज़ ए पुलिस ऑफीसर' के लेखक हैं **— जुलियस रिबेरो**

✷ पुस्तक 'रोमांसिंग विद लाइफ : एन ऑटोबायोग्राफी' किसने लिखी **— देवानंद ने**

✷ सही सुमेलित है–

द स्ट्रगल इज माई लाइफ	–	नेल्सन मंडेला
द स्ट्रगल एंड द ट्राइअम्फ	–	लेक वालेसा
फ्रेंड्स एंड फोज़	–	शेख मुजीबुर्रहमान
रीबर्थ	–	लियोनिद ब्रेझनेव

✷ सही सुमेलित है–

प्राइस ऑफ पार्टीशन	–	रफीक जकारिया
आनंदमठ	–	बंकिमचंद्र चटर्जी
इंडिया 2020	–	ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
पैथोलॉजी ऑफ करप्शन	–	एस.एस. गिल
यूलीसिस	–	जेम्स जायस

✷ सही सुमेलित है–

डब्ल्यू.सी. स्मिथ	–	मॉडर्न इस्लाम इन इंडिया
खालिद बिन सईद	–	पाकिस्तान : द फॉरमेटिवमोइन
शकीर	–	खिलाफत टू पार्टीशन
पीटर हॉर्डी	–	द मुस्लिम्स ऑफ ब्रिटिश इंडिया

✷ 'हार्ट ऑफ इंडिया' पुस्तक लिखी है **— मार्क टुली**

✷ पुस्तक 'नाइनटीन एट्टी फोर' लिखी गई है **— जॉर्ज ऑरवेल द्वारा**

✷ अंग्रेजी उपन्यास 'द गॉड ऑफ स्माल थिंग्स' लिखा है **— अरुंधति रॉय ने**

✷ 'मृगनयनी' के लेखक हैं **— वृंदावन लाल वर्मा**

✷ इंद्रावती, पद्मावती, मधुमालती तथा मृगावती हिंदी रचनाओं में से पहले लिखी गई थी **— मृगावती**

✷ 'एन इक्वल म्यूजिक' लिखी है **— विक्रम सेठ ने**

✷ 'बिखरे मोती' की रचयिता हैं **— सुभद्रा कुमारी चौहान**

✷ 'नौकर की कमीज' के लेखक हैं **— विनोद कुमार शुक्ल**

✷ उपन्यास 'डेविड कॉपरफील्ड' के रचयिता थे **— चार्ल्स डिकिंस**

✷ 'दि प्राउडेस्ट डे' नामक पुस्तक की कहानी का संबंध है **— भारत की स्वतंत्रता से**

✷ तस्लीमा नसरीन लेखिका हैं **— लज्जा, उतल हवा, अमार माया बेला की**

✷ सही सुमेलित है–

हाफ़ ए लाइफ	–	वी.एस. नायपॉल
वर्शिपिंग फाल्स गॉड्स	–	अरुण शौरी
अग्नि की उड़ान	–	ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
जीत आपकी	–	शिव खेड़ा

✷ सही सुमेलित है–

गांधीयन कांस्टीट्यूशन फॉर इंडिया	–	श्रीमन नारायण
द रिपब्लिक ऑफ इंडिया	–	एलन ग्लेडहिल
द व्हाइट अम्ब्रेला	–	डी. मेकेंजी ब्राउन
द पॉलिटिक्स ऑफ इंडिया सिन्स इंडिपेंडेंस	–	पॉल आर. ब्रास

✷ 'कामायनी' के रचयिता थे **— जयशंकर प्रसाद**

✷ ''जियोग्राफिकल फैक्टर्स, इन इंडियन हिस्ट्री'' पुस्तक लिखी **— के.एम. पणिक्कर ने**

✷ 'बैगा' नामक पुस्तक लिखी है **— वेरियर एल्विन ने**

✷ शरतचंद्र का लिखा उपन्यास है **— चरित्रहीन, श्रीकांत, शेष प्रश्न**

✷ खुशवंत सिंह द्वारा लिखी गई आत्मकथा का नाम है **—ट्रुथ लव एंड ए लिटिल मैलिस**

✷ 'न्यू डाइमेंशंज ऑफ इंडियाज फॉरेन पॉलिसी' पुस्तक के लेखक हैं **— ए.बी. वाजपेयी**

✷ 'इग्नाइटेड माइंड्स' के लेखक हैं **— ए.पी.जे. अब्दुल कलाम**

✷ 'द पोस्ट अमेरिकन वर्ल्ड' नामक पुस्तक के लेखक हैं **— फरीद जकारिया**

✷ पुस्तक 'दि स्टोरी ऑफ दि इंटीग्रेशन ऑफ दि इंडियन स्टेट्स' लिखी
– वी.पी. मेनन ने

✷ 'अयोध्या : 6 दिसंबर 1992' नामक पुस्तक लिखी
– पी.वी. नरसिम्हा राव ने

✷ सही सुमेलित है–

वी.एस. नायपॉल	–	इन ए फ्री स्टेट
सलमान रुश्दी	–	मिडनाइट्स चिल्ड्रेन
पॉल स्काट	–	स्टेयिंग ऑन
जे.जी. फैरेल	–	दि सीज़ ऑफ कृष्णपुर

✷ "A World of All Human Rights Soli J. Sorabjee A Festschrift" पुस्तक के लेखक हैं **– आर.एन. त्रिवेदी**

✷ 'ऑटोबायोग्राफी ऑफ मैडम क्यूरी' का हिंदी में अनुवाद किया
– लाल बहादुर शास्त्री ने

✷ 'सुबहे आजादी' नामक कविता लिखी **– फ़ैज अहमद फ़ैज ने**

✷ एलिजाबेथ हॉली, जानी जाती हैं
– हिमालय के अभियान की लेखिका के रूप

✷ सही सुमेलित है–

इन कस्टडी	–	अनीता देसाई
सी ऑफ़ पॉपीज़	–	अमिताव घोष
द आर्ग्युमेंटेटिव इंडियन	–	अमर्त्य सेन
अनएकस्टम्ड अर्थ	–	झुम्पा लाहिड़ी

✷ सही सुमेलित है–

तबकाते-अकबरी	–	निज़ामुद्दीन
तबकाते-ए-नासिरी	–	मिनहाजुद्दीन बिन सिराजुद्दीन
तारीखे-फिरोजशाही	–	ज़ियाउद्दीन बरनी
तारीखे-यामीनी	–	अल उत्बि

✷ 'दि ऑडेसिटी ऑफ़ होप' पुस्तक के लेखक हैं
– बराक ओबामा

✷ 'पॉलिटिक्स इन इंडिया' पुस्तक के रचयिता हैं **– रजनी कोठारी**

✷ परवेज मुशर्रफ की जीवन कथा 'इन दि लाइन ऑफ फायर' के गुप्त लेखक हैं **– हुमायूं गौहर**

✷ सही सुमेलित है–

मुंशी इंशा अल्ला खान	–	उदयभान चरित
बाबू देवकीनंदन खत्री	–	काजर की कोठरी
पं. प्रताप नारायण मिश्र	–	हठी हमीर
जयशंकर प्रसाद	–	कंकाल

✷ 'अंधा युग' के लेखक हैं **– धर्मवीर भारती**

✷ 'सर्वोदय योजना' की रूपरेखा तैयार करने में सम्मिलित थे
– जयप्रकाश नारायण

✷ पुस्तक 'वन डे वंडर्स' के लेखक हैं **– सुनील गावस्कर**

✷ निम्नलिखित में से कौन-सी जोड़ी (लेखक एवं ग्रंथ) सुमेलित है–

कपिल देव	–	क्रिकेट माई स्टाइल
हिलेरी क्लिंटन	–	लिविंग हिस्ट्री
आर्थर केम्प	–	मिथ ऑफ महात्मा
नेविले चैम्बरलेन	–	द स्ट्रगल फॉर पीस

कला एवं संस्कृति

✷ सही सुमेलित है–

मधुबनी, एक पारंपरिक चित्रकला	-	बिहार
सिंध खबाब्स सिंधु दर्शन-उत्सव	-	जम्मू और कश्मीर

✷ भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में, नृत्य एवं नाट्य-कला की एक मुद्रा जिसे 'त्रिभंग' कहा जाता है, प्राचीन काल से आज तक भारतीय कलाकारों को अतिप्रिय रही है। इस मुद्रा को सर्वोत्तम रूप से वर्णित करता है
– एक पांव मोड़ा जाता है और देह थोड़ी किंतु विपरीत दिशा में कटि एवं ग्रीवा पर वक्र की जाती है

✷ नासिक, हरिद्वार, प्रयाग तथा वाराणसी में से कुंभ मेले का आयोजन नहीं होता **– वाराणसी में**

✷ स्थान समूह जहां हर बारहवें वर्ष कुंभ मेला आयोजित होता है
– प्रयाग-हरिद्वार-उज्जैन-नासिक में

✷ सही सुमेलित है–

त्योहार	-	राज्य
बिहू	-	असम
ओणम	-	केरल
पोंगल	-	तमिलनाडु
बैसाखी	-	पंजाब

✷ दक्षिण भारत का त्योहार 'ओणम' संबद्ध है **– महाबली से**

✷ डोल यात्रा, ओणम, पोंगल तथा विश्वकर्मा पूजा त्योहारों में से 'अतापू' संबंधित है **– ओणम त्योहार से**

✷ 'तमाशा' संगीत नाटक का प्रसिद्ध लोक स्वरूप है और यह संबंधित है
– महाराष्ट्र से

✷ उस देवस्थान का नाम जिसमें मुख्य देवता अन्य तीन से भिन्न हैं
– जगन्नाथ

✷ आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित चार मठ हैं
– जोशीमठ, द्वारका, पुरी, शृंगेरी

✷ भारत में अनेक तीर्थयात्री 'श्रीशैलम' की यात्रा करते हैं, जो द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक है, अवस्थित है
– आंध्र प्रदेश में कुरनूल के निकट

✷ बौद्ध स्थल 'ताबो मठ' अवस्थित है **– हिमाचल प्रदेश में**

✷ लोसांग एक उत्सव है जो मनाया जाता है **– सिक्किम में**

✷ चपचार कुट त्योहार मनाया जाता है **— मिजोरम में**

✷ इज्तिमा त्योहार (मेला) मनाया जाता है **— भोपाल में**

✷ महाभारत के नायक अर्जुन के पितामह थे **— विचित्रवीर्य**

✷ 'काबा' है **— मुस्लिम पवित्र स्थल**

✷ यहूदियों का पूजा स्थल कहलाता है **— सिनेगॉग**

✷ संस्कृत की प्रथम विश्वविद्यालयीय पीठ की स्थापना सर्वप्रथम हुई थी **— फ्रांस में**

✷ 'चुंबकीय दिशासूचक' यंत्र का सर्वप्रथम संदर्भ मिलता है **— जवामिउल् हिकायात में**

✷ सही सुमेलित है–

विद्याशंकर मंदिर	–	कर्नाटक
राजरानी मंदिर	–	उड़ीसा
कंदरिया महादेव मंदिर	–	मध्य प्रदेश
भीमेश्वर मंदिर	–	आंध्र प्रदेश

✷ सही सुमेलित है–

टाबो मठ और मंदिर संकुल	–	स्पीति घाटी
अल्ची मंदिर संकुल	–	लद्दाख

✷ चित्रगुप्त स्वामी मंदिर जिसे चित्रगुप्त का एकमात्र मंदिर माना जाता है, स्थित है **— कांची में**

✷ उस स्थान का नाम जहां गीतकार श्री त्यागराज के सम्मान में नियमित रूप से त्यागराज आराधना त्योहार मनाया जाता है **— तंजावुर**

✷ 'सूफिया कलाम' जो एक प्रकार का भक्ति संगीत है, विशेषता है **— कश्मीर की**

✷ मीमांसा दर्शन के अनुसार मुक्ति संभव है **— कर्म से**

✷ ईश्वर पूजा की ''जागर'' पद्धति प्रमुखत: होती है **— उत्तराखंड में**

✷ 'रथ यात्रा' महोत्सव होता है **— पुरी में**

✷ सुमेल है–

मधुमिता राउत	–	ओडिशी नृत्यांगना
इंदिरा चक्रवर्ती	–	चिकित्सक
मीरा भाटिया	–	विधिवेत्ता
साध्वी साधना	–	गृहिणी चिकित्सक

✷ सही सुमेलित है–

भजन सोपोरी	–	संतूर के उत्कृष्ट कलाकार
बिरजू महाराज	–	कत्थक नर्तक
प्रियदर्शिनी गोविंद	–	भरतनाट्यम नर्तक
टी.वी. गोपालकृष्णन	–	मृदंगम के उत्कृष्ट कलाकार

✷ प्रसिद्ध वादक अल्ला रक्खा संबंधित हैं **— तबला से**

✷ सही सुमेलित है–

देबू चौधरी	–	सितार
अमजद अली खां	–	सरोद
पन्ना लाल घोष	–	बांसुरी वादक
यहूदी मेनुहिन	–	वॉयलिन

✷ काव्याभिव्यक्ति के रूप में उर्दू का प्रयोग करने वाला पहला लेखक था **— अमीर खुसरो**

✷ शास्त्रीय संगीत पर प्रसिद्ध रचना 'राधागोविंद संगीत सार' के रचयिता थे **— सवाई प्रताप सिंह**

✷ सदियों से भारत में जीवित रही एक प्रमुख परंपरा 'ध्रुपद' के संदर्भ में सही है-

— ध्रुपद प्रमुखत: भक्ति और आध्यात्म का संगीत है।
ध्रुपद आलाप मंत्रों से लिए गए संस्कृत अक्षरों पर आधारित है।

✷ उमाकांत और रमाकांत गुंडेचा बंधु हैं **— ध्रुपद गायक के**

✷ 'राग कल्पद्रुम' के रचयिता हैं **— कृष्णानंद व्यास**

✷ वह 'राग' जो सुप्रभात के समय गाया जाता है **— तोड़ी**

✷ चाक्यारकुथु नृत्य (Chakiarkoothu dance) के विषय में सही हैं

— यह चाक्यार (Chakiar) जाति द्वारा किया जाता है।
मियावु (Mizhavu) संगीत-वाद्य है।
इसका नाट्य रूप कूथाम्बलम (Koothambalam) है।

✷ पंडित भीमसेन जोशी संबंधित हैं **— संगीत से**

✷ प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक भीमसेन जोशी संबंधित हैं **— किराना घराने से**

✷ सही सुमेलित है–

कलामंडलम क्षेमवती	–	मोहिनीअट्टम
कोट्टक्कल शिवरामन	–	कथकली
लक्ष्मी विश्वनाथन	–	भरतनाट्यम
एन. माधवी देवी	–	मणिपुरी

✷ सही सुमेलित है–

भरतनाट्यम	–	तमिलनाडु
कथक	–	उत्तर प्रदेश
कुचीपुड़ी	–	आंध्र प्रदेश
मोहिनीअट्टम	–	केरल

✷ 'ओडिसी' नृत्य संबंधित है **— ओडिशा से**

✷ विख्यात सत्रीया नृत्य के संदर्भ में सही कथन है

— सत्रीया, संगीत, नृत्य तथा अभिनय का सम्मिश्रण है।
यह असम के वैष्णवों की शताब्दियों पुरानी जीवंत परंपरा है।

✷ भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, मोहिनीअट्टम तथा ओडिसी नृत्यों में से एक में एकल नृत्य होता है **— मोहिनीअट्टम**

✷ सही सुमेलित है–

गरबा	:	गुजरात
मोहिनीअट्टम	:	केरल
यक्षगान	:	कर्नाटक

✷ कुचिपुड़ी तथा भरतनाट्यम नृत्यों के बीच भेद है

– कुचिपुड़ी नृत्य में नर्तक प्रासंगिक रूप से कथोपकथन का प्रयोग करते हैं, जबकि भरतनाट्यम में कथोपकथन का प्रयोग नहीं किया जाता।

✷ सही सुमेलित है–

हिरेन भट्टाचार्य	-	कठपुतली कला
मालिनी राजकुंवर	-	हिंदुस्तानी स्वर संगीत
प्रतिभा प्रहलाद	-	भरतनाट्यम कला
वेम्पति चिन्ना सत्यम	-	कुचिपुड़ी नृत्य

✷ कथकली, कुचिपुड़ी, भरतनाट्यम तथा मणिपुरी नृत्य शैलियों में से वह जिसका उद्‌गम पूर्व भारत से है **– मणिपुरी**

✷ इन्द्राणी रहमान का संबंध जिस शास्त्रीय नृत्य कला शैली से है, वह है **– ओडिसी**

✷ सुविख्यात ठुमरी गायिका गिरजा देवी का संबंध है **– बनारस घराने से**

✷ सितार, तबला, सारंगी तथा शहनाई में से वह संगीत वाद्य जो इंडोइस्लामिक उत्पत्ति का नहीं है **– सारंगी**

✷ गंगूबाई हंगल थीं **– शास्त्रीय संगीत की गायिका**

✷ तेरहताली लोकनृत्य है **– राजस्थान का**

✷ सही सुमेलित है–

आंध्र प्रदेश	–	बुर्रा
असम	–	बिहू
हिमाचल प्रदेश	–	नटी
राजस्थान	–	घूमर

✷ सही सुमेलित है–

असम	–	ओजापली
हिमाचल प्रदेश	–	लुड्डी
पश्चिम बंगाल	–	जात्रा
बिहार	–	जाटा-जाटिन

✷ 'कारागम', धार्मिक लोकनृत्य संबंधित है **– तमिलनाडु से**

✷ सही सुमेलित है–

शहनाई	–	बिस्मिल्ला खां
सरोद	–	अमजद अली खां
चित्रकार	–	मकबूल फिदा हुसैन
तबला	–	अल्लारक्खा खां
सितार	–	रविशंकर

✷ सही सुमेलित है–

विलायत खान	-	सितार
अल्ला रक्खा	-	तबला
हरिप्रसाद चौरसिया	-	बांसुरी
अमजद अली खां	-	सरोद वादक

✷ सही सुमेलित है–

बिरजू महाराज	–	कत्थक
हरिप्रसाद चौरसिया	–	बांसुरी
अली अकबर	–	सरोद
जाकिर हुसैन	–	तबला

✷ श्री वी.जी. जोग विख्यात हैं **– वॉयलिन वाद्य संगीत के लिए**

✷ सही सुमेलित है–

शिव कुमार शर्मा	–	संतूर
हरिप्रसाद चौरसिया	–	बांसुरी
असद अली खां	–	रुद्रवीणा
प्रमोद गायकवाड़	–	सुंदरी

✷ सही सुमेलित है–

खयाल गायन	–	सूरज खां
पखावज वादन	–	पं. अयोध्या प्रसाद
वीणा वादन	–	सादिक अली खां
तबला वादन	–	वीरू मिश्रा

✷ सही सुमेलित है–

पंडित शिवकुमार शर्मा	–	संतूर वादक
पंडित मल्लिकार्जुन मंसूर	–	हिंदुस्तानी संगीत
वी. जी. जोग	–	वॉयलिन वादक
अली अकबर खां	–	सरोद वादक

✷ सही सुमेलित है–

रविशंकर	–	सितार
हरि प्रसाद चौरसिया	–	बांसुरी
ओंकारनाथ ठाकुर	–	वॉयलिन
बिस्मिल्ला खां	–	शहनाई

✷ सही सुमेलित है–

किशन महाराज	–	तबला वादक
हरिप्रसाद चौरसिया	–	बांसुरी वादक
पं. गोपालजी मिश्र	–	सारंगी वादक
कुदक सिंह	–	पखावज वादक

✷ अल्लारक्खा खां, एम. एस. रेड्डी, बिरजू महाराज तथा राजा रेड्डी में से कथक नृत्य के उत्कृष्ट नर्तक हैं **– बिरजू महाराज**

✷ बिन्दादीन, शम्भू महाराज, लच्छू महाराज तथा ध्रुवतारा जोशी में से कथक नृत्य से संबद्ध नहीं है **– ध्रुवतारा जोशी**

✷ बिरजू महाराज, किशन महाराज, लच्छू महाराज तथा सितारा देवी में से कथक कलाकार नहीं है **– सितारा देवी**

✷ भारत की संस्कृति एवं परंपरा के संदर्भ में 'कलारीपयट्टू' है

– यह एक प्राचीन मार्शल कला है और दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में जीवंत परंपरा है

✷ लोक संस्कृति को स्पष्ट करता है

— सामान्य लोगों की सांस्कृतिक परिपाटी

✷ कलमकारी चित्रकला निर्दिष्ट (रेफर) करती है

— दक्षिण भारत में सूती वस्त्र पर हाथ से की गई चित्रकारी

✷ सही सुमेलित है–

रुक्मणी देवी	–	भरतनाट्यम नृत्य
कुमार गंधर्व	–	शास्त्रीय गायन
बिरजू महाराज	–	कथक नृत्य
राकेश शर्मा	–	अंतरिक्ष यात्री

✷ लोकगीतों का सर्वाधिक महत्व है **— परंपराओं के संरक्षण में**

✷ वह नृत्य जो शास्त्रीय नहीं है **— गरबा**

✷ सही सुमेलित है–

हरि प्रसाद चौरसिया	–	बांसुरी
बिस्मिल्ला खां	–	शहनाई
अल्ला रक्खा खां	–	तबला
जाकिर हुसैन	–	तबला

✷ सही सुमेलित है–

भीमसेन जोशी	–	शास्त्रीय गायन संगीत
अल्ला रक्खा खां	–	तबला
देबू चौधरी	–	सितार
एम. एस. सुब्बलक्ष्मी	–	शास्त्रीय गायन संगीत

✷ सही सुमेलित है–

बालमुरली कृष्ण	-	कर्नाटक गायन
मीता पंडित	-	हिंदुस्तानी गायन
कन्याकुमारी	-	वॉयलिन
निखिल बनर्जी	-	सितार

✷ सही सुमेलित है–

कवलम नारायण पन्निकर	–	रंगमच
शर्मिला टैगोर	–	सिनेमा
बालमुरली कृष्ण	–	कर्नाटक संगीत
सोनल मान सिंह	–	नृत्य

✷ सही सुमेलित है–

पंडित दुर्गालाल	–	नृत्य
लालगुडी जयरामन	–	वाद्य संगीत
बालमुरली कृष्ण	–	कंठ संगीत
अमृता शेरगिल	–	चित्रकला

✷ कलाकार के रूप में विख्यात हैं–

— अमृता शेरगिल-बिकाश भट्टाचारजी-एन. एस. बेन्द्रे-सुबोध गुप्ता

✷ सही सुमेलित है–

मंदाकिनी आम्टे	-	समाज सेवा और सामुदायिक नेतृत्व
नीलम मानसिंह चौधरी	-	नाट्य निर्देशन
रोमिला थापर	-	इतिहास लेखन
वनश्री राव	-	नृत्य

✷ सही सुमेलित है–

अमृता शेरगिल	–	चित्रकार
भीमसेन जोशी	–	गायक
रुक्मिणी देवी अरुंडेल	–	नर्तकी
सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	–	कवि

✷ भारत में नृत्य, नाटक तथा संगीत के विकास को प्रोत्साहन देने के लिए उत्तरदायी है **— संगीत अकादमी**

✷ देबू चौधरी, मधुप, मुद्‌गल, रोनू मजूमदार तथा शफत अहमद में से प्रसिद्ध बांसुरी वादक हैं **— रोनू मजूमदार**

✷ सही सुमेलित है–

तसलीमा नसरीन	–	लज्जा
सलमान रुश्दी	–	सैटेनिक वर्सेस
एम. एफ. हुसैन	–	चित्रकार
रुक्मिणी अरुन्डेल	–	नृत्य

✷ उस्ताद अमजद अली खान प्रसिद्ध वादक हैं **— सरोद वाद्य यंत्र के**

✷ सही युग्म हैं–

बिरजू महाराज	-	कथक
बिस्मिल्ला खां	-	शहनाई
जाकिर हुसैन	-	तबला वादन
अमजद अली खान	-	सरोद

✷ सितार, वीणा, सरोद तथा तबला में से सबसे प्राचीन वाद्य यंत्र है **— वीणा**

✷ संगीत यंत्र सितार मिश्रण है – वीणा एवं तम्बूरा का

✷ सही सुमेलित है–

कोरकू	–	महाराष्ट्र
झूमर	–	हरियाणा
थाली	–	उत्तराखंड
मुकना	–	मणिपुर

✷ कुचिपुड़ी नृत्य प्रारंभ हुआ – आंध्र प्रदेश में

✷ सही सुमेलित है–

कुचिपुड़ी	–	आंध्र प्रदेश
भरतनाट्यम	–	तमिलनाडु
कथक	–	उत्तर प्रदेश
ओडिसी	–	उड़ीसा

✷ मेघालय का लोक नृत्य है — **लोहो**

✷ भारतीय वास्तुकला में 'सुर्खी' का प्रारंभ हुआ — **कुषाणों द्वारा**

✷ धर्म, राजनीति, कानून तथा परंपरा में से 'सांस्कृतिक विलंबना' का कारक नहीं है — **राजनीति**

✷ वह नृत्य जो केवल पुरुष कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया जाता है — **कथकली**

✷ मुखौटा नृत्य का संबंध कथकली, नागा, ओडिसी तथा कुचिपुड़ी में से जिस नृत्य-शैली से है, वह है — **कथकली**

✷ सही सुमेलित है–

पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर	–	भारतीय संगीत के राग वर्गीकरण की रूपरेखा को प्रारंभ किया
वेंकटामही	–	'वंदे मातरम्' गीत का संगीत लिपिबद्ध किया
श्याम शास्त्री	–	कर्नाटक संगीत के प्रतिपादक
अमीर खुसरो	–	हिंदुस्तानी संगीत के ख्याल रूप के प्रतिपादक

✷ चूनर, बिदेसिया, रास नृत्य एवं कुचिपुड़ी नृत्यों में, गुजरात से संबंध रखने वाला है — **रास नृत्य**

✷ सही सुमेलित है–

भारत की प्रथम टेक्नीकलर फिल्म	— **झांसी की रानी**
भारत की प्रथम 3-डी फिल्म	— **माई डियर कुट्टीचातन**
भारत की प्रथम बीमाकृत फिल्म	— **ताल**

✷ 'बैंडिट क्वीन' चित्र में मुख्य भूमिका की है — **अभिनेत्री सीमा विश्वास ने**

✷ मशहूर टी. वी. सीरियल 'रामायण' के निर्माता थे — **रामानंद सागर**

✷ फिल्म 'दि मेकिंग ऑफ दि महात्मा' के निर्देशक हैं — **श्याम बेनेगल**

✷ फिल्म 'गांधी' में गांधी का अभिनय किया — **बेन किंग्सले ने**

✷ रिचर्ड एटनबरो हैं — **निर्माता-निर्देशक**

✷ भारत में बनने वाली सर्वप्रथम कथा फिल्म (टॉकी) थी — **आलम आरा**

✷ प्रसिद्ध भारतीय अभिनेत्री देविका रानी ने विवाह किया — **चित्रकार स्वेतोस्लोव रोरिच से**

✷ 'महाभारत' सीरियल के निर्माता थे — **बी.आर. चोपड़ा**

✷ संस्कृत नाटकों में सामान्य पात्र ''विदूषक'' प्रायः होता है — **ब्राह्मण वर्ण का**

✷ के. शंकर पिल्लई थे — **कार्टूनिस्ट**

✷ रघु राय जिस कर्मक्षेत्र में प्रसिद्ध हैं, वह है — **फोटोग्राफी**

✷ सही सुमेलित है–

भानू भारती	–	रंगशाला निर्देशक
माइक पांडे	–	वन्यजीवन फिल्म निर्माता
मो. जहूर खय्याम	–	संगीतकार
विंदा करंदीकर	–	कवि एवं साहित्यकार

✷ अवनींद्रनाथ टैगोर के बनाए चित्रों को वर्गीकृत किया गया है — **पुनरूज्जीवनवादी**

✷ विष्णु चिंचालकर थे — **चित्रकार**

✷ 'इंडियन सोसायटी ऑफ ओरियंटल आर्ट' की स्थापना की — **अवनींद्रनाथ टैगोर ने**

✷ मोनालिसा है — **एक चित्र**

✷ 'मेरा पिया घर आया' पाकिस्तान के जिस मशहूर गायक ने गाया, वह हैं — **नुसरत फतेह अली खान**

✷ जामिनी राय थे — **चित्रकार**

✷ ब्रिटनी स्पियर्स प्रसिद्ध है — **गायन हेतु**

✷ पंजाबी भाषा का टैगोर माना गया है — **पूरन सिंह को**

✷ सुविख्यात चित्र सत्यम् शिवम् सुंदरम् की रचना की थी — **शोभा सिंह ने**

✷ सही सुमेलित है–

हिंदी साहित्य	–	रसखान
उर्दू	–	ज्ञान चंद्र जैन
संगीत एवं नृत्यकला	–	सविता देवी
चित्रकला	–	सतीश चंद्र

✷ सही सुमेलित है–

संतोष यादव	–	पर्वतारोही
ओप्रा विनफ्रे	–	टी.वी. होस्ट
ऑस्कर वाइल्ड	–	नाटककार और लेखक
पी.साइनाथ	–	पत्रकार

✷ एवरेस्ट शिखर पर चढ़ने वाली प्रथम भारतीय नारी हैं — **बछेंद्री पाल**

✷ सही सुमेलित है–

सरस्वती महल पुस्तकालय	–	तंजावुर
लाइब्रेरी ऑफ तिबेतन वर्क एंड आर्काइव्स	–	धर्मशाला
रजा लाइब्रेरी	–	रामपुर
खुदा बख्श ओरिएंट पब्लिक लाइब्रेरी	–	पटना

✷ महिलाओं के परंपरागत परिधानों एवं राज्यों की सही सुमेलित सूची है — **बोकू-सिक्किम, मेखला-असम, मुंडू-केरल, फेरन-कश्मीर**

✷ शांतिनिकेतन स्थित है — **वीरभूमि (पश्चिम बंगाल) में**

* सही सुमेलित है–

गेटवे ऑफ इंडिया	–	मुंबई
विक्टोरिया मेमोरियल	–	कोलकाता
इंडिया गेट	–	नई दिल्ली
चार मीनार	–	हैदराबाद

* सही सुमेलित है–

श्रीहरिकोटा	–	आंध्र प्रदेश
सांची स्तूप	–	रायसेन
गूजरी महल	–	ग्वालियर
ताल-उल-मस्जिद	–	भोपाल

परंपरागत पुरस्कार

* 'कालिदास सम्मान' दिया जाता है **– कला क्षेत्र में योगदान हेतु**
* शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार दिया जाता है **– विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में**
* मैग्सेसे पुरस्कार विजेता पहले भारतीय थे **– विनोबा भावे**
* 'द्रोणाचार्य' पुरस्कार दिया जाता है **– खेलकूद के उत्कृष्ट प्रशिक्षण हेतु**
* खेल-कूद में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार दिया जाता है **– अर्जुन पुरस्कार**
* अर्जुन पुरस्कार के साथ धनराशि मिलती है **– 3.0 लाख**
* सी.वी. रमन, एच.जे. भाभा, आर.एन. टैगोर तथा मदर टेरेसा में से नोबेल पुरस्कार नहीं प्रदान किया गया है **– एच.जे. भाभा को**
* सही सुमेलित है–

भटनागर पुरस्कार	–	विज्ञान
बी.सी. राय पुरस्कार	–	औषधि
दादा साहेब फाल्के पुरस्कार	–	फिल्म
गंधर्व पुरस्कार	–	शास्त्रीय कला

* नोबेल पुरस्कार विजेता हैं **– आर्क बिशप डेस्मंड टूटू, लेक वालेसा, शिमोन पेरेज तथा यासिर अराफात**
* सुब्रह्मण्यम चंद्रशेखर, सी.वी. रमन, मदर टेरेसा तथा रवींद्रनाथ टैगोर में से नोबेल पुरस्कार विजेता भारतीय नागरिक नहीं थे **– सुब्रह्मण्यम चंद्रशेखर**
* कृषि वैज्ञानिक को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया **– नार्मन बोरलॉग**
* महिलाओं को 'स्त्री शक्ति पुरस्कार' दिया जाता है **– महिलाओं की बेहतरी के लिए उनके साहस और पराक्रम राष्ट्र तथा जनता के लिए उनका योगदान**
* पद्मश्री पुरस्कार पाने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री थीं **– नरगिस दत्त**
* उस्ताद बिस्मिल्लाह खां, सत्यजीत रे, लता मंगेशकर तथा राजकपूर में से भारत रत्न का सम्मान प्रदान नहीं किया गया **– राजकपूर को**
* लता मंगेशकर, पंडित जसराज, पंडित रविशंकर तथा उस्ताद बिस्मिल्लाह खां में से भारत रत्न से सम्मानित नहीं किया गया है **– पंडित जसराज को**
* ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त करने वाली प्रथम महिला साहित्यकार हैं **– आशापूर्णा देवी**
* पाकिस्तानी नागरिक जिसको भारत सरकार द्वारा 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया था **– खान अब्दुल गफ्फार खां**
* वह विदेशी जिनको 1990 में भारत रत्न मिला है **– नेल्सन मंडेला**
* प्रथम 'भारत रत्न' पुरस्कार दिया गया **– 1954 में**
* भारत रत्न देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है जो कि सर्वप्रथम प्रदान किया गया **– वर्ष 1954, डॉ. राधाकृष्णन को**
* भारत रत्न अलंकरण सर्वप्रथम प्रदान किया गया **– एस. राधाकृष्णन, सी.वी रमन तथा सी. राजगोपालाचारी**
* जे.आर.डी. टाटा, आचार्य नरेंद्र देव, सत्यजीत रे तथा सी. सुब्रह्मनियम में से 'भारत रत्न' सम्मान प्रदान नहीं किया गया है **– आचार्य नरेंद्र देव को**
* 1992 में जे.आर.डी. राय (टाटा) को अलंकृत किया गया था **– भारत रत्न से**
* व्यास सम्मान पाने वाली प्रथम महिला थीं **– चित्रा मुद्‌गल**
* 'बुकर पुरस्कार' जीतने वाले भारतीय मूल के प्रथम व्यक्ति हैं **– वी.एस. नायपॉल**
* नोबेल पुरस्कार दिए जाते हैं **– स्वीडिश अकादमी द्वारा**
* 'चक्रधर फेलोशिप' दी जाती है **– शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में**
* महाराणा प्रताप पुरस्कार दिया जाता है **– खेल के लिए**
* वह भारतीय जिसको विशिष्ट ऑस्कर सम्मान प्रदान किया गया था **– सत्यजीत रे को**
* भगवत रावत, फिराक गोरखपुरी, माखनलाल चतुर्वेदी तथा ज्ञान रंजन में से भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा सम्मानित व्यक्ति हैं**– फिराक गोरखपुरी**
* भारतीय सिनेमा से संबंधित सही युग्म हैं **– पहली फुल लेंथ तमिल फ़ीचर फ़िल्म-कीचक वधम् पार्श्वगायन की तकनीक का प्रयोग करने वाली पहली भारतीय फ़िल्म - धूप पहली भारतीय सिनेमा स्कोप फ़िल्म-कागज़ के फूल**
* खुशवंत सिंह, अरुण शौरी, धर्मवीर भारती तथा कमलेश्वर में से 'मैग्सेसे' पुरस्कार प्राप्त करने वाले पत्रकार हैं **– अरुण शौरी**